एनिड ब्लाइटन™

फ़ेमस 5



फ़ेमस फ़ाइव और ख़ुफ़िया रास्ता

Hindi Translation of Five Go Adventuring Again

Enid Blyton

फ़ेमस 5

फ़ेमस फ़ाइव
और ख़ुफ़िया रास्ता

फ़ेमस 5

फ़ेमस फ़ाइव और ख़ुफ़िया रास्ता

एनिड ब्लाइटन™

अनुवादकः डॉ. सुधीर दीक्षित, रजनी दीक्षित

MANJUL

मंजुल पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड

Published in India by:

MANJUL

Manjul Publishing House Pvt. Ltd.
10, Nishat Colony, Bhopal, INDIA 462003
Phone: 91-755-4240340, Fax: 91-755-2736919
E-mail: manjul@manjulindia.com
Website : www.manjulindia.com

First published as *"Five Go Adventuring Again"* : 1943 Hodder and Stoughton, London.

Hindi language edition first published: 2006

ISBN 81 - 8322 - 046 - 0

Distributed by:

FULL CIRCLE Full Circle Publishing Pvt. Ltd., New Delhi

Translation by : Dr. Sudhir Dixit, Rajni Dixit
Editing by : Shivesh Shrivastava

Printed & bound in India by:
Thomson Press (India) Ltd., New Delhi, INDIA

अनुक्रमणिका

1	क्रिसमस की छुट्टियाँ	1
2	दोबारा एक साथ	15
3	नए टीचर	27
4	रोमांचक खोज	41
5	दुख भरी सैर	55
6	मिस्टर रोलैंड के साथ पढ़ाई	67
7	ख़ुफ़िया रास्ते के दिशानिर्देश	81
8	क्रिसमस की रात को क्या हुआ?	95
9	ख़ुफ़िया रास्ते की तलाश	109
10	जॉर्ज और टिम को लगा सदमा	123
11	महत्वपूर्ण पन्ने चोरी हो गए	137
12	जॉर्ज संकट में	149
13	जूलियन की हैरानी	163
14	आख़िर ख़ुफ़िया रास्ता मिल ही गया!	181
15	रोमांचक यात्रा और तलाशी	193
16	बच्चों का भेद खुल गया	209
17	टिम की बहादुरी!	221

1

क्रिसमस की छुट्टियाँ

एक हफ़्ते बाद क्रिसमस की छुट्टियाँ शुरू होने वाली थीं। गेलैंड्स नाम के बोर्डिंग स्कूल में पढ़ने वाली सभी लड़कियाँ छुट्टियों का बेसब्री से इंतज़ार कर रही थीं। एन नाश्ते की टेबल पर बैठकर अपने नाम आई चिट्ठी खोल रही थी।

उसकी चचेरी बहन जॉर्जिना उसके पास ही बैठी थी। एन ने उससे कहा, 'अरे, डैडी की चिट्ठी आई है। बड़ी हैरानी की बात है, क्योंकि मम्मी-डैडी की चिट्ठी कल ही तो आई थी।'

'कहीं कोई बुरी ख़बर तो नहीं है,' जॉर्ज बोली। वह यह पसंद नहीं करती थी कि कोई उसे जॉर्जिना कहकर बुलाए। स्कूल की मैडमें तक उसे जॉर्ज कहती थीं। वाक़ई वह लड़के जैसी दिखती भी थी। उसके बाल छोटे और घुँघराले थे। और वह लड़कों जैसे काम भी करती थी। जब एन ने चिट्ठी पढ़ी, तो जॉर्ज उसे चिंता से देखती रही।

एन ने आँखों में आँसू भरकर कहा, 'ओह जॉर्ज - हम छुट्टियों में घर नहीं जा सकते! मम्मी को स्कारलेट

फ़ीवर हो गया है - और इस कारण डैडी को भी लोगों से मिलने-जुलने नहीं दिया जा रहा है। इसलिए अब हम वहाँ नहीं जा पाएँगे। कितनी बुरी बात है?'

'ओह, सचमुच बहुत बुरी बात है,' जॉर्ज ने कहा। वह एन के लिए तो निराश थी ही, ख़ुद के लिए भी निराश थी, क्योंकि एन की मम्मी ने जॉर्ज और उसके कुत्ते टिमोथी को क्रिसमस की छुट्टियों में अपने घर रहने के लिए बुलाया था। उन्होंने जॉर्ज से कई ऐसी चीज़ों का वादा किया था, जो उसने पहले कभी नहीं देखी थीं - पेंटोमाइम, सर्कस और बेहतरीन क्रिसमस ट्री के साथ एक बड़ी दावत! अब यह सब नहीं हो पाएगा।

एन ने अपने भाइयों जूलियन और डिक के बारे में सोचते हुए कहा, 'मेरे दोनों भाई क्या करेंगे? वे भी तो घर नहीं जा पाएँगे।'

'तो फिर तुम छुट्टियों में कहाँ रहोगी?' जॉर्ज ने पूछा। 'तुम लोग *मेरे* साथ किरिन कॉटेज क्यों नहीं चलते? मुझे यक़ीन है कि तुम्हारे आने से मेरी मम्मी ख़ुश होंगी। पिछली बार जब तुम गर्मियों की छुट्टी में हमारे यहाँ आई थीं, तो हम लोगों ने कितने मज़े किए थे?'

'एक मिनट रुको - मुझे पूरी चिट्ठी तो पढ़ लेने दो। देखते हैं, डैडी ने आगे क्या लिखा है,' एन ने चिट्ठी दोबारा उठाते हुए कहा। 'बेचारी मम्मी, उम्मीद है वे

ज़्यादा बीमार नहीं होंगी।'

उसने आगे चिट्ठी पढ़ी और एकाएक ख़ुशी की किलकारी भरी। जॉर्ज और बाक़ी लड़कियाँ बेसब्री से इंतज़ार करने लगीं कि आख़िर चिट्ठी में ऐसा क्या लिखा था!

'जॉर्ज! इसमें लिखा है कि हम दोबारा तुम्हारे यहाँ रहने चले जाएँ। लेकिन ओह, ओह, ओह! - हमें छुट्टियों में एक टीचर से पढ़ना पड़ेगा। इसकी एक वजह तो यह है कि तुम्हारी मम्मी को हमारे कारण ज़्यादा दिक़्क़त न हो। दूसरी वजह यह है कि जूलियन और डिक दोनों को इस साल बुख़ार आ गया था और वे उस दौरान पढ़ नहीं पाए थे।'

जॉर्ज ने निराशा से कहा, 'टीचर! कितनी बुरी बात है! इसका मतलब है कि मुझे भी पढ़ना पड़ेगा। मैं यह बात यक़ीन से कह सकती हूँ! जब मेरे मम्मी-डैडी मेरा रिपोर्ट कार्ड देखेंगे, तो उन्हें यह पता चल जाएगा कि मैं कितनी कमज़ोर हूँ! आख़िर, मैं पहली बार किसी ढंग के स्कूल में आई हूँ और मुझे बहुत से विषयों का ज्ञान ही नहीं था।'

'अगर वह टीचर सारे समय हमारे पीछे पड़ा रहेगा, तो छुट्टियाँ कितनी बुरी गुज़रेंगी,' एन निराशा से बोली। 'मेरे पेपर अच्छे हुए हैं, इसलिए मुझे लगता है कि मेरा रिपोर्ट कार्ड अच्छा रहेगा। लेकिन अगर तुम

तीनों छुट्टियों में पढ़ाई करोगे, तो मैं अकेली क्या करूँगी! मुझे लगता है कि उस समय मैं टिमोथी के साथ बाहर घूमने जा सकती हूँ। *वह* तो पढ़ाई नहीं करेगा!'

'वह भी पढ़ेगा,' जॉर्ज ने तत्काल कहा। उससे यह सहन नहीं हुआ कि वह तो जूलियन और डिक के साथ पढ़ाई करे और उसका प्यारा कुत्ता टिमोथी हर सुबह एन के साथ बाहर घूमने जाए।

एन बोली, 'बेवक़ूफ़ी की बातें मत करो, जॉर्ज! टिमोथी कैसे पढ़ सकता है?'

'जब *मैं* पढ़ाई करूँगी, तो वह मेरे पैरों के पास बैठा रहेगा,' जॉर्ज ने कहा। 'उसके बैठने से मुझे अच्छा लगेगा। एन, अब तुम अपना नाश्ता ख़त्म कर लो, क्योंकि हम सब नाश्ता कर चुके हैं। एक मिनट में घंटी बज जाएगी और तुम्हारा नाश्ता रखा रह जाएगा।'

'मुझे ख़ुशी है कि मम्मी ज़्यादा बीमार नहीं हैं,' एन ने अपनी चिट्ठी जल्दी से पूरी पढ़ते हुए कहा। 'डैडी कहते हैं कि उन्होंने डिक और जूलियन को भी चिट्ठी लिख दी है। इसके अलावा उन्होंने तुम्हारे डैडी को चिट्ठी लिखकर टीचर ढूँढ़ने के लिए कहा है। ओह, यह बहुत निराशाजनक है, है ना? मेरा मतलब यह नहीं है कि मुझे दोबारा किरिन कॉटेज जाने और किरिन टापू पर घूमने में मज़ा नहीं आएगा, लेकिन वहाँ पर पेंटोमाइम, सर्कस या पार्टियाँ तो नहीं होंगी।'

छुट्टियाँ जल्दी ही लग गईं। एन और जॉर्ज ने अपने-अपने संदूक में सामान रखा और उन पर अपने नाम की चिटें लगाईं। आख़िरी दो दिनों में स्कूल का माहौल शोर-शराबे और रोमांच से भरा था, जिसका लड़कियों ने पूरा आनंद लिया। फिर स्कूल की बड़ी घोड़ागाड़ियाँ स्कूल के दरवाज़े पर खड़ी हो गईं और लड़कियाँ उनमें बैठ गईं।

एन बोली, 'एक बार फिर किरिन चलते हैं! प्यारे टिमोथी, तुम मेरे और जॉर्ज के बीच में बैठ सकते हो।'

गेलैंड्स बोर्डिंग स्कूल में बच्चों को अपने पालतू जानवर रखने की इजाज़त थी। जॉर्ज का मिली-जुली नस्ल का बड़ा कुत्ता टिमोथी स्कूल में काफ़ी लोकप्रिय था। उसका व्यवहार बहुत ही अच्छा था। बस एक बार ही उसने गड़बड़ की थी, जब वह कचरा उठाने वाले के पीछे भागकर गया था और उससे कचरे की बाल्टी छीनकर जॉर्ज की क्लास तक ले गया था।

जॉर्ज ने अपने कुत्ते को प्यार से गले लगाते हुए कहा, 'मुझे यक़ीन है कि *तुम्हारा* रिपोर्ट कार्ड अच्छा *होगा*, टिम। हम दोबारा घर जा रहे हैं। तुम्हें अच्छा तो लग रहा है ना?'

'भौं,' टिम ने भारी आवाज़ में अपनी ख़ुशी का इज़हार किया। उसने खड़े होकर अपनी पूँछ हिलाई। पीछे वाली सीट पर बैठी एक लड़की चीख़ी।

'जॉर्ज! टिम को नीचे बिठा लो। उसकी पूँछ से मेरी टोपी गिर रही है!'

दोनों लड़कियाँ और टिमोथी जल्दी ही लंदन पहुँच गए और किरिन जाने वाली ट्रेन में बैठ गए।

एन ने आह भरते हुए कहा, 'काश लड़कों की छुट्टियाँ भी आज से ही शुरू हो जातीं! फिर हम सभी एक साथ किरिन जा सकते थे। कितना मज़ा आता!'

जूलियन और डिक की छुट्टियाँ अगले दिन शुरू होने वाली थीं, इसलिए वे अगले दिन किरिन कॉटेज पहुँचने वाले थे। एन उनसे मिलने के लिए बहुत उत्सुक थी, क्योंकि वह काफ़ी समय से उनसे दूर थी। उसे इस बात की ख़ुशी थी कि उसकी चचेरी बहन जॉर्ज उसी के स्कूल में पढ़ती थी। वे तीनों भाई-बहन गर्मी की छुट्टियों में जॉर्ज के घर रहने गए थे और उन्होंने उसके छोटे से टापू पर कई रोमांचकारी कारनामे किए थे। टापू पर एक पुराना महल था और बच्चों ने उसके तहख़ाने में सोने की सिल्लियों का ख़ज़ाना खोजा था।

जब ट्रेन तेज़ी से पश्चिम दिशा में चलने लगी, तो एन बोली, 'दोबारा किरिन टापू पर चलने में बड़ा मज़ा आएगा, जॉर्ज।'

जॉर्ज बोली, 'हम वहाँ नहीं जा पाएँगे। जाड़ों में टापू के आस-पास की समुद्री लहरें बहुत ख़तरनाक रहती हैं। और वहाँ नाव चलाना भी बहुत ख़तरनाक होता है।'

'कितने अफ़सोस की बात है,' एन ने निराशा से कहा। 'मैं तो सोच रही थी कि हम लोग वहाँ जाकर फिर कोई रोमांचक कारनामा करेंगे।'

'जाड़े में किरिन में कोई रोमांचक कारनामा नहीं हो सकता,' जॉर्ज बोली। 'वहाँ बहुत ठंड पड़ती है, और कई बार तो बर्फ़ इतनी ज़्यादा गिरती है कि हम उसमें फँस जाते हैं। हम गाँव तक भी नहीं जा सकते, क्योंकि समुद्री हवा बर्फ़ को बहुत ऊपर तक उड़ा देती है।'

एन बोली, 'वाह... वाह - यह तो बहुत रोमांचक लगता है!'

'देखो, यह बिलकुल भी रोमांचक नहीं होता,' जॉर्ज बोली। 'बल्कि बहुत बोरियत भरा होता है। दिन भर कुछ नहीं कर सकते। बस चुपचाप घर पर बैठे रहो या फिर फावड़ा लेकर बाहर निकलो और बर्फ़ हटाओ।'

ट्रेन किरिन के छोटे से स्टेशन पर काफ़ी देर बाद पहुँची। लेकिन आख़िरकार यह धीरे-धीरे किरिन के छोटे से प्लेटफ़ॉर्म पर रुक गई। दोनों लड़कियाँ उत्साह से प्लेटफ़ॉर्म पर कूदकर देखने लगीं कि क्या कोई उन्हें लेने आया है! हाँ - जॉर्ज की मम्मी आई थीं!

'हैलो जॉर्ज - हैलो एन!' जॉर्ज की मम्मी ने दोनों को गले लगाते हुए कहा। 'एन, अफ़सोस की बात है कि तुम्हारी मम्मी बीमार हो गईं, लेकिन तुम्हें यह जानकर ख़ुशी होगी कि वे अब ठीक हो रही हैं।'

'ओह, यह तो बहुत अच्छी बात है!' एन बोली। 'फ़ैनी आंटी, आप बहुत अच्छी हैं, जो हमें यहाँ रख रही हैं। हम अच्छे बच्चों की तरह रहेंगे! क्वेंटिन अंकल कैसे हैं? चार बच्चों के घर में रहने से उन्हें ज़्यादा दिक्क़त तो नहीं होगी? हम गर्मियों में तो ज़्यादातर समय घर से बाहर रहते थे, लेकिन शायद ठंड में हम उतने समय तक बाहर नहीं रह पाएँगे, इसलिए उन्हें घर में उतनी शांति नहीं मिल पाएगी।'

जॉर्ज के डैडी वैज्ञानिक थे और बहुत ही ज्ञानी थे, लेकिन वे बहुत ग़ुस्से वाले भी थे। उन्हें बच्चे पसंद नहीं थे और चारों बच्चे उनसे बहुत ज़्यादा डरते थे।

फ़ैनी आंटी बोलीं, 'ओह, तुम्हारे अंकल अब भी अपनी पुस्तक लिखने में जुटे हैं। देखो, वे एक ख़ुफ़िया फ़ॉर्मूले पर काम कर रहे हैं और वे उसी पर पुस्तक लिख रहे हैं। उनका कहना है कि जब उनका काम पूरा हो जाएगा, तो वे अपने फ़ॉर्मूले को किसी बड़े अधिकारी के पास ले जाएँगे और फिर इसका उपयोग देश की भलाई के लिए होगा।'

'ओह फ़ैनी आंटी, अंकल का यह काम तो बहुत रोमांचक लगता है,' एन बोली। 'वैसे वह ख़ुफ़िया फ़ॉर्मूला है क्या?'

आंटी ने हँसते हुए कहा, 'मैं तुम्हें कैसे बता सकती हूँ, मूर्ख लड़की? वैसे मुझे भी नहीं मालूम। अब चलो,

हम यहाँ ठंड में क्यों खड़े हैं! जॉर्ज, टिमोथी बहुत मोटा और मस्त दिख रहा है।'

जॉर्ज बोली, 'ओह मम्मी, स्कूल में उसे बहुत अच्छा लगा। वहाँ उसने बहुत मज़े किए। उसने रसोइये की पुरानी चप्पलें चबा डालीं ...'

'और जब भी अस्तबल में रहने वाली बिल्ली उसे दिखती थी, तो वह हर बार उसका पीछा करने लगता था,' एन ने कहा।

जॉर्ज बोली, 'और एक बार उसने रसोई घर में जाकर सैंडविच खा लिया था। और एक बार ...'

'अच्छा! जॉर्ज, मुझे लगता है कि स्कूल वाले टिमोथी को अगले टर्म में अपने यहाँ नहीं रखेंगे,' उसकी मम्मी दहशत में बोलीं। 'क्या उसे सज़ा नहीं मिली? मुझे उम्मीद है कि मिली होगी।'

'नहीं – उसे नहीं मिली,' जॉर्ज ने कहा और यह कहते समय उसका चेहरा थोड़ा लाल हो गया। 'मम्मी, अपने पालतू जानवरों और उनके व्यवहार के लिए हम लोग ज़िम्मेदार होते हैं। इसलिए अगर टिमोथी कोई ग़लत हरकत करता है, तो उसके लिए सज़ा *मुझे* मिलती है, क्योंकि मैंने उसे ठीक तरह से बाँधकर नहीं रखा था या ऐसी ही कोई और ग़लती की थी।'

पाले से भरी सड़क पर अपनी छोटी घोड़ागाड़ी चलाते हुए उसकी मम्मी बोलीं, 'अच्छा, तब तो तुम्हें बहुत बार

सज़ा मिली होगी। वैसे मुझे यह बात अच्छी लगी!' यह बोलते समय उनकी आँखों में ख़ुशी की चमक आ गई। 'मुझे लगता है कि मुझे भी यही करना चाहिए, यानी जब भी टिमोथी ग़लत हरकत करे, तो मैं तुम्हें सज़ा दूँ!'

लड़कियाँ हँसने लगीं। वे बड़ी ख़ुश और उत्साहित थीं। छुट्टियाँ मज़ेदार रहेंगी। किरिन लौटना बहुत सुखद था। कल लड़के भी आ जाएँगे - और फिर क्रिसमस आ जाएगा!

पुराना मकान दिखते ही एन बोली, 'किरिन कॉटेज! और वह रहा किरिन टापू!' दोनों लड़कियों ने समुद्र की तरफ़ देखा, जहाँ किरिन के छोटे से टापू पर पुराना खंडहर महल खड़ा था - उन्होंने गर्मियों में वहाँ कितने रोमांचक काम किए थे!

लड़कियाँ घर के अंदर गईं। जॉर्ज की मम्मी ने आवाज़ लगाई, 'क्वेंटिन! क्वेंटिन! लड़कियाँ आ गई हैं।'

क्वेंटिन अंकल घर की दूसरी तरफ़ बनी अपनी स्टडी से निकलकर बाहर आए। एन को लगा कि वे पहले से ज़्यादा लंबे और साँवले दिख रहे हैं। 'और उनके माथे पर त्योरियाँ भी पहले से ज़्यादा दिख रही हैं,' उसने मन ही मन सोचा। क्वेंटिन अंकल बहुत ज्ञानी थे, लेकिन एन को अपने डैडी जैसे हँसमुख और मुस्कराने वाले लोग ज़्यादा पसंद थे। उसने अपने अंकल से विनम्रता से हाथ मिलाया और जॉर्ज अपने डैडी के गले लग गई।

क्वेंटिन अंकल ने एन से कहा, 'मुझे तुम्हारे लिए टीचर ढूँढ़ना है! कम से कम दोनों लड़कों के लिए। मैं तुम्हें बता देता हूँ कि तुम लोगों को टीचर के साथ सम्मानजनक व्यवहार करना होगा!'

उन्होंने यह बात मज़ाक़ में कही थी, लेकिन एन और जॉर्ज को यह मज़ाक़ ख़ास मज़ेदार नहीं लगा। जिन लोगों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करना पड़ता है, वे आम तौर पर बहुत कठोर और नीरस होते हैं। जब जॉर्ज के डैडी वापस अपनी स्टडी में चले गए, तो दोनों ही लड़कियों को ख़ुशी हुई।

जॉर्ज की मम्मी जॉर्ज से बोलीं, 'तुम्हारे डैडी आजकल बहुत काम कर रहे हैं। वे बहुत थक गए हैं। शुक्र है कि उनकी किताब अब पूरी होने वाली है। वे उसे क्रिसमस तक पूरी करना चाहते थे, ताकि वे क्रिसमस का मज़ा उठा सकें और तुम लोगों के साथ मौज-मस्ती कर सकें - लेकिन अब वे कहते हैं कि ऐसा नहीं हो सकता।'

'कितने अफ़सोस की बात है,' एन ने विनम्रता से कहा, हालाँकि वह मन ही मन सोच रही थी कि यह बहुत अच्छा हुआ। अगर क्वेंटिन अंकल क्रिसमस के खेल खेलते, तो ज़्यादा मज़ा नहीं आता! 'ओह, फ़ैनी आंटी, मैं जूलियन और डिक से मिलने के लिए बहुत बेताब हूँ। और वे भी टिम और जॉर्ज को देखकर कितने ख़ुश होंगे? फ़ैनी आंटी, जॉर्ज को स्कूल में कोई भी

जॉर्जिना नहीं कहता है, हमारी मैडम भी नहीं। मैं सोच रही थी कि वे उसे जॉर्जिना कहकर बुलाएँ। मैं यह देखना चाहती थी कि जब वह जॉर्जिना के नाम पर जवाब नहीं देगी, तो क्या होगा! जॉर्ज, तुम्हें स्कूल तो पसंद आया, है ना?'

'हाँ,' जॉर्ज बोली। 'पसंद आया। पहले मुझे लग रहा था कि दूसरे लोगों के साथ रहने में बहुत बुरा लगेगा, लेकिन यह अच्छा था। लेकिन मम्मी, मुझे डर है कि मेरा रिपोर्ट कार्ड बहुत अच्छा नहीं आएगा। मैं कई विषयों में कमज़ोर हूँ, क्योंकि मैंने उन्हें पहले कभी नहीं पढ़ा था!'

'ठीक है, तुम पहले कभी स्कूल गई भी तो नहीं थीं!' उसकी मम्मी बोलीं। 'अगर तुम्हारे डैडी इस बात पर ग़ुस्सा होंगे, तो मैं उन्हें समझा दूँगी। अब जाओ और नाश्ता करने के लिए तैयार हो जाओ। तुम्हें बहुत भूख लग रही होगी।'

लड़कियाँ ऊपर वाली मंज़िल पर अपने छोटे कमरे में चली गईं। जॉर्ज ने कहा, 'मुझे ख़ुशी है कि मैं छुट्टियाँ अकेली नहीं मना रही हूँ। जब से मैं तुम लोगों से मिली हूँ, तब से मेरी ज़िंदगी बहुत मज़ेदार हो गई है। टिमोथी कहाँ चला गया?'

एन हँसते हुए बोली, 'वह पूरे घर को सूँघने गया होगा, ताकि उसे यह तसल्ली हो जाए कि यह उसी का घर है! वह जानना चाहता होगा कि क्या किचन की गंध

वही है – और बाथरूम की – और उसकी बास्केट की। छुट्टियों में घर लौटना उसके लिए भी उतना ही रोमांचक होगा, जितना कि यह हमारे लिए है!'

एन ने सही कहा था। टिमोथी भी घर लौटकर बहुत रोमांचित था। वह जॉर्ज की मम्मी को दोबारा देखकर बहुत ख़ुश था। वह उनके चारों तरफ़ भागा और उनके पैर सूँघने लगा। फिर वह भागकर किचन में गया, लेकिन जल्दी ही लौट आया, क्योंकि वहाँ उसे एक अपरिचित महिला दिखी। वह जोआना नाम की मोटी कुक थी। जोआना ने टिम को शक भरी निगाहों से देखा।

जोआना ने टिम से कहा, 'तुम दिन में सिर्फ़ एक बार अपने भोजन के लिए किचन में आ सकते हो। इसके अलावा यहाँ दिखना भी मत। मैं नहीं चाहती कि मेरी नाक के नीचे से मीट और पराँठे और चिकन ग़ायब हो जाएँ। मैं जानती हूँ कि कुत्ते कितने ख़ुराफ़ाती होते हैं। मैं सचमुच जानती हूँ!'

टिमोथी भागकर बर्तन माँजने वाली जगह पर गया और उसे सूँघने लगा। फिर वह भागकर डाइनिंग रूम और ड्रॉइंग रूम में गया। उसे यह जानकर ख़ुशी हुई कि हर जगह की गंध पहले जैसी ही थी। उसने जॉर्ज के डैडी की स्टडी के दरवाज़े पर अपनी नाक लगाई और बहुत सावधानी से सूँघने लगा। वह अंदर नहीं जाना

चाहता था। बाक़ी लोगों की तरह ही टिमोथी भी जॉर्ज के डैडी से कतराता था!

फिर वह भागकर ऊपर की मंज़िल पर लड़कियों के बेडरूम में गया। उसकी बास्केट कहाँ रखी थी? आह, यह खिड़की के पास रखी थी। बहुत बढ़िया! इसका मतलब यह था कि वह लड़कियों के बेडरूम में ही सोएगा। अपनी बास्केट में बैठकर उसने ज़ोर से अपनी पूँछ पटकी।

उसकी पूँछ कह रही थी, 'वापस घर लौटकर मैं ख़ुश हूँ, वापस - घर लौटकर - मैं ख़ुश - हूँ!'

2
दोबारा एक साथ

अगले दिन जूलियन और डिक आने वाले थे। एन और जॉर्ज उन्हें लेने के लिए टिमोथी के साथ स्टेशन गईं। जॉर्ज ने घोड़ागाड़ी हाँकी और टिम उसकी बग़ल में बैठा। जब ट्रेन स्टेशन पर आ गई, तो एन से इतना भी सब्र नहीं हुआ कि वह उसे रुक जाने दे। वह प्लेटफ़ॉर्म पर भागने लगी और पास से गुज़रते डिब्बों में जूलियन और डिक को ढूँढ़ती रही।

आख़िर वे उसे दिख ही गए। वे दोनों ट्रेन के पीछे वाले डिब्बे में थे। वे लोग धीरे हो रही ट्रेन की खिड़की से बाहर झाँकते हुए हाथ हिला रहे थे और चिल्ला रहे थे।

'एन! एन! हम यहाँ हैं! हैलो, जॉर्ज! ओह, टिमोथी भी आया है!'

'जूलियन! डिक!' एन चीख़ी। टिमोथी भी ख़ुशी से उछल-उछल कर भौंकने लगा। यह दृश्य देखने लायक था।

'ओह जूलियन! तुम दोनों को देखकर बहुत ख़ुशी हो रही है!' एन चीख़ी और अपने भाइयों के गले लग गई।

टिमोथी उछलकर उन दोनों को प्यार से चाटने लगा। वह ख़ुशी से उछल रहा था। अब उसके सभी प्रिय बच्चे उसके आस-पास थे।

तीनों बच्चे ख़ुशी से एक साथ बोलने लगे। जब कुली ने ट्रेन में से उनका सामान उतारा, तब अचानक एन को जॉर्ज की याद आई। उसने चारों तरफ़ देखा। जॉर्ज कहीं नहीं दिख रही थी, हालाँकि वह उसके साथ प्लेटफ़ॉर्म पर आई थी।

जूलियन ने पूछा, 'जॉर्ज कहाँ है? जब मैंने खिड़की से हाथ हिलाया था, तब तो वह यहीं खड़ी थी।'

'वह घोड़ागाड़ी के पास चली गई होगी,' एन बोली। 'जूलियन, कुली से संदूक घोड़ागाड़ी में रखवा दो। चलो! हम चलकर जॉर्ज को ढूँढ़ते हैं।'

जॉर्ज खच्चर का सिर पकड़कर खड़ी थी। एन को वह थोड़ी उदास दिख रही थी। लड़के जॉर्ज के पास गए।

'हैलो, जॉर्ज!' जूलियन ने उसे गले लगा लिया। डिक ने भी ऐसा ही किया।

'क्या हुआ?' एन जॉर्ज को ख़ामोश देखकर बोली।

'शायद जॉर्ज को लगा होगा कि कोई उसकी तरफ़ ध्यान नहीं दे रहा है!' जूलियन ने मुस्कराकर कहा। 'है ना जॉर्जिना!'

'मुझे जॉर्जिना *मत* कहो!' जॉर्ज ने ग़ुस्से से कहा।

लड़के हँसने लगे।

'आह, यह तो हमारी पुरानी खूँखार जॉर्ज ही है,' डिक ने उसका कंधा थपथपाते हुए कहा। 'ओह जॉर्ज, तुमसे दोबारा मिलकर बहुत अच्छा लग रहा है। तुम्हें याद है, गर्मियों में हमने कितने रोमांचक काम किए थे?'

जॉर्ज का ग़ुस्सा धीरे-धीरे कम होने लगा। जब दोनों लड़कों ने अपनी छोटी बहन एन का ज़ोरदार स्वागत किया *था*, तो यह देखकर जॉर्ज उपेक्षित महसूस करने लगी थी, लेकिन जूलियन और डिक के साथ कोई ज़्यादा समय तक मुँह नहीं फुला सकता था। वे किसी को उपेक्षित या नाराज़ नहीं रहने देते थे।

चारों बच्चे घोड़ागाड़ी में चढ़ गए। कुली ने उसमें दो संदूक रख दिए। अब बच्चों के पास बैठने के लिए बहुत कम जगह बची थी। टिमोथी को संदूकों के ऊपर बैठना पड़ा। उसकी पूँछ बुरी तरह हिल रही थी और उसकी जीभ बाहर लटकी हुई थी, क्योंकि वह ख़ुशी के मारे हाँफ रहा था।

डिक ने टिमोथी को प्यार से थपथपाते हुए कहा, 'तुम दोनों लड़कियाँ ख़ुशक़िस्मत हो कि स्कूल में टिम तुम्हारे साथ रह सकता है। हमारे बोर्डिंग स्कूल में पालतू जानवर रखना मना है। जानवरों से प्यार करने वाले लड़कों को इस नियम से बहुत परेशानी होती है।'

'हमारे स्कूल में पढ़ने वाला थॉमसन सफ़ेद चूहे रखता था,' जूलियन बोला। 'लेकिन एक दिन वे भाग गए और गलियारे के मोड़ पर टीचर से टकरा गए। उन्होंने चीख़-चीख़कर पूरे स्कूल में हड़कंप मचा दिया।'

लड़कियाँ हँसने लगी। स्कूल से लौटकर लड़के हमेशा बड़ी मज़ेदार कहानियाँ सुनाते थे।

डिक बोला, 'और केनेडी ने घोंघे पाल रखे थे। तुम्हें पता है, घोंघे जाड़े में सो जाते हैं, लेकिन केनेडी ने अपने घोंघे थोड़ी ज़्यादा गर्म जगह पर रख दिए थे। इस कारण घोंघे उसके डिब्बे में से रेंगकर बाहर निकल आए और दीवारों पर चढ़ गए। जब भूगोल के टीचर ने थॉमसन से नक़्शे पर केप टाउन दिखाने को कहा – तो एक घोंघा ठीक उसी जगह पर था। यह देखकर हम लोग तो हँसते-हँसते पागल हो गए!'

सभी हँसने लगे। दोबारा एक साथ रहना कितना मज़ेदार था! वे लगभग एक ही उम्र के थे – जूलियन बारह साल का था, जॉर्ज और डिक ग्यारह साल के थे और एन दस साल की थी। छुट्टियाँ लग गई थीं और क्रिसमस क़रीब था। कोई हैरानी नहीं कि वे हर बात पर हँस रहे थे, चाहे वह हँसने लायक बात ही न हो!

'यह अच्छी बात है कि मम्मी की तबियत अब ठीक हो रही है,' डिक बोला, जब खच्चर सड़क पर तेज़ी से भागने लगा। 'अफ़सोस कि मैं घर नहीं जा पाऊँगा। मैं

अलादीन का चिराग़ फ़िल्म और सर्कस देखना चाहता था। ख़ैर कोई बात नहीं, दोबारा किरिन कॉटेज आना मुझे अच्छा लग रहा है। काश हम यहाँ कुछ और रोमांचक कारनामे कर सकें! वैसे इस बार इसकी कोई उम्मीद नहीं है।'

'इन छुट्टियों में सिर्फ़ एक ही परेशानी है,' जूलियन ने कहा। 'और वह हैं नए टीचर। मैंने सुना है कि हमें एक टीचर से पढ़ना पड़ेगा, क्योंकि डिक और मैं दोनों ही इस टर्म में बीमार पड़ गए थे और इस वजह से क्लास में नहीं जा पाए थे। अगली गर्मियों में हमें महत्वपूर्ण परीक्षा देनी है।'

'हाँ,' एन बोली। 'क्या पता, वे टीचर कैसे होंगे? काश वे हँसमुख हों! क्वेंटिन अंकल आज ही किसी को चुनने वाले हैं।'

जूलियन और डिक ने एक-दूसरे की तरफ़ देखकर मुँह बनाया। उन्हें यक़ीन था कि क्वेंटिन अंकल जिस टीचर को चुनेंगे, वे हँसमुख हो ही नहीं सकते। टीचर के बारे में क्वेंटिन अंकल की राय यही होगी कि उन्हें कठोर, भयानक और ग़ुस्सैल होना चाहिए।

कोई दिक्क़त नहीं! टीचर अभी एक-दो दिन तो आएँगे नहीं। और *हो सकता है* कि उनका स्वभाव अच्छा हो। यह सोचकर लड़के एक बार फिर ख़ुश हो गए और मज़ाक़ में टिमोथी के बाल खींचने लगे। कुत्ते ने गुर्राने

और काटने का नाटक किया। उसे टीचर की कोई चिंता नहीं थी। टिमोथी बहुत नसीब वाला था!

वे सभी किरिन कॉटेज पहुँच गए। लड़के अपनी आंटी को एक बार फिर देखकर बहुत ख़ुश हुए और उन्होंने यह सुनकर राहत की साँस ली कि उनके अंकल अभी तक घर वापस नहीं लौटे हैं।

फ़ैनी आंटी ने उन्हें बताया, 'वे उन दो-तीन लोगों से मिलने गए हैं, जिन्होंने टीचर के विज्ञापन का जवाब दिया था। वे जल्दी ही आ जाएँगे।'

'मम्मी, मुझे तो छुट्टियों में पढ़ाई नहीं करनी पड़ेगी?' जॉर्ज ने पूछा। उसे इस बारे में कुछ भी नहीं बताया गया था और वह यह जानने के लिए बहुत उतावली थी।

'हाँ जॉर्ज,' उसकी मम्मी बोलीं। 'तुम्हारे डैडी ने तुम्हारी रिपोर्ट देखी है। हालाँकि रिपोर्ट बहुत बुरी नहीं है और हमें निश्चित रूप से बहुत अच्छी रिपोर्ट की उम्मीद भी नहीं थी, फिर भी रिपोर्ट कार्ड से यही पता चलता है कि कुछ विषयों में तुम उम्र के हिसाब से पीछे हो। इसलिए तुम्हें भी पढ़ना पड़ेगा।'

जॉर्ज उदास हो गई। उसे इस बात की आशंका तो थी, लेकिन फिर भी यह बहुत बोरिंग था। उसने कहा, 'सिर्फ़ एन को ही नहीं पढ़ना पड़ेगा।'

एन ने वादा किया, 'मैं भी थोड़ी पढ़ाई कर लूँगी। लेकिन हमेशा नहीं, जॉर्ज। अगर मौसम सुहाना हुआ,

तो मैं घूमने चली जाऊँगी। लेकिन कई बार मैं तुम्हारा साथ देने के लिए पढ़ाई कर लिया करूँगी।'

'धन्यवाद,' जॉर्ज बोली, 'लेकिन तुम्हें मजबूरी में तो पढ़ाई नहीं करनी पड़ेगी। ख़ैर, मुझे कोई चिंता नहीं है, मेरे साथ टिम जो रहेगा।'

जॉर्ज की मम्मी को इस बारे में थोड़ी शंका थी। वे बोलीं, 'देखते हैं, तुम्हारे टीचर इस बारे में क्या कहते हैं?'

जॉर्ज आगबबूला होकर बोली, 'मम्मी! अगर टीचर ने पढ़ाई करते समय टिमोथी को मेरे साथ नहीं रहने दिया, तो मैं पढ़ाई ही नहीं करूँगी!'

उसकी मम्मी हँसती हुई बोलीं, 'यह लो, हमारी खूँखार जॉर्ज को एक बार फिर ग़ुस्सा आ गया। जूलियन और डिक, अब तुम लोग जाकर अपने हाथ-पैर धो लो और बाल काढ़ लो। ऐसा लगता है, जैसे तुम्हारे शरीर पर रेलवे लाइन की सारी गंदगी चिपक गई है।'

बच्चे और टिमोथी ऊपर की मंज़िल पर चले गए। पाँचों का इकट्ठे होना बहुत मज़ेदार था। वे हमेशा टिम को भी अपने में से एक ही मानते थे। वह हर जगह उनके साथ जाता था और ऐसा लगता था जैसे वह उनके हर शब्द का मतलब समझता था।

'क्या पता, क्वेंटिन अंकल किस तरह का टीचर चुनेंगे,' डिक ने अपने नाख़ून साफ़ करते हुए कहा।

'काश वे सही क़िस्म का टीचर चुनें – कोई हँसमुख और ख़ुशमिज़ाज आदमी, जो जानता हो कि छुट्टियों में पढ़ाई करना कितना बोरिंग होता है और वह पढ़ाई के बाद हमसे हँसी-मज़ाक़ भी करे। मुझे लगता है कि हमें अब हर सुबह पढ़ना पड़ेगा।'

'जल्दी करो। मैं नाश्ता करना चाहता हूँ,' जूलियन बोला। 'जल्दी चलो, डिक। हमें टीचर के बारे में जल्दी ही पता चल जाएगा!'

वे सब एक साथ नीचे गए और डाइनिंग टेबल के चारों तरफ़ बैठ गए। जोआना ने बहुत सारे मीठे गुलगुले और एक बड़ा केक बनाया था। चारों बच्चों ने जब खाना ख़त्म किया, तो लगभग सब कुछ साफ़ हो चुका था!

जब उनका नाश्ता ख़त्म हो रहा था, तभी क्वेंटिन अंकल लौट आए। वे बहुत ख़ुश नज़र आ रहे थे। उन्होंने दोनों लड़कों से हाथ मिलाया और उनके हाल-चाल पूछे।

सभी लोग टीचर के बारे में जानने के लिए बहुत उतावले थे, इसलिए एन ने पूछ लिया, 'क्वेंटिन अंकल, क्या आपने टीचर ढूँढ़ लिया?'

'हाँ,' उनके अंकल बोले। फ़ैनी आंटी ने उनके लिए कप में चाय भरी और अंकल ने बैठते हुए आगे कहा, 'मैंने तीन लोगों का इंटरव्यू लिया और मैंने आख़िरी

वाले को चुन ही लिया था कि तभी एक और आदमी वहाँ भागता हुआ आया। वह बोला कि उसने अभी-अभी वह विज्ञापन देखा था और कहीं उसे आने में देर तो नहीं हो गई!'

डिक ने पूछा, 'क्या आपने उसे चुन लिया?'

'हाँ,' उसके अंकल ने कहा। 'वह बहुत ही समझदार दिख रहा था। यहाँ तक कि वह मेरे काम और मेरे बारे में भी जानता था! और उसके पास तारीफ़ के बहुत अच्छे पत्र भी थे।'

'मुझे नहीं लगता कि बच्चों को ये सारी बातें बताना ज़रूरी है,' फ़ैनी आंटी ने धीरे से कहा। 'वैसे - क्या तुमने उसे आने के लिए कह दिया है?'

'ओह हाँ,' क्वेंटिन अंकल बोले। 'वह इंटरव्यू देने आए बाक़ी लोगों से उम्र में बड़ा था। बाक़ी के लोग थोड़े युवा थे, लेकिन वह बहुत ज़िम्मेदार और समझदार लग रहा था। फ़ैनी, मुझे यक़ीन है कि वह तुम्हें भी अच्छा लगेगा। वह हमारे साथ बहुत अच्छी तरह घुल-मिल जाएगा। मुझे लगता है कि मैं भी कभी-कभार शाम को उससे बात करना पसंद करूँगा।'

बच्चों को उनका नया टीचर थोड़ा ख़तरनाक लगा। उनके अंकल उनके उदास चेहरों को देखकर मुस्कराए।

उन्होंने कहा, 'तुम्हें मिस्टर रोलैंड पसंद आएँगे। वे जानते हैं कि बच्चों को कैसे सँभाला जाता है। उन्हें पता

है कि उन्हें सख़्त रहना है और छुट्टियाँ ख़त्म होने तक तुम्हारे दिमाग़ में बहुत सा ज्ञान भरना है।'

बच्चों को यह और भी चिंताजनक लगा। चारों बच्चों की दिली ख़्वाहिश थी कि काश क्वेंटिन अंकल के बजाय फ़ैनी आंटी ने टीचर चुना होता!

जॉर्ज ने पूछा, 'वे कब आ रहे हैं?'

'कल,' उसके डैडी बोले। 'तुम सभी लोग स्टेशन पर उन्हें लेने जा सकते हो। इससे उन्हें अच्छा लगेगा।'

जूलियन ने एन को बहुत निराश देखकर कहा, 'हम तो कल बस पकड़कर क्रिसमस की ख़रीदारी करने जा रहे थे।'

क्वेंटिन अंकल ने कहा, 'ओह नहीं, तुम्हें मिस्टर रोलैंड को लेने जाना ही होगा। मैंने उनसे कह दिया है कि तुम सभी उन्हें स्टेशन पर लेने आओगे। और तुम चारों ही इस बात का ख़्याल रखना – उनके साथ किसी तरह की शरारत मत करना! तुम्हें उनकी हर बात माननी होगी। और तुम लोगों को अच्छी तरह पढ़ना है, क्योंकि तुम्हारे डैडी तुम्हें पढ़वाने के लिए टीचर को अच्छी-ख़ासी फ़ीस दे रहे हैं। मैं भी एक तिहाई फ़ीस दे रहा हूँ, क्योंकि मैं जॉर्ज को पढ़वाना चाहता हूँ – इसलिए जॉर्ज, तुम भी पूरी मेहनत करना।'

जॉर्ज बोली, 'अगर वे अच्छे होंगे, तो मैं मन लगाकर मेहनत करूँगी।'

'चाहे वे अच्छे हों या न हों, तुम्हें मन लगाकर मेहनत करनी ही है!' उसके डैडी ने त्योरियाँ चढ़ाते हुए कहा। 'वे सुबह साढ़े दस बजे की ट्रेन से आएँगे। समय पर उन्हें लेने पहुँच जाना।'

जब वे पाँचों शाम को एक–दो मिनट के लिए अकेले थे, तो डिक बोला, 'आशा है, वे बहुत सख़्त नहीं होंगे। अगर कोई हर वक़्त हमारे पीछे हाथ धोकर पड़ा रहेगा, तो छुट्टियों का मज़ा ही ख़राब हो जाएगा। और मुझे उम्मीद है कि उन्हें टिमोथी पसंद आएगा।'

जॉर्ज ने तत्काल ऊपर देखकर कहा, 'उन्हें टिमोथी निश्चित रूप से पसंद आएगा! वह उन्हें पसंद क्यों नहीं आएगा ?'

'देखो – पिछली गर्मियों में तुम्हारे डैडी को टिमोथी ख़ास पसंद नहीं था,' डिक बोला। 'मुझे नहीं लगता कि कोई प्यारे टिम को *नापसंद* कर सकता है, लेकिन जॉर्ज, कुछ लोगों को कुत्ते अच्छे नहीं लगते हैं।'

'अगर मिस्टर रोलैंड टिमोथी को पसंद नहीं करेंगे, तो मैं उनका एक भी काम नहीं करूँगी,' जॉर्ज बोली। 'एक भी नहीं!'

'लो, जॉर्ज एक बार फिर ग़ुस्सा हो गई!' डिक ने हँसते हुए कहा। 'उफ़ – अगर मिस्टर रोलैंड ने हमारे टिमोथी को नापसंद करने की हिम्मत की, तो कितनी ज़बर्दस्त मुठभेड़ होगी!'

3
नए टीचर

अगली सुबह सूरज फिर से आसमान में चमक रहा था। पिछले दो दिनों से जो समुद्री धुँध हवा में थी, वह अब ग़ायब हो गई थी। किरिन खाड़ी के प्रवेश द्वार पर किरिन टापू साफ़-साफ़ दिख रहा था। बच्चे टापू पर खड़े खंडहर महल को हसरत से देखते रहे।

डिक बोला, 'मैं महल में घूमने जाना चाहता हूँ। समुद्र बहुत शांत दिख रहा है, जॉर्ज।'

'टापू के पास की समुद्री लहरें बहुत ख़तरनाक हैं,' जॉर्ज बोली। 'इस मौसम में हमेशा ऐसा ही होता है। मैं जानती हूँ कि मम्मी हमें वहाँ नहीं जाने देंगी।'

'यह बहुत प्यारा टापू है और यह हमारा है!' एन बोली। 'तुमने कहा था जॉर्ज कि तुम हम सभी को इसमें हिस्सेदार बनाना चाहती हो, है ना?'

'हाँ, मैंने कहा था,' जॉर्ज बोली। 'और मैं ऐसा ही करूँगी, यहाँ तक कि तहख़ाने में भी तुम लोगों का हिस्सा रहेगा। चलो, अब इस घोड़ागाड़ी को बाहर निकालते हैं। अगर हम पूरे दिन टापू को ही देखते रहेंगे, तो समय पर स्टेशन नहीं पहुँच पाएँगे।'

फिर वे घोड़ागाड़ी में सवार होकर सड़क पर चल दिए। जब वे स्टेशन की तरफ़ जाने वाले मोड़ पर मुड़े, तो किरिन टापू चट्टानों के पीछे छिप गया।

जूलियन ने पूछा, 'जॉर्ज, किसी वक़्त आस-पास की सारी ज़मीन तुम्हारे परिवार की ही थी, है ना?'

'हाँ,' जॉर्ज बोली। 'लेकिन अब हमारे पास किरिन टापू, किरिन कॉटेज और दूर बने किरिन फ़ार्म के अलावा और कुछ भी नहीं बचा है।'

उसने अपने चाबुक से किरिन फ़ार्म की तरफ़ इशारा किया। बच्चों ने पहाड़ी पर बने पुराने फ़ार्महाउस को देखा।

जूलियन ने पूछा, 'वहाँ कौन रहता है?'

'एक बूढ़ा किसान और उसकी पत्नी,' जॉर्ज ने कहा। 'जब मैं छोटी थी, तो वे दोनों मेरा बहुत ध्यान रखते थे। अगर तुम चाहो, तो हम वहाँ किसी दिन चल सकते हैं। मम्मी कहती हैं कि उन लोगों को फ़ार्म से ज़्यादा कमाई नहीं हो पाती है, इसलिए वे गर्मियों में छुट्टियाँ मनाने आने वाले लोगों को वहाँ किराए पर रख लेते हैं।'

जूलियन ने अचानक कहा, 'सुनो! ट्रेन सुरंग में सीटी बजा रही है! जल्दी चलो, जॉर्ज। वरना हम समय पर नहीं पहुँच पाएँगे!'

चारों बच्चों और टिमोथी ने ट्रेन को सुरंग में से निकलकर स्टेशन पर आते देखा। खच्चर तेज़ी से भाग रहा था। वे लोग समय पर पहुँच गए।

स्टेशन के छोटे अहाते में पहुँचकर जॉर्ज ने पूछा, 'प्लेटफ़ॉर्म पर उन्हें लेने कौन जाएगा? मैं तो नहीं जाऊँगी। मैं यहीं टिम और खच्चर की देखभाल करूँगी।'

'मैं भी नहीं जाना चाहती,' एन बोली। 'मैं जॉर्ज के पास ही रुकूँगी।'

'अच्छी बात है, तो हम दोनों ही जाते हैं,' जूलियन और डिक ने घोड़ागाड़ी से कूदते हुए कहा। जब वे प्लेटफ़ॉर्म पर दौड़ते हुए गए, तो ट्रेन रुक ही रही थी।

ट्रेन में से ज़्यादा लोग नहीं उतरे। एक औरत बास्केट लेकर उतरी। गाँव का एक युवक सीटी बजाते हुए नीचे कूदा। एक बूढ़ा आदमी मुश्किल से नीचे उतरा। इनमें से कोई भी टीचर नहीं हो सकता था!

फिर इंजन के पास वाले डिब्बे से एक अजीब सा आदमी बाहर आया। वह नाटा और मोटा था। उसकी दाढ़ी किसी नाविक जैसी थी। उसकी आँखें तीखी नीली थीं और ऐसा लग रहा था जैसे किसी ने उसके मोटे बालों पर भूरा रंग छिड़क दिया हो। उसने प्लेटफ़ॉर्म पर इधर-उधर देखा और फिर कुली को इशारा किया।

जूलियन ने डिक से कहा, 'मुझे लगता है, मिस्टर रोलैंड यही होंगे।'

'चलो, उन्हीं से पूछ लेते हैं। और कोई तो हो नहीं सकता।'

दाढ़ी वाले आदमी के पास पहुँचकर जूलियन ने पूछा,

'सर, क्या आप ही मिस्टर रोलैंड हैं?'

'हाँ,' उस आदमी ने कहा। 'और मुझे लगता है कि तुम जूलियन और डिक हो?'

'हाँ सर,' लड़कों ने एक साथ जवाब दिया। 'हम आपके लिए घोड़ागाड़ी लाए हैं।'

'बहुत बढ़िया,' मिस्टर रोलैंड ने कहा। अपनी नीली आँखों से उन्होंने लड़कों को ऊपर से नीचे तक देखा और वे मुस्कराने लगे। जूलियन और डिक को वे पसंद आए। वे समझदार और ख़ुशमिज़ाज लग रहे थे।

'क्या दोनों लड़कियाँ भी आई हैं?' मिस्टर रोलैंड ने प्लेटफ़ॉर्म पर चलते हुए उनसे पूछा। कुली उनका सामान लेकर पीछे-पीछे आ रहा था।

जूलियन ने जवाब दिया, 'हाँ - जॉर्ज और एन बाहर घोड़ागाड़ी में हैं।'

'जॉर्ज और एन,' मिस्टर रोलैंड ने आश्चर्य से कहा। 'मुझे लग रहा था कि बाक़ी दोनों लड़कियाँ हैं। मुझे नहीं मालूम था कि तीसरा लड़का भी है।'

'ओह, जॉर्ज एक लड़की है,' डिक ने हँसते हुए कहा। 'उसका असली नाम जॉर्जिना है।'

'यह तो बहुत अच्छा नाम है,' मिस्टर रोलैंड बोले।

'जॉर्ज को ऐसा नहीं लगता,' जूलियन ने कहा। 'अगर कोई उसे जॉर्जिना कहता है, तो वह जवाब ही

नहीं देती है। सर, अच्छा यही रहेगा कि आप भी उसे जॉर्ज कहकर ही बुलाएँ!'

'अच्छा?' मिस्टर रोलैंड ने थोड़ी रूखी आवाज़ में कहा। जूलियन ने उनकी तरफ़ देखा।

जूलियन ने सोचा, 'वे जितने ख़ुशमिज़ाज दिखते हैं, उतने हैं नहीं!'

डिक बोला, 'और बाहर टिम भी है।'

मिस्टर रोलैंड ने सावधानी से पूछा, 'टिम लड़का है या लड़की?'

'कुत्ता है, सर!' डिक ने मुस्कराकर कहा।

मिस्टर रोलैंड अचंभे में पड़ गए। उन्होंने कहा, 'कुत्ता! मुझे नहीं पता था कि घर में कोई कुत्ता भी है। तुम्हारे अंकल ने मुझे कुत्ते के बारे में कुछ नहीं बताया।'

जूलियन ने हैरानी से पूछा, 'क्या आपको कुत्ते पसंद नहीं हैं?'

'नहीं,' मिस्टर रोलैंड बोले। 'लेकिन मैं इतना ज़रूर कह सकता हूँ कि मुझे तुम्हारे कुत्ते से ज़्यादा परेशानी नहीं होगी। हैलो, हैलो - तो ये रही छोटी लड़कियाँ! तुम लोग कैसी हो?'

जॉर्ज छोटी लड़की कहे जाने पर बहुत ख़ुश नहीं हुई। एक तो वह छोटी कहे जाने से चिढ़ती थी और दूसरी बात यह थी कि वह हमेशा लड़कों जैसी दिखने की

कोशिश करती थी। उसने मिस्टर रोलैंड की तरफ़ हाथ तो बढ़ाया, लेकिन बोली कुछ नहीं। एन उनकी तरफ़ देखकर मुस्कराई और मिस्टर रोलैंड को वह जॉर्ज से ज़्यादा अच्छी लगी।

जूलियन ने टिमोथी से कहा, 'टिम! मिस्टर रोलैंड से हाथ मिलाओ।' टिम बहुत अच्छी तरह से हाथ मिलाता था और आदेश सुनते ही विनम्रता से अपना दाहिना पंजा आगे बढ़ा देता था। मिस्टर रोलैंड और बड़े कुत्ते ने एक-दूसरे की तरफ़ देखा।

फिर बग़ैर हाथ मिलाए टिमोथी ने मिस्टर रोलैंड की तरफ़ पीठ घुमाई और घोड़ागाड़ी में चढ़ गया! आम तौर पर जब उससे कहा जाता था, तो वह अपना पंजा फ़ौरन आगे बढ़ाकर हाथ मिला लेता था, इसलिए बच्चों ने उसे हैरानी से देखा।

'टिमोथी! तुम्हें क्या हो गया है?' डिक चिल्लाया। टिम ने अपने कान झुका लिए और हिला तक नहीं।

'वह आपको पसंद नहीं करता है,' जॉर्ज ने मिस्टर रोलैंड को देखते हुए कहा। 'यह बड़ी अजीब बात है। आम तौर पर वह बहुत मिलनसार है। लेकिन शायद आपको कुत्ते पसंद नहीं हैं?'

'हाँ, यह सच है, मुझे कुत्ते पसंद नहीं हैं,' मिस्टर रोलैंड ने कहा। 'बचपन में एक कुत्ते ने मुझे बुरी तरह काट लिया था और उसके बाद से कुत्ते मुझे कभी पसंद

नहीं आए। लेकिन तुम्हारा टिम मुझे देर-सबेर पसंद करने ही लगेगा।'

वे सभी घोड़ागाड़ी में बैठ गए। वे बहुत ठसकर बैठे थे। टिमोथी मिस्टर रोलैंड के टखने को इस तरह देख रहा था, जैसे वहाँ काटने को बेताब हो। एन हँसने लगी।

वह बोली, 'टिम बहुत अजीब व्यवहार कर रहा है! मिस्टर रोलैंड, यह अच्छी बात है कि आप उसे पढ़ाने नहीं आए हैं!' उसने टीचर को मुस्कराकर देखा। जवाब में वे भी मुस्करा दिए और अपनी सफ़ेद बत्तीसी दिखाने लगे। उनकी आँखें भी जॉर्ज जितनी ही चमकीली नीली थीं।

एन को टीचर पसंद आए। वे लड़कों के साथ रास्ते भर हँसी-मज़ाक़ करते रहे। दोनों लड़कों को लग रहा था कि आख़िर क्वेंटिन अंकल की पसंद इतनी बुरी नहीं थी!

सिर्फ़ जॉर्ज ही चुपचाप बैठी रही। उसने भाँप लिया था कि टीचर टिमोथी को पसंद नहीं करते हैं। और जॉर्ज किसी ऐसे व्यक्ति को पसंद करने को तैयार नहीं थी, जो टिमोथी को पहली नज़र में ही पसंद न करे। उसे यह बहुत अजीब लगा कि टीचर से हाथ मिलाने के लिए टिम ने अपना पंजा आगे नहीं बढ़ाया। उसने सोचा, 'टिम बहुत समझदार है। वह जानता है कि

मिस्टर रोलैंड उसे पसंद नहीं करते हैं, इसलिए उसने उनसे हाथ नहीं मिलाया। इसमें तुम्हारा कोई दोष नहीं है, प्यारे टिम! तुम्हारी जगह अगर मैं होती, तो मैं भी ऐसा ही करती!'

घर पहुँचने पर फ़ैनी आंटी ने मिस्टर रोलैंड को उनका कमरा दिखाया। इसके बाद वे नीचे आकर बच्चों से बोलीं, 'वे बहुत अच्छे, युवा और हँसमुख लगते हैं।'

'युवा!' जूलियन ने हैरानी से कहा। 'अरे, उनकी उम्र तो बहुत ज़्यादा होगी! कम से कम चालीस साल तो होगी ही!'

फ़ैनी आंटी हँसकर बोलीं, 'अच्छा, तुम्हें उनकी उम्र इतनी ज़्यादा लगती है? ख़ैर, उनकी उम्र चाहे जितनी भी हो, मुझे यक़ीन है कि वे तुम लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे।'

जूलियन ने चिंता से पूछा, 'फ़ैनी आंटी, क्रिसमस के पहले तो पढ़ाई शुरू नहीं होगी, है ना?'

'तुम्हारी पढ़ाई क्रिसमस के पहले ही शुरू हो जाएगी!' आंटी बोलीं। 'क्रिसमस में अभी लगभग एक हफ़्ते का समय है। हमने मिस्टर रोलैंड को ख़ाली बैठे रहने के लिए तो बुलाया नहीं है।'

बच्चों ने आह भरी। एन बोली, 'हम क्रिसमस की ख़रीदारी करना चाहते थे।'

आंटी ने जवाब दिया, 'तुम ख़रीदारी दोपहर को भी

तो कर सकते हो। तुम्हें सुबह सिर्फ़ तीन घंटे ही तो पढ़ना है। इससे तुम लोगों को कोई दिक्क़त नहीं होना चाहिए!'

नए टीचर उसी समय नीचे आ गए और फ़ैनी आंटी उन्हें क्वेंटिन अंकल से मिलवाने ले गईं। जब वे कुछ समय बाद लौटीं, तो बहुत ख़ुश दिख रही थीं।

उन्होंने जूलियन से कहा, 'मिस्टर रोलैंड की तुम्हारे अंकल के साथ अच्छी पटरी जमेगी। मुझे लगता है, दोनों में अच्छी दोस्ती हो जाएगी। मिस्टर रोलैंड तुम्हारे अंकल के काम के बारे में काफ़ी कुछ समझते हैं।'

'तब तो हम यही उम्मीद करते हैं कि वे अपना ज़्यादातर समय उन्हीं के साथ गुज़ारें!' जॉर्ज धीरे से बोली।

'घूमने के लिए बाहर चलते हैं,' डिक बोला। 'आज मौसम बहुत अच्छा है। फ़ैनी आंटी, आज सुबह तो हमें नहीं पढ़ना है?'

'ओह नहीं,' आंटी ने कहा। 'तुम्हारी पढ़ाई तो कल से शुरू होगी। आज तुम लोग घूमने जा सकते हो! जाड़े के दिनों में इतना अच्छा मौसम कभी-कभार ही नसीब होता है!'

'हम किरिन फ़ार्म चलते हैं,' जूलियन बोला। 'वहाँ बड़ा मज़ा आएगा। जॉर्ज, हमें वहाँ ले चलो।'

'ठीक है!' जॉर्ज ने कहा। उसने सीटी बजाकर

टिमोथी को बुलाया, जो उछलता हुआ वहाँ आ गया। फिर वे पाँचों एक साथ सड़क पर चल दिए। मैदान में पहुँचकर वे एक पगडंडी पर चलने लगे, जो पहाड़ी पर बने फ़ार्महाउस तक जाती थी।

दिसंबर की धूप में पैदल चलना बहुत अच्छा लग रहा था। पाले से भरे रास्ते पर उनके क़दमों की आवाज़ आ रही थी। टिम के खुरदुरे पंजों की आवाज़ तो बहुत ज़्यादा आ रही थी। इसका कारण यह था कि वह रास्ते पर ज़ोर-ज़ोर से पंजे पटक रहा था। उसे इस बात की ख़ुशी थी कि अब उसके चारों दोस्त उसके साथ थे।

मैदान के पार काफ़ी दूर तक चलने के बाद बच्चे फ़ार्महाउस तक पहुँच गए। यह सुंदर सफ़ेद पत्थरों से बना था और पहाड़ी पर मज़बूती से खड़ा था। जॉर्ज फ़ार्म का गेट खोलकर अहाते में गई। उसने टिम का पट्टा पकड़ रखा था, क्योंकि फ़ार्महाउस में दो कुत्ते भी रहते थे।

पास वाले खलिहान में से एक बूढ़ा आदमी बाहर आया। जॉर्ज ने उससे चिल्लाकर कहा।

'हैलो, मिस्टर सैंडर्स! आप कैसे हैं?'

'अरे, ये तो मास्टर जॉर्ज है!' बूढ़े आदमी ने मुस्कराकर कहा। जॉर्ज भी मुस्करा दी। उसे मिस के बजाय मास्टर सुनना अच्छा लगता था।

जॉर्ज चिल्लाई, 'ये मेरे चचेरे भाई-बहन हैं।' फिर

वह उनकी तरफ़ मुड़कर बोली, 'वे थोड़े बहरे हैं। उनसे चिल्लाकर बोलना पड़ता है, तभी उन्हें सुनाई देता है।'

'मैं जूलियन हूँ,' जूलियन ने तेज़ आवाज़ में कहा और बाक़ी लोगों ने भी तेज़ आवाज़ में अपने-अपने नाम बताए। किसान उनकी तरफ़ देखकर मुस्कराया।

वह बोला, 'तुम लोग जाकर मेरी पत्नी से मिल लो। वह तुम सबको देखकर बहुत ख़ुश होगी। हम मास्टर जॉर्ज को तब से जानते हैं, जब वह बिलकुल छोटी बच्ची थी और हम उसकी मम्मी को भी तब से जानते हैं, जब *वे* भी बिलकुल छोटी बच्ची थीं और हम जॉर्ज की नानी को भी जानते थे।'

एन ने कहा, 'तब तो आप बहुत, बहुत बूढ़े होंगे।'

किसान ने उसकी तरफ़ मुस्कराकर देखा।

फिर उसने हँसते हुए कहा, 'अपनी जीभ जितना बूढ़ा और अपने दाँतों से थोड़ा ज़्यादा बूढ़ा! अब अंदर जाओ।'

वे सभी फ़ार्महाउस के गर्म किचन में गए, जो काफ़ी बड़ा था। वहाँ एक नाटी बूढ़ी महिला हड़बड़ी में घूम रही थीं। चारों बच्चों को देखकर वे भी अपने पति जितनी ही ख़ुश हुईं।

उन्होंने कहा, 'अरे वाह! मास्टर जॉर्ज, मैंने तुम्हें महीनों से नहीं देखा है। मैंने सुना था कि तुम स्कूल चली गई थीं।'

'हाँ, मैं स्कूल गई थी,' जॉर्ज ने कहा। 'लेकिन मैं छुट्टियों में घर आई हूँ। मैं टिमोथी को खुला छोड़ सकती हूँ, मिसेज़ सैंडर्स? अगर आपके कुत्ते दोस्ताना होंगे, तो वह भी उनसे दोस्ती कर लेगा।'

'हाँ, तुम उसे यहाँ खुला छोड़ दो,' बूढ़ी महिला बोली। 'वह अहाते में मेरे कुत्तों बेन और रिकी के साथ खेल सकता है। अब तुम लोग यह बताओ, तुम क्या पियोगे? गर्म दूध? कोको? कॉफी? और मैंने कल ही ताज़ी बटर कुकीज़ बनाई हैं। वे तो तुम्हें खानी ही पड़ेंगी।'

'आह, मेरी पत्नी इस हफ़्ते बहुत व्यस्त है। वह हर तरह की चीज़ें बना रही है,' बूढ़े किसान ने कहा, जब मिसेज़ सैंडर्स तेज़ी से किचन की अलमारी की तरफ़ गईं। 'क्रिसमस पर कुछ लोग आने वाले हैं!'

'अच्छा?' जॉर्ज ने हैरानी से कहा, क्योंकि उसे पता था कि इन लोगों के बच्चे नहीं हैं। 'कौन आ रहा है? कोई ऐसा तो नहीं है, जिसे मैं जानती हूँ?'

'लंदन से दो पेंटर आ रहे हैं!' बूढ़े किसान ने कहा। 'उन्होंने चिट्ठी लिखकर पूछा था कि क्या वे क्रिसमस पर तीन हफ़्ते के लिए किराए पर यहाँ रह सकते हैं। उन्होंने हमें इसके लिए अच्छे पैसे देने का प्रस्ताव रखा था। वे लोग आने वाले हैं, इसीलिए मेरी पत्नी मधुमक्खी की तरह काम में जुटी हुई है।'

'क्या वे लोग यहाँ पर पेंटिंग करेंगे?' जूलियन ने

पूछा, जो ख़ुद भी पेंटर बनना चाहता था। 'मैं किसी दिन आकर उनसे मिलना चाहूँगा। मैं भी अच्छी पेंटिंग कर लेता हूँ। वे लोग मुझे इस बारे में कुछ सिखा सकते हैं।'

'तुम जब चाहो, आ सकते हो,' बूढ़ी मिसेज़ सैंडर्स ने एक बड़े जग में कोको बनाते हुए कहा। उन्होंने बहुत ज़ायक़ेदार दिख रही बटर कुकीज़ की एक प्लेट बच्चों के सामने रख दी और बच्चे बहुत भूखे अंदाज़ में कुकीज़ खाने लगे।

जॉर्ज बोली, 'मैं सोचती हूँ कि उन दोनों पेंटरों को क्रिसमस के समय इस देहात में सूना-सूना लगेगा। क्या वे यहाँ किसी को जानते हैं?'

'वे कहते हैं कि वे किसी को भी नहीं जानते हैं,' मिसेज़ सैंडर्स ने कहा। 'लेकिन पेंटर बहुत अजीब क़िस्म के लोग होते हैं। हमारे यहाँ पहले भी कुछ पेंटर रह चुके हैं। वे अपने आप में ही खोए रहते हैं। मुझे यक़ीन है कि वे दोनों यहाँ पर ख़ुश रहेंगे।'

'वे तो ख़ुश रहेंगे ही, तुम उनके लिए इतनी बढ़िया-बढ़िया चीज़ें जो बना रही हो,' उसके बूढ़े पति ने कहा। 'अच्छा, मुझे भेड़ों को सँभालने बाहर जाना है। बच्चो, मौक़ा मिले, तो हमसे फिर मिलने ज़रूर आना।'

किसान बाहर चला गया। बूढ़ी मिसेज़ सैंडर्स अपने बड़े किचन में काम करते समय बच्चों से बातें करती रहीं। टिमोथी भागकर अंदर आया और आग के पास

वाली दरी पर बैठ गया।

उसने अचानक देखा कि एक धारीदार बिल्ली चुपके से दीवार के पास जा रही थी और अजनबी कुत्ते के डर के कारण उसके बाल खड़े हुए थे। टिम ने ख़ुशी से भौंकते हुए बिल्ली पर छलाँग लगा दी। बिल्ली किचन से बाहर भागती हुई हॉल में पहुँच गई, जहाँ पुराने पटिये लगे थे। टिम उसके पीछे लपका। उसने जॉर्ज के चिल्लाने पर कोई ध्यान नहीं दिया!

बिल्ली ने हॉल में लगी पुरानी बड़ी घड़ी के ऊपर छलाँग लगाने की कोशिश की। उसके पीछे-पीछे टिम ने भी छलाँग लगाई। वह एक पटिये से टकराया - और तभी एक बहुत अजीब घटना हुई!

पटिया ग़ायब हो गया और पुरानी दीवार में एक गड्ढा दिखने लगा! जॉर्ज, जो टिम के पीछे-पीछे हॉल में आ गई थी, हैरान होकर चीख़ी, 'देखिए! मिसेज़ सैंडर्स, यहाँ आकर देखिए!'

4
रोमांचक खोज

जॉर्ज की चीख़ सुनकर मिसेज़ सैंडर्स और बाक़ी तीनों बच्चे फटाफट हॉल में आ गए।

जूलियन ने चिल्लाकर पूछा, 'क्या हुआ ? क्या हुआ ?'

जॉर्ज ने कहा, 'जब टिम ने बिल्ली पर छलाँग लगाई, तो वह पटिये वाली दीवार से टकरा गया। पटिया एक तरफ़ को सरक गया और दीवार में गड्ढा दिखने लगा!'

'यह पटिया तो सरक जाता है!' डिक गड्ढे में झाँकते हुए रोमांच से बोला। 'वाह! क्या आपको इसके बारे में पता था, मिसेज़ सैंडर्स ?'

'ओह हाँ,' बूढ़ी औरत बोली। 'इस घर में ऐसी बहुत सी अजीब चीज़ें हैं। उस पटिये को मुझे बहुत ध्यान से पोंछना पड़ता है, क्योंकि अगर मैं ऊपर वाले कोने को ज़्यादा कसकर पोंछती हूँ, तो यह हमेशा सरक जाता है।

जूलियन ने पूछा, 'पटिये के पीछे क्या है ?' गड्ढा उसके सिर की चौड़ाई के बराबर होगा और जब उसने अपना सिर अंदर डाला, तो उसे वहाँ सिर्फ़ अँधेरा ही दिखा। पटिये के लगभग आठ इंच पीछे पत्थर की दीवार थी।

'मोमबत्ती लाओ, मोमबत्ती लाओ!' एन रोमांचित होकर बोली। 'क्या आपके पास टॉर्च है, मिसेज़ सैंडर्स?'

'नहीं,' मिसेज़ सैंडर्स ने कहा। 'लेकिन तुम चाहो, तो मोमबत्ती जला सकते हो। मोमबत्ती किचन के आले में रखी है।'

एन मोमबत्ती लेने के लिए भागी। जूलियन मोमबत्ती को जलाकर पटिये के पीछे वाले छेद में ले गया। बाक़ी बच्चे अंदर झाँकने की उत्सुकता में जूलियन को धक्का मारने लगे।

'धक्का मत दो,' जूलियन ने चिढ़ते हुए कहा। 'मूर्खों, सब्र करो, तुम्हें भी देखने का मौक़ा मिलेगा! पहले मुझे तो देख लेने दो।'

उसने अच्छी तरह देखा, लेकिन वहाँ देखने के लिए ज़्यादा कुछ था ही नहीं। पटिये के पीछे सिर्फ़ अँधेरा और पत्थर की दीवार थी। उसने मोमबत्ती डिक को दे दी और फिर हर बच्चे ने उस छेद में बारी-बारी से झाँककर देखा। मिसेज़ सैंडर्स वापस किचन में चली गई थीं। उन्हें सरकने वाले पटिये को देखने की आदत थी!

'उन्होंने कहा था कि इस घर में ऐसी बहुत सी अजीब चीज़ें हैं,' एन बोली। 'तुम्हें क्या लगता है, यहाँ इस तरह की और कौन सी अजीब चीज़ें होंगी? चलो चलकर उनसे पूछते हैं।'

उन्होंने पटिये को उसकी पुरानी जगह पर सरका

दिया और फिर से मिसेज़ सैंडर्स के पास पहुँच गए। जूलियन ने उनसे पूछा, 'मिसेज़ सैंडर्स, किरिन फ़ार्महाउस में और कौन सी अजीब चीज़ें हैं?'

'ऊपर की मंज़िल पर एक अलमारी है, जिसकी लकड़ी की दीवार सरक जाती है,' मिसेज़ सैंडर्स बोलीं। 'लेकिन इतने रोमांचित होने की ज़रूरत नहीं है! उसमें कुछ भी नहीं है। और अँगीठी के पास एक बड़ा पत्थर है, जिसके पीछे भी कुछ छिपाने के लिए ख़ाली जगह है। मुझे लगता है कि पुराने ज़माने में लोगों को चीज़ें छिपाने के लिए गुप्त स्थान बनवाने का शौक था।'

बच्चे उस पत्थर की तरफ़ भागे, जिसकी तरफ़ उन्होंने इशारा किया था। उस पत्थर में एक लोहे का कुंदा था, जिससे पत्थर आसानी से ऊपर की तरफ़ खिसक जाता था। उसके नीचे इतनी जगह थी कि उसमें एक छोटा संदूक आराम से आ सकता था। वहाँ कुछ भी नहीं था, लेकिन फिर भी वह जगह रहस्यमय लग रही थी।

जूलियन ने पूछा, 'और वह अलमारी कहाँ है?'

मिसेज़ सैंडर्स बोलीं, 'मेरे बूढ़े पैर आज इतने ज़्यादा थक गए हैं कि मैं सीढ़ियाँ चढ़कर ऊपर नहीं जा सकती। लेकिन तुम अपने आप वहाँ चले जाओ। सीढ़ियाँ चढ़कर दाएँ हाथ की तरफ़ मुड़ना और एक दरवाज़ा छोड़कर दूसरे दरवाज़े के अंदर चले जाना।

सबसे आख़िरी अलमारी है। अलमारी का दरवाज़ा खोलना और नीचे हाथ डालकर टटोलना। तुम्हें वहाँ एक गूमड़ मिलेगा। उसे कसकर दबाओगे, तो दीवार सरक जाएगी।'

चारों बच्चे और टिमोथी बटर कुकीज़ खाते-खाते लपककर सीढ़ियों पर चढ़ गए। यह सचमुच बहुत रोमांचक सुबह थी!

उन्हें वह अलमारी मिल गई और उन्होंने उसका दरवाज़ा खोल लिया। चारों अपने घुटनों के बल बैठ गए और अलमारी के निचले हिस्से में गूमड़ खोजने लगे। एन को यह मिल गया।

वह चिल्लाई, 'मुझे गूमड़ मिल गया है!' उसने उसे कसकर दबाया, लेकिन उसकी छोटी उँगलियों में इतनी ताक़त नहीं थी कि दीवार सरकाने वाली मशीन चालू हो सके। जूलियन को उसकी मदद करनी पड़ी।

किसी चीज़ के चरमराने की आवाज़ आई और अलमारी के पीछे की दीवार एक तरफ़ को सरक गई। पीछे इतनी बड़ी जगह दिख रही थी कि उसमें एक दुबला आदमी छिप सकता था।

'छिपने के लिए यह बहुत अच्छी जगह है,' जूलियन बोला। 'कोई भी यहाँ छिप सकता है और किसी को पता भी नहीं चलेगा!'

डिक बोला, 'मैं अंदर जाता हूँ। तुम मुझे बंद कर

देना। यह रोमांचक होगा।'

वह उस ख़ाली जगह में पहुँच गया। जब जूलियन ने दीवार सरकाई, तो डिक पूरी तरह से छिप गया!

डिक चिल्लाया, 'यह जगह बहुत सँकरी है। और यहाँ बहुत अँधेरा भी है! मेरा तो दम घुट रहा है, मुझे बाहर निकालो।'

बच्चे बारी-बारी से अलमारी के पीछे वाली जगह में छिपकर बंद हुए। एन को यह क़तई अच्छा नहीं लगा।

वे दोबारा मिसेज़ सैंडर्स के पास गए। जूलियन बोला, 'मिसेज़ सैंडर्स, वह अलमारी बहुत बढ़िया है। काश हम इतने रहस्यों वाले मकान में रह रहे होते!'

जॉर्ज ने पूछा, 'क्या हम दोबारा आकर उस अलमारी में खेल सकते हैं?'

मिसेज़ सैंडर्स बोलीं, 'नहीं, जॉर्ज। अलमारी वाला कमरा क्रिसमस पर पेंटरों को दिया जाने वाला है।'

'ओह!' जूलियन ने निराशा से कहा। 'क्या आप उन्हें सरकने वाली दीवार के बारे में बताएँगी, मिसेज़ सैंडर्स?'

'शायद नहीं,' बूढ़ी औरत ने कहा। 'सिर्फ़ तुम बच्चे ही ऐसी चीज़ों के बारे में रोमांचित होते हो। दोनों पेंटर इसकी तरफ़ ज़्यादा ध्यान नहीं देंगे।'

'बड़े लोग कितने अजीब होते हैं!' एन हैरानी से बोली। 'मुझे यक़ीन है कि सौ साल की होने के बाद भी

मैं सरकने वाले पटिये या चोर दरवाज़े को देखकर रोमांचित हो जाऊँगी।'

'मैं भी,' डिक बोला। 'क्या मैं एक बार फिर हॉल के सरकने वाले पटिये को देख सकता हूँ, मिसेज़ सैंडर्स? मैं मोमबत्ती ले जाता हूँ।'

डिक को यह पता नहीं था कि वह दोबारा वहाँ क्यों जाना चाहता था। उसके दिमाग़ में बस यूँ ही यह विचार आ गया था। बाक़ी बच्चों ने उसके साथ जाने का कष्ट नहीं किया, क्योंकि पटिये के पीछे पत्थर की पुरानी दीवार के अलावा कुछ भी नहीं दिख रहा था।

डिक मोमबत्ती उठाकर हॉल में गया। उसने पटिये को दबाया, तो वह सरक गया। उसने मोमबत्ती अंदर डालकर अच्छी तरह देखा। वहाँ कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। डिक ने अपना सिर बाहर निकाला और अपना हाथ दीवार में अंदर की तरफ़ डाला। वह इसे दोबारा बाहर निकालने ही वाला था कि तभी उसकी उँगलियों को दीवार में एक छेद मिल गया।

डिक बोला, 'अजीब बात है! पत्थर की दीवार में छेद क्यों है!'

उसने अपनी उँगली और अँगूठा फँसाकर पास वाले पत्थर को हिलाया। उसे दीवार में एक छोटी सी संद महसूस हुई, जो किसी चिड़िया के बैठने की जगह जितनी बड़ी थी। उसने उस जगह से पत्थर को पकड़

लिया और अपनी उँगलियाँ हिलाईं, लेकिन कुछ नहीं हुआ। फिर उसने पत्थर को अच्छी तरह से पकड़कर खींचा।

पत्थर एकदम बाहर आ गया! इससे डिक इतना हैरान हुआ कि भारी पत्थर उसके हाथ से छूट गया। पत्थर धमाके की आवाज़ के साथ पटिये के पीछे गिरा!

धमाके की आवाज़ सुनकर बाक़ी लोग भी हॉल में आ गए। जूलियन ने पूछा, 'तुम क्या कर रहे हो, डिक? क्या तुमने कुछ तोड़ दिया है?'

'नहीं,' डिक बोला और उसका चेहरा रोमांच के मारे लाल पड़ गया। 'मैंने इसमें अपना हाथ डाला था और मुझे दीवार के पत्थरों में एक गड्ढा मिला। मैंने अपने अँगूठे और उँगलियों से एक पत्थर को पकड़कर खींचा। पत्थर अचानक बाहर आ गया और इस बात से मैं इतना हैरान हुआ कि वह मेरे हाथ से छूटकर गिर गया। उसी के गिरने की आवाज़ आई थी!'

'वाह!' जूलियन ने डिक को उस पटिये से दूर धकाने की कोशिश की। 'मुझे देखने दो।'

'नहीं जूलियन,' डिक ने उसे दूर धकेलते हुए कहा। 'यह *मेरी* खोज है। पहले मैं देखूँगा कि यहाँ कुछ छिपा तो नहीं है। वहाँ तक हाथ पहुँचना मुश्किल है!'

बाक़ी बच्चे बेचैनी से इंतज़ार करने लगे। जूलियन की बहुत इच्छा हो रही थी कि वह डिक को धक्का

मारकर दूर हटा दे। डिक ने अपना पूरा हाथ अंदर डाल दिया। वह अपने हाथ को मोड़कर उस जगह पर ले गया, जहाँ पत्थर लगा था। उसकी उँगलियों को कुछ महसूस हुआ। उसे लगा कि वहाँ पर किताब जैसी कोई चीज़ रखी थी। सावधानी से उसने वह चीज़ बाहर निकाली।

उसने कहा, 'यह तो पुरानी किताब लगती है!'

एन चिल्लाई, 'इसमें क्या है?'

उन्होंने सावधानी से पन्ने पलटाए। वे इतने सूखे और कमज़ोर थे कि उनमें से कुछ तो टूटकर ज़मीन पर गिर गए।

'मुझे लगता है, यह नुस्ख़ों की किताब है,' एन बोली, जिसकी तेज़ आँखों ने भूरी, धुँधली और पुरानी लिखाई वाले कुछ शब्द पढ़ लिए थे। 'इसे मिसेज़ सैंडर्स के पास ले चलते हैं।'

बच्चे उस किताब को मिसेज़ सैंडर्स के पास ले गए। वे उनके दमकते चेहरों को देखकर हँसीं। उन्होंने किताब खोलकर देखी, लेकिन वे ज़रा भी हैरान नहीं हुईं।

'हाँ,' उन्होंने कहा। 'यह नुस्ख़ों की ही किताब है। देखो, सामने किसका नाम लिखा है – एलिस मैरी सैंडर्स। वे मेरे पति की पर-परदादी थीं। उनकी दवाएँ मशहूर थीं। कहा जाता है कि वे आदमियों और जानवरों की हर बीमारी का इलाज कर सकती थीं।'

'कितने अफ़सोस की बात है कि उनकी लिखावट को पढ़ना बहुत मुश्किल है,' जूलियन ने निराश होते हुए कहा। 'किताब की हालत बहुत ख़राब है और इसके पन्ने अलग हो रहे हैं। यह बहुत पुरानी होगी।'

एन ने पूछा, 'क्या तुम्हें लगता है कि उस जगह पर और कुछ भी छिपा होगा? जूलियन, तुम उसमें अपना हाथ डालकर देखो! *तुम्हारा* हाथ डिक के हाथ से लंबा है।'

डिक बोला, 'वहाँ और कुछ भी नहीं होगा। वहाँ बहुत कम जगह है। गिरने वाले पत्थर के नीचे सिर्फ़ कुछ इंच ख़ाली जगह थी।'

जूलियन बोला, 'मैं अपना हाथ अंदर डालकर देखता हूँ।' वे सब दोबारा हॉल में पहुँच गए। जूलियन ने खुले पटिये में अपना हाथ उस जगह डाला, जहाँ पत्थर बाहर गिरा था। फिर वह अपनी लंबी उँगलियों से टटोलने लगा।

उसे लगा कि वहाँ कोई और चीज़ भी थी। वह चमड़े जैसी कोई नर्म चीज़ लग रही थी। उसकी उत्सुक उँगलियों ने उसे पकड़कर सावधानी से बाहर निकाला। वह डर रहा था कि कहीं पुरानी और नाज़ुक होने के कारण वह चीज़ टूट न जाए।

उसने चमकती आँखों के साथ कहा, 'मुझे कुछ मिल गया है। देखो – यह क्या है?'

बाक़ी लोग क़रीब आ गए। एन ने कहा, 'यह तो डैडी की तंबाकू की थैली जैसी लगती है। इसका आकार वैसा ही है। क्या इसके अंदर कुछ है?'

यह तंबाकू की काली थैली ही थी, जो नर्म चमड़े से बनी थी और बहुत ही पुरानी थी। सावधानी से जूलियन ने चमड़े की तह खोली।

उस थैली में काली तंबाकू की कुछ पत्तियाँ निकलीं, लेकिन वहाँ कुछ और भी था। पाउच की आख़िरी तह में लिनेन का एक चिथड़ा था। जूलियन ने उसे बाहर निकाला और हॉल की टेबल पर उसे खोलकर देखा।

बच्चों ने देखा कि लिनेन के चिथड़े पर काली स्याही में कुछ निशान बने थे, जो ज़रा भी धुँधले नहीं हुए थे। लेकिन चारों को उन निशानों का मतलब समझ में नहीं आया।

जूलियन बोला, 'यह कोई नक़्शा नहीं है। यह तो किसी तरह की सांकेतिक भाषा लगती है। क्या पता, इसका क्या मतलब है! काश हमें इसका मतलब समझ में आ जाता! यह किसी तरह का रहस्य लगता है।'

बच्चे लिनेन के उस चिथड़े को बहुत रोमांच से घूरकर देखते रहे। यह बहुत पुराना था – और इसमें किसी तरह का रहस्य छिपा था। यह क्या हो सकता है?

वे सब उसे मिसेज़ सैंडर्स को दिखाने के लिए भागे। वे नुस्ख़ों की पुरानी किताब पढ़ रही थीं और उनका

चेहरा ख़ुशी से चमक रहा था।

उन्होंने रोमांचित बच्चों से कहा, 'यह गज़ब की किताब है! लिखाई बहुत मुश्किल से पढ़ने में आ रही है, लेकिन इसमें कमर दर्द दूर करने का नुस्ख़ा दिया गया है। मैं इसे आज़माकर देखूँगी। मेरी कमर में शाम को बहुत दर्द होता है। अब तुम लोग यह नुस्ख़ा सुनो ...'

लेकिन बच्चे कमर दर्द का नुस्ख़ा नहीं सुनना चाहते थे। उन्होंने लिनेन के चिथड़े को मिसेज़ सैंडर्स की गोद में डाल दिया।

'देखिए! यह क्या है, मिसेज़ सैंडर्स? क्या आप जानती हैं? यह हमें पटिये के पीछे वाली जगह में एक तंबाकू की थैली में मिला है।'

मिसेज़ सैंडर्स ने अपना चश्मा उतारकर उसे पोंछा और फिर लगा लिया। उन्होंने अजीब निशानों वाले लिनेन के चिथड़े को ध्यान से देखा।

उन्होंने अपना सिर हिलाकर कहा, 'नहीं, इससे मुझे कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है! और यह क्या है? यह तो तंबाकू की पुरानी थैली लगती है। मुझे लगता है कि यह मेरे जॉन को पसंद आएगी। उसकी पुरानी थैली अब इतनी कमज़ोर हो चुकी है कि उसमें तंबाकू टिकती ही नहीं है! यह भी पुरानी है – लेकिन अभी इसमें काफ़ी दम बची है।'

जूलियन ने चिंता से पूछा, 'मिसेज़ सैंडर्स, क्या आप

लिनेन के इस चिथड़े को भी रखना चाहती हैं?' वह घर ले जाकर उसे अच्छी तरह से देखने के लिए उतावला था। उसे विश्वास था कि उस चिथड़े में किसी तरह का रोमांचक रहस्य छिपा था और वह उसे मिसेज़ सैंडर्स के पास छोड़कर नहीं जाना चाहता था।

मिसेज़ सैंडर्स हँसते हुए बोलीं, 'जूलियन, अगर तुम इसे ले जाना चाहते हो, तो ले जाओ। मैं नुस्ख़ों वाली किताब रख लेती हूँ और तंबाकू की थैली जॉन को दे देती हूँ। अगर तुम्हें यह पुराना चिथड़ा चाहिए, तो तुम इसे ले जा सकते हो, हालाँकि मैं यह नहीं समझ पा रही हूँ कि यह तुम्हें इतना लुभावना क्यों लग रहा है! लो, जॉन भी आ गया!'

उन्होंने अपनी आवाज़ ऊँची की, ताकि जॉन उनकी बात सुन ले, 'सुनो जॉन, तुम्हारे लिए तंबाकू की थैली है। बच्चों को यह हॉल में खुलने वाले पटिये के पीछे मिली है।'

जॉन ने थैली पर उँगलियाँ फेरीं। उसने कहा, 'यह मेरी थैली से पुरानी है, लेकिन इसकी हालत उससे ज़्यादा अच्छी है। अच्छा बच्चो, मैं तुम्हें यहाँ से जल्दी नहीं भेजना चाहता हूँ, लेकिन एक बज गया है। तुम्हारे लंच का समय हो रहा है, इसलिए अच्छा यही रहेगा कि तुम लोग घर चले जाओ!'

'ओह!' जूलियन बोला। 'हमें देर हो गई! गुड बाई,

मिसेज़ सैंडर्स। बटर कुकीज़ और इस लिनेन के चिथड़े के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। हम यह पता लगाने की पूरी कोशिश करेंगे कि इसके निशानों का क्या मतलब है। जैसे ही हमें पता चलेगा, हम आपको भी बता देंगे। अब सब लोग जल्दी चलो! टिम कहाँ है? चलो टिमोथी, हमें देर हो गई है!'

पाँचों जल्दी से भागे। उन्हें सचमुच देर हो गई थी, इसलिए उन्हें ज़्यादातर रास्ते भागना पड़ा, जिसका मतलब यह था कि बात करना मुश्किल था। लेकिन वे सुबह की घटनाओं के बारे में इतने रोमांचित थे कि दौड़ते-दौड़ते भी वे बातें करते जा रहे थे।

जूलियन ने हाँफते हुए कहा, 'क्या पता, इस पुराने चिथड़े में कौन सा रहस्य छिपा है? मैं इसका पता लगाना चाहता हूँ। मुझे यक़ीन है कि यह कोई ख़ुफ़िया बात होगी।'

डिक ने पूछा, 'क्या हम इसके बारे में किसी को बताएँगे?'

'नहीं!' जॉर्ज बोली। 'हम इसे गोपनीय ही रखेंगे।'

जूलियन ने मुस्कराते हुए कहा, 'अगर एन कुछ बताने लगे, तो उसे टेबल के नीचे से लात मार देना, जैसा हमने पिछली गर्मियों में किया था।' बेचारी एन गोपनीय बातें नहीं छिपा पाती थी और जब भी वह राज़ खोलने लगती थी, तो उसे अक्सर कोहनी या लात खानी

पड़ती थी।

एन ग़ुस्से से बोली, 'मैं इस बारे में एक शब्द भी नहीं बोलूँगी। और तुम मुझे लात मारने की कोशिश मत करना। इससे मैं रोने लगती हूँ और फिर बड़े लोग उसका कारण पूछते हैं।'

'लंच के बाद हम लिनेन के इस चिथड़े के बारे में अच्छी तरह सोचेंगे,' जूलियन बोला। 'मुझे यक़ीन है कि हम इसका राज़ जान लेंगे, बशर्ते हम ऐसा करने की ठान लें!'

'लो हम आ गए,' जॉर्ज बोली। 'हमें ज़्यादा देर नहीं हुई है। हैलो मम्मी! हम बस एक मिनट में हाथ धोकर आते हैं! हमें वहाँ बहुत मज़ा आया।'

5
दुख भरी सैर

लंच के बाद चारों बच्चे ऊपर की मंज़िल पर लड़कों के बेडरूम में गए और वहाँ उन्होंने लिनेन के चिथड़े को टेबल पर फैला लिया। उस पर यहाँ-वहाँ शब्द घसीटकर लिखे गए थे। एक दिशासूचक यंत्र का निशान भी बना था, जिसमें पूर्व दिशा के लिए 'ई' स्पष्ट लिखा था। आठ चौकोर खाने बने थे और उनमें से बीच वाले में क्रॉस का निशान था। सब कुछ बहुत रहस्यमय था।

'मुझे लगता है कि ये शब्द लैटिन भाषा के हैं,' जूलियन ने उन्हें समझने की कोशिश करते हुए कहा। 'लेकिन मैं उन्हें पढ़ नहीं पा रहा हूँ। वैसे अगर मैं उन्हें पढ़ भी लेता, तो भी मैं उनका मतलब नहीं समझ पाता। काश हमारे आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति होता, जो लैटिन भाषा को आसानी से पढ़ सकता।'

एन ने पूछा, 'तुम्हारे डैडी लैटिन भाषा पढ़ सकते हैं, जॉर्ज ?'

'लगता तो है,' जॉर्ज बोली। लेकिन कोई भी जॉर्ज के डैडी से नहीं पूछना चाहता था। हो सकता है, वे इस अजीब से पुराने चिथड़े को उनसे छीन लें। हो सकता है,

वे इसके बारे में सब कुछ भूल जाएँ या फिर इसे जला दें। वैज्ञानिक लोग बड़े अजीब होते हैं।

डिक बोला, 'मिस्टर रोलैंड के बारे में क्या ख़्याल है ? वे टीचर हैं। वे लैटिन जानते हैं।'

'हम उनसे तब तक कुछ नहीं पूछेंगे, जब तक कि हम उनके बारे में थोड़ा ज़्यादा न जान लें,' जूलियन ने सावधानी से कहा। 'वे हँसमुख और अच्छे *दिखते हैं*, लेकिन अभी से उनके बारे में कोई राय बनाना ठीक नहीं है। उफ़, काश हम इसका मतलब समझ पाते!'

'सबसे ऊपर दो शब्द लिखे हैं,' डिक बोला और उसने उन्हें पढ़ने की कोशिश की, 'वाया ओकल्टा।' 'जूलियन, तुम्हें क्या लगता है, इनका क्या मतलब हो सकता है ?'

'देखो – मुझे तो इसका मतलब लग रहा है – ख़ुफ़िया रास्ता,' जूलियन के माथे पर बल पड़ गए।

'ख़ुफ़िया रास्ता!' एन की आँखें चमकने लगीं। 'ओह, काश इसका मतलब यही हो! ख़ुफ़िया रास्ता! कितना रोमांचक है! यह किस तरह का ख़ुफ़िया रास्ता होगा, जूलियन ?'

'मुझे क्या मालूम, मूर्ख ?' जूलियन बोला। 'मैं तो यह भी नहीं जानता कि इन शब्दों का मतलब "ख़ुफ़िया रास्ता" है भी या नहीं। मैंने तो बस अंदाज़ा लगाया है।'

'अगर इन शब्दों का मतलब यही है, तो लिनेन के

चिथड़े में ख़ुफ़िया रास्ता खोजने का तरीक़ा बताया होगा,' डिक बोला। 'ओह जूलियन, कितने अफ़सोस की बात है कि हम इसे पढ़ नहीं सकते और समझ भी नहीं सकते? कोशिश करके तो देखो। तुम्हें मुझसे ज़्यादा लैटिन आती है।'

'इन अजीब और पुराने अक्षरों को पढ़ना बहुत मुश्किल है,' जूलियन ने दोबारा कोशिश करते हुए कहा। 'नहीं – कोई फ़ायदा नहीं है। मैं उन्हें नहीं पढ़ सकता।'

सीढ़ियों पर क़दमों की आहट सुनाई दी और दरवाज़ा खुला। मिस्टर रोलैंड ने अंदर झाँककर देखा।

वे बोले, 'हैलो, हैलो! मैं सोच रहा था कि तुम लोग कहाँ चले गए! बाहर घूमने चलने के बारे में क्या विचार है?'

जूलियन ने पुराने चिथड़े को लपेटते हुए कहा, 'जी, ज़रूर चलते हैं।'

मिस्टर रोलैंड ने पूछा, 'वह क्या है? कोई दिलचस्प चीज़ है क्या?'

'यह तो –' एन बताने लगी, लेकिन तभी बाक़ी लोग बीच में बोल पड़े। उन्हें डर था कि एन उनका राज़ खोलने वाली है।

'यह तो घूमने के लिए बढ़िया दोपहर है।'

'चलो, बाहर के कपड़े पहन लो!'

'टिम, टिम, तुम कहाँ हो?' जॉर्ज ने टिम को बुलाने के लिए तीखी सीटी बजाते हुए कहा। टिम पलंग के नीचे से उछलता हुआ बाहर आया। एन का चेहरा लाल पड़ गया, क्योंकि उसने अंदाज़ा लगा लिया कि बाक़ी सब लोगों ने उसकी बात इतनी जल्दी क्यों काटी थी।

जूलियन ने धीरे से उससे कहा, 'मूर्ख! छोटी बच्ची कहीं की।'

सौभाग्य से मिस्टर रोलैंड ने लिनेन के उस चिथड़े के बारे में और कुछ नहीं पूछा। उनका पूरा ध्यान तो टिम की तरफ़ था।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उसका चलना भी ज़रूरी होगा।' यह सुनकर जॉर्ज ने उन्हें ग़ुस्से से घूरकर देखा।

वह बोली, 'बहुत ज़रूरी है! हम टिमोथी के बिना कहीं नहीं जाते।'

मिस्टर रोलैंड नीचे चले गए और बच्चे बाहर जाने के लिए तैयार होने लगे। जॉर्ज की त्योरियाँ अब भी चढ़ी हुई थीं। टिम को छोड़कर घूमने जाने की बात सोचकर ही वह नाराज़ हो गई थी।

डिक ने एन से कहा, 'बेवकूफ़ लड़की, तुम तो हमारा भांडा फोड़ने ही वाली थीं।'

'नहीं तो,' एन शर्मिंदा होते हुए बोली। 'वैसे भी, मिस्टर रोलैंड बहुत अच्छे हैं। मुझे लगता है, हम उनसे

इस भाषा को समझने में मदद माँग सकते हैं।'

'तुम यह फ़ैसला मुझ पर छोड़ दो,' जूलियन ने चिढ़कर कहा। 'अब तुम इस बारे में एक शब्द बोलने की भी हिम्मत मत करना।'

वे सभी बाहर चल दिए, टिमोथी भी। मिस्टर रोलैंड को कुत्ते के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं थी, क्योंकि टिमोथी उनके पास भी नहीं फटका। दरअसल यह बहुत अजीब था। हालाँकि मिस्टर रोलैंड ने टिमोथी से बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन वह उनसे दूर ही रहा और उसने उनकी तरफ़ ज़रा भी ध्यान नहीं दिया।

डिक बोला, 'वह आम तौर पर ऐसा नहीं करता है। दरअसल वह बहुत मिलनसार कुत्ता है।'

'चूँकि मुझे घर में उसी के साथ रहना है, इसलिए मुझे उससे दोस्ती करने की कोशिश तो करनी ही पड़ेगी,' टीचर बोले। 'टिमोथी! यहाँ आओ! मेरी जेब में एक बिस्कुट है।'

'बिस्कुट' शब्द सुनकर टिमोथी के कान खड़े हो गए, लेकिन इसके बाद भी उसने मिस्टर रोलैंड की तरफ़ देखा तक नहीं। वह अपनी पूँछ नीची करके जॉर्ज के पास चला गया। जॉर्ज उसे थपथपाने लगी।

उसने कहा, 'अगर वह किसी को पसंद नहीं करता है, तो बिस्कुट या हड्डी के लालच में भी वह उसके पास

नहीं जाता है।'

मिस्टर रोलैंड ने कोशिश छोड़ दी। उन्होंने बिस्कुट दोबारा अपनी जेब में रख लिया। वे बोले, 'कितना अजीब दिखने वाला कुत्ता है, है ना? मिली-जुली नस्ल का है! मुझे तो शुद्ध नस्ल के कुत्ते ज़्यादा पसंद हैं।'

जॉर्ज का चेहरा तमतमा गया और वह बोली, 'वह अजीब नहीं दिखता है! वह आपसे तो कम ही अजीब दिखता है! और वह मिली-जुली नस्ल का भी नहीं है। वह तो दुनिया का सबसे अच्छा कुत्ता है!'

'मुझे लगता है कि तुम थोड़ी बदतमीज़ी कर रही हो,' मिस्टर रोलैंड ने तनकर कहा। 'मैं अपने विद्यार्थियों की बदतमीज़ी बर्दाश्त नहीं करता हूँ, जॉर्जिना।'

जॉर्जिना कहकर पुकारे जाने से उसका ग़ुस्सा और भड़क गया। वह टिम के साथ बाक़ी लोगों के पीछे चलने लगी और ज्वालामुखी की तरह धधकने लगी। बाक़ी लोग थोड़े परेशान हो गए। वे जानते थे कि जॉर्ज का ग़ुस्सा कितना तेज़ है और उससे निबटना कितना मुश्किल हो सकता है। जब वे पहली बार उससे मिले थे, तब जॉर्ज बहुत ग़ुस्सैल और अजीब थी। लेकिन उनसे मिलने के बाद वह सुधर गई थी और ज़्यादा ख़ुश रहने लगी थी। बाक़ी तीनों यही उम्मीद कर रहे थे कि वह मूर्खता न करे और टीचर से न उलझे। इससे क्रिसमस की छुट्टियाँ ख़राब हो जाएँगी।

मिस्टर रोलैंड ने जॉर्ज को नज़रअंदाज़ कर दिया। उन्होंने उससे कोई बात नहीं की। वे बाक़ी बच्चों के साथ हँसी-मज़ाक़ करते हुए आगे चलते रहे। उनकी बातें बहुत मज़ेदार थीं, जिन्हें सुनकर लड़के हँस रहे थे। मिस्टर रोलैंड ने एन का हाथ पकड़ लिया और एन उनके साथ चलते हुए सैर का आनंद लेने लगी।

जूलियन को जॉर्ज के अलग-थलग रहने पर अफ़सोस हो रहा था। वह जानता था कि अलग-थलग और उपेक्षित होने के कारण जॉर्ज कितनी चिढ़ रही होगी! वह सोच रहा था कि क्या वह टीचर से जॉर्ज की सिफ़ारिश कर दे। इससे हालात सुधर जाएँगे।

उसने कहा, 'सर, क्या आप मेरी चचेरी बहन को जॉर्ज नाम से बुला सकते हैं? वह जॉर्जिना नाम से चिढ़ती है। और वह टिम को बहुत प्यार करती है। उससे उसकी बुराई सहन नहीं होती है।'

मिस्टर रोलैंड हैरान दिखने लगे। वे थोड़ी रूखी आवाज़ में बोले, 'मुझे यक़ीन है कि तुम्हारे इरादे अच्छे हैं, लेकिन मुझे अपने किसी विद्यार्थी के बारे में तुम्हारी सलाह की ज़रूरत नहीं है। जॉर्जिना के साथ कैसा व्यवहार करना है, इसका फ़ैसला तुम नहीं, मैं करूँगा। मैं तुम सभी से दोस्ती करना चाहता हूँ और मुझे लगता है कि हममें दोस्ती हो भी जाएगी - लेकिन जॉर्जिना को भी तुम तीनों की तरह समझदार बनना पड़ेगा।'

जूलियन थोड़ा परेशान हो गया। उसका चेहरा लाल पड़ गया और उसने डिक की तरफ़ देखा। डिक ने उसका हाथ दबा दिया। लड़के जानते थे कि जब कोई टिमोथी को पसंद नहीं करता था, तो जॉर्ज मूर्खतापूर्ण व्यवहार कर सकती थी। लेकिन वे यह भी सोच रहे थे कि मिस्टर रोलैंड को भी थोड़ी समझदारी से काम लेना चाहिए। डिक पीछे जाकर जॉर्ज के साथ चलने लगा।

जॉर्ज ने आँखों से शोले बरसाते हुए कहा, 'तुम्हें मेरे साथ चलने की कोई ज़रूरत नहीं है। जाकर अपने दोस्त मिस्टर रोलैंड के साथ चलो।'

'वे मेरे दोस्त नहीं हैं,' डिक बोला। 'और बेवकूफ़ी की बातें मत करो।'

'मैं बेवकूफ़ी की बातें नहीं कर रही हूँ,' जॉर्ज ने थोड़ी सख़्त आवाज़ में कहा। 'मैंने तुम्हें उनके साथ हँसी-मज़ाक़ करते हुए सुना था। तुम जाकर उनके साथ हँसी-मज़ाक़ करो। मेरे पास मेरा टिमोथी है।'

'जॉर्ज, क्रिसमस आ रहा है,' डिक बोला। 'हम सभी हिल-मिलकर रहें, तो ज़्यादा अच्छा है। कोशिश तो करो। क्रिसमस का मज़ा ख़राब मत करो।'

'मैं किसी ऐसे आदमी को पसंद नहीं कर सकती, जो टिम से नफ़रत करता हो,' जॉर्ज ने अड़ते हुए कहा।

डिक ने शांति क़ायम करने की पूरी कोशिश करते हुए कहा, 'देखो, मिस्टर रोलैंड ने उसे बिस्कुट देने की

कोशिश तो की थी।'

जॉर्ज कुछ नहीं बोली। उसका छोटा चेहरा ग़ुस्से से तमतमा रहा था। डिक ने दोबारा कोशिश की।

'जॉर्ज! क्रिसमस तक अच्छा व्यवहार करने की कोशिश करो। क्रिसमस का मज़ा ख़राब मत करो! मान भी जाओ, जॉर्ज।'

'ठीक है,' जॉर्ज ने आख़िरकार कहा। 'मैं कोशिश करूँगी।'

डिक बोला, 'तो फिर हम सबके साथ चलो।' जॉर्ज भी बाक़ी सबके साथ चलने लगी और अपने ग़ुस्से को छिपाने की कोशिश करने लगी। मिस्टर रोलैंड ने अंदाज़ा लगा लिया कि डिक ने जॉर्ज को अच्छा व्यवहार करने की सलाह दी होगी, इसलिए उन्होंने उसे भी अपनी बातचीत में शामिल कर लिया। वे उसे हँसा तो नहीं पाए, लेकिन कम से कम अब वह विनम्रता से जवाब दे रही थी।

फ़ार्म दिखाई देने पर मिस्टर रोलैंड ने पूछा, 'क्या वह किरिन फ़ार्महाउस है?'

जूलियन ने हैरानी से पूछा, 'हाँ। क्या आपको यह मालूम था?'

'नहीं, नहीं,' मिस्टर रोलैंड ने फ़ौरन कहा। 'मैंने इसके बारे में सुना था और मैं सोच रहा था कि क्या यह वही जगह है!'

एन ने कहा, 'हम लोग आज सुबह वहीं गए थे। बहुत ही रोमांचक जगह है।' उसने दूसरों की तरफ़ देखा और सोचा कि क्या वह उन चीज़ों के बारे में बता सकती है, जो उन्होंने वहाँ सुबह देखी थीं। जूलियन ने एक पल के लिए सोचा। आख़िर, मिस्टर रोलैंड को किचन के पत्थर या अलमारी की खुली दीवार के बारे में बताने से कोई फ़र्क़ नहीं पड़ेगा। यह बात तो मिसेज़ सैंडर्स किसी को भी बता सकती थीं। उन्हें हॉल के सरकने वाले पटिये के बारे में भी बताया जा सकता था। और उन्हें नुस्ख़ों की पुरानी किताब के बारे में भी बताया जा सकता था। बहरहाल, उन्हें निशान लगे लिनेन के चिथड़े के बारे में बताने की कोई ज़रूरत नहीं थी।

इसलिए जूलियन ने अपने टीचर को पुराने फ़ार्महाउस की रोमांचक चीज़ों के बारे में बताया, लेकिन उसने लिनेन के चिथड़े और उसके अजीब निशानों के बारे में कुछ नहीं कहा। मिस्टर रोलैंड ने बड़ी दिलचस्पी से उसकी बातें सुनीं।

उन्होंने कहा, 'यह सब बहुत अजीब है। बहुत ही अजीब। और बहुत ही दिलचस्प। क्या बूढ़े पति-पत्नी वहाँ अकेले रहते हैं?'

'क्रिसमस पर दो पेंटर उनके यहाँ किराए से रहने के लिए आने वाले हैं,' डिक बोला। 'जूलियन उन पेंटरों से

मिलने के बारे में सोच रहा है। वह भी अच्छी पेंटिंग कर लेता है।'

'अच्छा?' मिस्टर रोलैंड ने कहा। 'अपनी कुछ पेंटिंग्स मुझे दिखाना। लेकिन मैं सोचता हूँ कि तुम्हें फ़ार्महाउस में जाकर उन पेंटरों को परेशान नहीं करना चाहिए। हो सकता है, यह उन्हें अच्छा न लगे।'

यह सुनकर जूलियन का इरादा पक्का हो गया। उसने तत्काल ठान लिया कि मौक़ा मिलते ही वह जाकर उन दोनों पेंटरों से ज़रूर *मिलेगा!*

कुल मिलाकर उनकी यह सैर सुखद रही। दुखद बात सिर्फ़ यह थी कि जॉर्ज बहुत चुप थी और टिमोथी मिस्टर रोलैंड के पास नहीं आ रहा था। बर्फ़ से जमे हुए पोखर के पास पहुँचकर डिक ने उसमें कुछ छड़ियाँ फेंकीं, ताकि टिम उन्हें पकड़कर ले आए। टिम दौड़ने की कोशिश में अपने लंबे पैरों पर फिसल रहा था। उसे देखना बहुत ही मज़ेदार था!

सभी ने कुत्ते के उठाने के लिए छोटी-छोटी छड़ियाँ फेंकीं और टिम मिस्टर रोलैंड के अलावा बाक़ी सभी की छड़ियाँ वहाँ से उठा लाया। जब टीचर ने छड़ी फेंकी, तो कुत्ते ने छड़ी को एक नज़र देखा, लेकिन उस पर ध्यान तक नहीं दिया। ऐसा लग रहा था मानो वह कह रहा हो, 'क्या, *तुम्हारी* छड़ी! नहीं, हर्गिज़ नहीं!'

'अब, हम घर चलते हैं,' मिस्टर रोलैंड ने टिम की

इस हरकत पर अपने ग़ुस्से को छिपाने की कोशिश करते हुए कहा। 'शाम की चाय का वक़्त हो गया है!'

6

मिस्टर रोलैंड के साथ पढ़ाई

अगली सुबह बच्चे थोड़े उदास थे। पढ़ाई! छुट्टियों में पढ़ना कितना बुरा था! फिर भी मिस्टर रोलैंड उतने बुरे नहीं थे, जितनी उन्हें आशंका थी। मिस्टर रोलैंड कल रात को बच्चों के साथ ड्रॉइंग रूम में नहीं बैठे थे, क्योंकि वे उनके अंकल के साथ बातचीत करने के लिए गए थे। इसलिए वे सभी लिनेन के रहस्यमय चिथड़े को बाहर निकालकर उसे देखने लगे।

लेकिन उससे कोई फ़ायदा नहीं हुआ। किसी को भी उसका सिर-पैर समझ में नहीं आया। ख़ुफ़िया रास्ता! इसका क्या मतलब था? क्या उस चिथड़े में सचमुच ख़ुफ़िया रास्ते तक पहुँचने का तरीक़ा बताया गया था? वह रास्ता कहाँ था और उस तक पहुँचने का तरीक़ा क्या था? यह न जान पाने के कारण वे बहुत परेशान थे।

जूलियन ने आह भरते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हमें इसके लिए जल्दी ही किसी की मदद लेनी पड़ेगी। मैं इस पहेली को ज़्यादा समय तक नहीं झेल सकता। मैं दिन-रात इसी के बारे में सोचता रहता हूँ।'

उसे रात को सपने में भी लिनेन का चिथड़ा दिखा था। अब सुबह हो चुकी थी और उनकी पढ़ाई का समय हो गया था। उसने सोचा कि मिस्टर रोलैंड आज क्या पढ़ाएँगे। अगर वे लैटिन भाषा पढ़ाते हैं, तो वह उनसे 'वाया ओकल्टा' का मतलब पूछ सकता है।

मिस्टर रोलैंड ने उन सबके रिपोर्ट कार्ड देखे, ताकि यह पता लगा सकें कि वे किन-किन विषयों में कमज़ोर थे। एक विषय तो लैटिन था और दूसरा था फ्रेंच। डिक और जॉर्ज गणित में बहुत कमज़ोर थे। इस विषय में दोनों बच्चों की मदद करनी होगी। जूलियन का सबसे कमज़ोर विषय रेखागणित था।

एन को पढ़ने की ज़रूरत नहीं थी। मिस्टर रोलैंड ने अपनी नीली आँखों से उसे देखते हुए कहा, 'लेकिन अगर तुम पढ़ना चाहो, तो मैं तुम्हें पेंटिंग बनाने को दूँगा।' उन्हें एन पसंद थी। वह जॉर्ज की तरह नकचढ़ी और तुनकमिज़ाज नहीं थी।

एन को पेंटिंग करना अच्छा लगता था। उसने ख़ुशी से कहा, 'ओह हाँ। मुझे पेंटिंग करना पसंद है। मैं फूल बनाऊँगी, मिस्टर रोलैंड। मैं आपको लाल और नीले फूलों की पेंटिंग बनाकर दिखाती हूँ।'

मिस्टर रोलैंड ने कहा, 'हम लोग ठीक साढ़े नौ बजे ड्रॉइंग रूम में पढ़ाई शुरू करेंगे। अपनी किताबें लेकर वहाँ वक़्त पर आ जाना।'

साढ़े नौ बजे चारों बच्चे ड्रॉइंग रूम में टेबल के चारों तरफ़ बैठ चुके थे और उनकी किताबें उनके सामने रखी थीं। एन के सामने पेंटिंग करने का सामान रखा था। बाक़ी लोगों ने उसे ईर्ष्या से देखा। एन कितनी ख़ुशक़िस्मत थी कि वह पेंटिंग करेगी, जबकि वे लोग लैटिन भाषा और गणित जैसे मुश्किल विषय पढ़ेंगे!

जब वे लोग टीचर के आने का इंतज़ार कर रहे थे, तो जूलियन ने धीरे से पूछा, 'टिमोथी कहाँ है?'

जॉर्ज ने तैश में आकर कहा, 'टेबल के नीचे। मुझे यक़ीन है कि वह यहाँ चुपचाप लेटा रहेगा। तुममें से कोई उसके बारे में कुछ मत कहना। मैं चाहती हूँ कि वह यहीं रहे। अगर टिम यहाँ नहीं होगा, तो मैं नहीं पढ़ूँगी।'

'उसके यहाँ रहने से किसी को क्या दिक्क़त हो सकती है?' डिक ने कहा। 'वह बहुत अच्छा कुत्ता है। श्श्श! मिस्टर रोलैंड आ रहे हैं।'

टीचर अंदर आ गए। उनके मुँह और ठुड्डी पर काली दाढ़ी थी। उनकी आँखें जाड़े की रोशनी में बहुत पैनी लग रही थीं। उन्होंने बच्चों से बैठने को कहा।

वे बोले, 'सबसे पहले तो मैं तुम्हारी स्कूल की कॉपियाँ देखूँगा, ताकि यह पता चले कि तुम लोगों ने पिछले टर्म में क्या किया है। सबसे पहले तुम आओ, जूलियन।'

जल्दी ही सभी बच्चे चुपचाप पढ़ रहे थे। एन लाल और नीले फूलों की चमकीली पेंटिंग बनाने में बहुत

व्यस्त थी। मिस्टर रोलैंड को उसकी बनाई हुई तस्वीर बहुत ज़्यादा पसंद आई। एन को टीचर बहुत अच्छे लगे।

तभी अचानक टेबल के नीचे से ज़ोरदार जम्हाई की आवाज़ आई। यह टिम की जम्हाई थी, जो इतनी देर तक चुपचाप पड़े-पड़े थक चुका था। मिस्टर रोलैंड ने हैरानी से ऊपर देखा। फ़ौरन जॉर्ज ने ज़ोर से जम्हाई ली। वह मिस्टर रोलैंड को चालाकी से यह जताना चाहती थी कि पहले वाली जम्हाई भी उसी की थी।

'तुम थक गई हो, जॉर्जिना,' मिस्टर रोलैंड बोले। 'ग्यारह बजे तुम लोगों को दस मिनट की छुट्‌टी मिलेगी।'

जॉर्ज की त्योरियाँ चढ़ गईं। उसे जॉर्जिना नाम से नफ़रत थी। उसने अपना पैर सावधानी से टिमोथी पर रखकर उसे चेतावनी दी कि वह अब आवाज़ न करे। टिम ने उसका पैर चाट लिया।

कुछ समय बाद जब क्लास बिलकुल ख़ामोश थी, तो टिम के मन में पीठ खुजाने की बड़ी इच्छा हुई। वह उठकर खड़ा हो गया। फिर वह धम्म की आवाज़ के साथ बैठा, हुंकार भरी और तेज़ी से अपनी पीठ खुजाने लगा। सभी बच्चे फ़ौरन शोर मचाकर टिम की आवाज़ों को दबाने की कोशिश करने लगे।

जॉर्ज फ़र्श पर अपने पैर पटकने लगी। जूलियन खाँसने लगा और उसने अपनी एक पुस्तक ज़मीन पर

गिरा दी। डिक ने टेबल खिसकाकर मिस्टर रोलैंड से कहा।

'सर, यह सवाल बहुत मुश्किल है। मैं इसे कर तो रहा हूँ, लेकिन यह *हो ही नहीं रहा है!*'

'अचानक इतना शोर क्यों होने लगा ?' मिस्टर रोलैंड ने हैरानी से पूछा। 'जॉर्जिना, अपने पैर फ़र्श पर मत पटको।'

टिम एक बार फिर चुपचाप बैठ गया। बच्चों ने राहत की साँस ली। वे सब शांत हो गए और मिस्टर रोलैंड ने डिक से कहा कि वह अपनी गणित की किताब लेकर उनके पास आ जाए।

टीचर ने किताब लेकर टेबल के नीचे अपने पैर लंबे किए, ताकि पीछे टिककर डिक से बातें कर सकें। उन्हें बड़ी हैरानी हुई जब उनके पैर किसी नर्म और गर्म चीज़ से टकराए - और फिर किसी ने उनके टखने पर ज़ोर से काट लिया! दर्द से चीख़ते हुए उन्होंने अपने पैर खींच लिए।

बच्चे उनकी तरफ़ देखने लगे। टीचर ने झुककर टेबल के नीचे देखा और ग़ुस्से से कहा, 'यह तो वही कुत्ता है। उस दरिंदे ने मेरा टखना काट लिया। उसने मेरे पैंट में छेद कर दिया है। उसे बाहर ले जाओ, जॉर्जिना।'

जॉर्जिना कुछ नहीं बोली। वह इस तरह बैठी रही,

जैसे उसने कुछ सुना ही न हो।

जूलियन ने मिस्टर रोलैंड को याद दिलाया, 'अगर आप उसे जॉर्जिना कहेंगे, तो वह जवाब नहीं देगी।'

'वह जवाब देगी, चाहे मैं उसे जो भी कहूँ,' मिस्टर रोलैंड ने धीमी और ग़ुस्से से भरी आवाज़ में कहा। 'मैं उस कुत्ते को यहाँ पर नहीं रहने दूँगा। जॉर्जिना, अगर तुम अपने कुत्ते को इसी समय बाहर नहीं ले जाती हो, तो मैं तुम्हारे डैडी के पास चला जाऊँगा।'

जॉर्ज ने मिस्टर रोलैंड की तरफ़ देखा। वह अच्छी तरह जानती थी कि अगर वह टिम को बाहर नहीं ले गई और मिस्टर रोलैंड ने उसके डैडी से उसकी शिकायत कर दी, तो वे टिमोथी को बगीचे वाले कुत्ताघर में रहने की सज़ा देंगे। यह तो बहुत बुरा होगा। कहना मानने के अलावा और कोई रास्ता नहीं था। उसका चेहरा ग़ुस्से से लाल हो गया और उसके माथे पर इतनी बड़ी त्योरी आ गई कि उसके कारण उसकी आँखें लगभग छिप गईं। वह उठकर खड़ी हुई और टिम से बोली।

'चलो टिम! मुझे हैरानी नहीं है कि तुमने उन्हें काट लिया। अगर मैं कुत्ता होती, तो मैं भी यही करती!'

मिस्टर रोलैंड ने ग़ुस्से से कहा, 'बदतमीज़ी करने की कोई ज़रूरत नहीं है, जॉर्जिना।'

बाक़ी बच्चे जॉर्ज को हैरानी से देखते रहे! वे सोच रहे थे कि मिस्टर रोलैंड से ऐसी बात बोलने की उसकी

हिम्मत कैसे हुई। ग़ुस्से में उसे किसी की परवाह नहीं रहती!

मिस्टर रोलैंड ने कहा, 'कुत्ते को बाहर छोड़कर जल्दी लौटना।'

जॉर्ज को ग़ुस्सा तो बहुत आ रहा था, लेकिन वह कुछ ही देर में लौट आई। वह बुरी तरह फँस चुकी थी। उसके डैडी की मिस्टर रोलैंड से दोस्ती थी और वे जानते थे कि जॉर्ज को सँभालना कितना मुश्किल है। अगर वह उतना बुरा व्यवहार करेगी, जितना कि वह करना चाहती है, तो टिम पर आफ़त आ जाएगी, क्योंकि निश्चित रूप से उसे घर से बाहर निकाल दिया जाएगा। इसलिए टिम की ख़ातिर जॉर्ज ने टीचर का कहना मान लिया। लेकिन उस पल से वह उनसे नफ़रत करने लगी।

बाक़ी बच्चे जॉर्ज और टिमोथी के लिए दुखी थे, लेकिन वे नए टीचर से नफ़रत नहीं करते थे। मिस्टर रोलैंड अक्सर उन्हें हँसाते रहते थे। वे उनकी ग़लतियों को धैर्य से सुधारते थे। वे उन्हें काग़ज़ के तीर और नाव बनाना भी सिखाते थे। इसके अलावा उन्होंने बच्चों को हाथ की सफ़ाई के कई करतब भी दिखाए। जूलियन और डिक को ये करतब बहुत मज़ेदार लगे। उन्होंने उन्हें याद कर लिया, ताकि स्कूल के दोस्तों को दिखा सकें।

उस सुबह की पढ़ाई के बाद बच्चे आधा घंटे तक

बाहर धूप में रहे। जॉर्ज ने टिम को भी बुला लिया।

उसने कहा, 'टिम! कितने दुख की बात है कि तुम्हें कमरे से निकाल दिया गया! तुमने मिस्टर रोलैंड को क्यों काटा? मुझे लगता है कि यह काम तो अच्छा था, टिम – लेकिन मैं सचमुच नहीं जानती कि तुमने ऐसा क्यों किया!'

'जॉर्ज, तुम मिस्टर रोलैंड के साथ पंगा मत लेना,' जूलियन ने कहा। 'इससे तुम मुश्किल में पड़ जाओगी। वे बहुत सख़्त हैं। वे किसी की भी बदतमीज़ी बर्दाश्त नहीं करेंगे। लेकिन मुझे लगता है कि नम्रता से पेश आने पर वे भी अच्छा व्यवहार करेंगे।'

'तुम उनके साथ नम्रता से पेश आओ,' जॉर्ज ने हँसी उड़ाने वाली आवाज़ में कहा। 'मैं ऐसा नहीं करूँगी। अगर कोई मुझे पसंद नहीं आता है, तो मैं नाटक नहीं कर सकती। और *मिस्टर रोलैंड* मुझे पसंद नहीं हैं।'

डिक ने पूछा, 'क्यों? सिर्फ़ इसलिए, क्योंकि वे टिम को पसंद नहीं करते?'

'सबसे बड़ा कारण तो यही है। लेकिन और कारण भी हैं, जिनकी वजह से मुझे कँपकँपी छूट जाती है,' जॉर्ज बोली। 'मुझे उनका बुरा चेहरा पसंद नहीं है।'

जूलियन बोला, 'लेकिन उनका चेहरा तो दिखता ही नहीं है। वह तो उनकी दाढ़ी-मूँछ से छिपा रहता है।'

'मैंने दाढ़ी-मूँछ के बीच से उनके होंठ देखे हैं,' जॉर्ज

ने कहा। 'उनके होंठ पतले हैं। तुम खुद देख लेना। मुझे पतले होंठ वाले लोग पसंद नहीं हैं। ऐसे लोग हमेशा द्वेष रखने वाले और बेरहम होते हैं। और मुझे उनकी भावहीन आँखें भी पसंद नहीं हैं। तुम चाहे उनकी कितनी ही चमचागिरी करो, पर *मैं* नहीं करूँगी।'

जूलियन उस ज़िद्दी लड़की पर ग़ुस्सा नहीं हुआ। वह हँसते हुए बोला, 'हम उनकी चमचागिरी नहीं कर रहे हैं। हम तो सिर्फ़ समझदारी से काम ले रहे हैं। और तुम्हें भी समझदारी से काम लेना चाहिए, जॉर्ज।'

लेकिन जब जॉर्ज किसी के बारे में कोई राय बना लेती थी, तो उसे कोई भी चीज़ नहीं बदल सकती थी। वह यह सुनकर खुश हुई कि वे दोपहर को बस से क्रिसमस की ख़रीदारी करने जाने वाले हैं और मिस्टर रोलैंड उनके साथ नहीं जाएँगे! दोपहर को उसके डैडी मिस्टर रोलैंड को एक प्रयोग दिखाने वाले थे।

फ़ैनी आंटी ने बच्चों से कहा, 'मैं तुम लोगों को पास वाले क़स्बे में ले चलती हूँ। वहाँ तुम जी भरकर ख़रीदारी कर लेना। फिर हम किसी रेस्टोरेंट में चाय पिएँगे और छह बजे वाली बस पकड़कर घर लौट आएँगे।'

यह मज़ेदार था। उन्होंने दोपहर की बस पकड़ी और देहाती सड़कों से होते हुए क़स्बे तक पहुँच गए। दुकानें बहुत रंगीन और आकर्षक दिख रही थीं। बच्चे अपने

साथ पैसे लाए थे और वे हर तरह का सामान ख़रीदने में बहुत व्यस्त थे। उन्हें बहुत से लोगों के लिए तोहफ़े ख़रीदने थे!

जूलियन बोला, 'मुझे लगता है कि हम मिस्टर रोलैंड के लिए भी कुछ ख़रीद लें, है ना?'

एन ने कहा, 'मैं तो ख़रीदूँगी।'

जॉर्ज ने व्यंग्य से कहा, 'ज़रा सोचो तो सही, मिस्टर *रोलैंड* के लिए तोहफ़ा!'

'उन्हें तोहफ़ा क्यों नहीं देना चाहिए, जॉर्ज?' उसकी मम्मी ने हैरानी से कहा। 'देखो जॉर्ज, मुझे उम्मीद है कि तुम उनके बारे में समझदारी से काम लोगी और उनसे चिढ़ोगी नहीं। मैं नहीं चाहती कि वे डैडी से तुम्हारी शिकायत करें।'

जूलियन ने जल्दी से विषय बदलते हुए कहा, 'जॉर्ज, तुम टिम के लिए क्या ख़रीद रही हो?'

जॉर्ज बोली, 'बाज़ार में मिलने वाली सबसे बड़ी हड्डी। और *तुम* उसके लिए क्या ख़रीद रहे हो?'

'मुझे लगता है कि अगर टिम के पास पैसे होते, तो वह हम सभी के लिए तोहफ़े ख़रीदता,' एन ने प्यार से टिम की गर्दन के मोटे बाल खींचते हुए कहा। 'वह दुनिया का सबसे अच्छा कुत्ता है!'

एन के मुँह से टिम की तारीफ़ सुनकर जॉर्ज ने उसे इस बात के लिए माफ़ कर दिया कि वह मिस्टर रोलैंड

के लिए तोहफ़ा ख़रीद रही थी! इससे वह दोबारा ख़ुश हो गई और यह योजना बनाने लगी कि वह किसके लिए क्या ख़रीदे!

उन्होंने अच्छी तरह चाय-नाश्ता किया और फिर छह बजे वाली बस पकड़ी। घर पहुँचकर फ़ैनी आंटी यह देखने गईं कि कुक ने दोनों आदमियों को चाय-नाश्ता दिया था या नहीं। वे स्टडी से मुस्कराती हुई लौटीं।

'मैंने पहले कभी तुम्हारे अंकल को इतना ख़ुश नहीं देखा,' उन्होंने जूलियन और डिक से कहा। 'वह और मिस्टर रोलैंड तो आग और पेट्रोल की तरह घुल-मिल गए हैं। तुम्हारे अंकल उन्हें अपने बहुत से प्रयोग दिखा रहे हैं। यह अच्छा रहा कि उन्हें बातें करने के लिए एक ऐसा आदमी मिल गया, जो उनके काम के बारे में थोड़ा-बहुत जानता है।'

उस शाम को मिस्टर रोलैंड ने बच्चों के साथ कई खेल खेले। टिम भी कमरे में था और टीचर ने दोबारा उससे दोस्ती करने की कोशिश की, लेकिन कुत्ते ने उनकी तरफ़ ध्यान नहीं दिया।

'यह भी अपनी मालकिन जितना ही नकचढ़ा है!' टीचर ने जॉर्ज की तरफ़ देखकर हँसते हुए कहा, जो इस बात पर ख़ुश हो रही थी कि टिम मिस्टर रोलैंड के पास नहीं जा रहा था। जॉर्ज ने टीचर की तरफ़ देखकर मुँह बनाया, लेकिन कुछ नहीं बोली।

उस रात को कपड़े बदलते समय जूलियन ने डिक से कहा, 'क्या कल हम मिस्टर रोलैंड से यह पूछ लें कि "वाया ओकल्टा" का मतलब "ख़ुफ़िया रास्ता" है या नहीं? मैं इसका मतलब जानने के लिए बड़ा बेताब हूँ। वैसे डिक, मिस्टर रोलैंड के बारे में तुम्हारी क्या राय है?'

डिक बोला, 'कुछ नहीं कहा जा सकता। मुझे उनकी बहुत सी चीज़ें अच्छी लगती हैं, लेकिन कई चीज़ें अच्छी नहीं लगती हैं। मुझे उनकी आँखें अच्छी नहीं लगतीं। और जॉर्ज ने उनके होंठों के बारे में सही कहा था। वे इतने पतले हैं कि दिखते ही नहीं हैं।'

'मुझे लगता है कि मिस्टर रोलैंड बिलकुल ठीक-ठाक हैं,' जूलियन ने कहा। 'बस इतनी सी बात है कि वे किसी की बेवकूफ़ी या बदतमीज़ी बर्दाश्त नहीं करते हैं। मैं उन्हें लिनेन का चिथड़ा दिखाकर उनसे इसका मतलब पूछना चाहता हूँ।'

डिक बोला, 'लेकिन तुमने तो कहा था कि हम इसे किसी को भी नहीं दिखाएँगे!'

'मैं जानता हूँ - लेकिन किसी चीज़ को छिपाने का क्या फ़ायदा, जब हमें ही उसका मतलब न मालूम हो?' जूलियन ने कहा। 'एक काम करते हैं - हम उनसे उस पर लिखे शब्दों का मतलब पूछ लेंगे, लेकिन उन्हें लिनेन का चिथड़ा नहीं दिखाएँगे।'

'लेकिन हम कुछ शब्द नहीं पढ़ सकते हैं,' डिक बोला। 'इसलिए इससे कोई फ़ायदा नहीं होगा। तुम्हें उन्हें लिनेन का चिथड़ा तो दिखाना ही पड़ेगा और फिर यह भी बताना पड़ेगा कि वह तुम्हें कहाँ से मिला है।'

जूलियन ने पलंग पर चढ़ते हुए कहा, 'मैं इस बारे में सोचता हूँ।'

अगले दिन उन्होंने फिर साढ़े नौ बजे से साढ़े बारह बजे तक पढ़ाई की। जॉर्ज टिम को बाहर छोड़कर आई थी। ऐसा करते समय उसे ग़ुस्सा आ रहा था, लेकिन टिम के बिना पढ़ने से इंकार करने का कोई फ़ायदा नहीं था। मिस्टर रोलैंड को काटकर टिम ने ग़लती कर दी थी और टीचर को पूरा अधिकार था कि वे उसे वहाँ से भगा दें। लेकिन जॉर्ज बहुत चिड़चिड़ी दिख रही थी।

लैटिन भाषा पढ़ते समय जूलियन को वह पूछने का मौक़ा मिल गया, जो वह जानना चाहता था। उसने पूछा, 'प्लीज़ मिस्टर रोलैंड, क्या आप मुझे बता सकते हैं कि "वाया ओकल्टा" का क्या मतलब होता है?'

'वाया ओकल्टा,' मिस्टर रोलैंड ने त्योरियाँ चढ़ाकर कहा। 'हाँ - इसका मतलब है "ख़ुफ़िया मार्ग" या "ख़ुफ़िया रास्ता।" छिपा हुआ रास्ता - इसी तरह की बात। लेकिन तुम यह क्यों जानना चाहते हो?'

सभी बच्चे उत्सुकता से सुन रहे थे। जवाब सुनते ही उनके दिल रोमांच से धड़कने लगे। तो जूलियन का

अंदाज़ा सही था। उस अजीब से चिथड़े में किसी गुप्त रास्ते को खोजने का तरीक़ा बताया गया था। ख़ुफ़िया रास्ता – लेकिन यह रास्ता कहाँ से शुरू होता है और कहाँ तक जाता है?

'ओह – मैं तो बस जानना चाहता हूँ,' जूलियन ने कहा। 'शुक्रिया, सर।'

उसने दूसरों की तरफ़ आँख मारी। सभी लोग रोमांचित थे। अगर वे बाक़ी निशानों का मतलब भी समझ लें, तो वे इस गुत्थी को सुलझा सकते हैं। शायद वह मिस्टर रोलैंड से एक-दो दिन में बाक़ी बातें भी पूछ लेगा। यह रहस्यमय गुत्थी किसी न किसी तरह सुलझ ही जाएगी।

जूलियन ने रेखागणित की एक समस्या को हल करते समय मन ही मन सोचा, 'ख़ुफ़िया रास्ता, ख़ुफ़िया रास्ता। मैं इसे खोजकर ही दम लूँगा।'

7

ख़ुफ़िया रास्ते के दिशानिर्देश

अगले एक-दो दिन तक चारों बच्चों को ख़ुफ़िया रास्ते के बारे में सोचने का ज़्यादा समय नहीं मिला, क्योंकि क्रिसमस का त्योहार क़रीब आ रहा था और उन्हें बहुत सी तैयारियाँ भी करनी थीं।

उन्हें अपने मम्मी-डैडी और दोस्तों के लिए क्रिसमस कार्ड बनाने थे और घर को सजाना भी था। शूलपर्णी की टहनियाँ लेने के लिए वे मिस्टर रोलैंड के साथ बाहर गए। फिर वे टहनियाँ कंधों पर लादकर घर लौटे।

जब वे बगीचे के रास्ते पर लाल फलों वाली शूलपर्णी उठाकर ला रहे थे, तो फ़ैनी आंटी बोलीं, 'तुम लोग ख़ुद क्रिसमस कार्ड जैसे दिख रहे हो!' मिस्टर रोलैंड को कुछ ऐसे पेड़ भी दिख गए थे, जिनकी ऊपरी शाखाओं पर गोल-गोल फलों के गुच्छे उग रहे थे। वे उन्हें भी ले आए। ये फल पीले-हरे मोतियों की तरह चमक रहे थे।

'इन्हें लाने के लिए मिस्टर रोलैंड को पेड़ पर चढ़ना पड़ा,' एन बोली। 'वे पेड़ पर बहुत अच्छी तरह चढ़ जाते हैं - बिलकुल बंदर की तरह।'

जॉर्ज को छोड़कर बाक़ी सभी हँस दिए। वह कभी

टीचर से संबंधित किसी बात पर नहीं हँसती थीं। उन सभी ने अपना बोझ दालान में रख दिया और हाथ-पैर धोने चले गए। उन्हें उस शाम को घर सजाना था।

एन ने पूछा, 'अंकल, क्या हम आपकी स्टडी को भी सजा दें?' स्टडी में बहुत सारे अजीब से यंत्र और काँच की परखनलियाँ रखी थीं और बच्चों ने उन्हें हैरानी से देखा। बच्चे वहाँ बहुत कम आते थे।

क्वेंटिन अंकल ने तत्काल कहा, 'नहीं, मेरी स्टडी में सजावट करने की ज़रूरत नहीं है। मैं इसके बारे में सुनना भी नहीं चाहता।'

'अंकल, आपकी स्टडी में ये अजीब सी चीज़ें क्यों हैं?' एन ने अपनी चौड़ी आँखों से चारों तरफ़ देखते हुए कहा।

वे हँसकर बोले, 'मैं एक ख़ुफ़िया फ़ॉर्मूला खोज रहा हूँ!'

एन ने पूछा, 'वह क्या है?'

'तुम नहीं समझोगी,' उसके अंकल बोले। 'जिन्हें तुम अजीब सी चीज़ें कहती हो, उनसे मुझे प्रयोगों में मदद मिलती है और मैं उनके परिणाम अपनी कॉपी में लिख लेता हूँ। इससे एक ऐसा ख़ुफ़िया फ़ॉर्मूला तैयार होगा, जो बड़े काम का होगा।'

'आप ख़ुफ़िया फ़ॉर्मूला जानना चाहते हैं और हम ख़ुफ़िया रास्ता जानना चाहते हैं,' एन बोली। वह बिलकुल

भूल गई थी कि उसे इस बारे में कोई बात नहीं करनी थी।

जूलियन दरवाज़े के पास ही खड़ा था। उसने एन को घूरकर देखा। क़िस्मत से क्वेंटिन अंकल एन की बकबक पर ज़्यादा ध्यान नहीं दे रहे थे। जूलियन ने एन को कमरे से बाहर खींचा।

उसने कहा, 'एन, तुम्हारे पेट में तो कोई बात ठहरती ही नहीं है। तुम्हारा मुँह बंद करने का एकमात्र तरीक़ा यह है कि तुम्हारा मुँह सिल दिया जाए, जैसा कहानी में ख़रगोश कुत्ते के साथ करना चाहता था!'

किचन में खाना बनाने वाली जोआना क्रिसमस के केक बनाने में व्यस्त थी। किरिन फ़ार्म से एक बहुत बड़ी मुर्गी आई थी और भंडार में लटक रही थी। टिमोथी को उसकी ख़ुशबू बहुत प्यारी लग रही थी, इसलिए वह उसे सूँघने के लिए बार-बार किचन में चला जाता था और जोआना को उसे वहाँ से भगाना पड़ता था।

ड्रॉइंग रूम की टेबल पर पटाख़ों के डिब्बे रखे थे और हर तरफ़ रहस्यमय पार्सल नज़र आ रहे थे। क्रिसमस का माहौल पूरे शबाब पर था! बच्चे ख़ुश और रोमांचित थे।

मिस्टर रोलैंड बाहर गए और देवदारु का एक छोटा पेड़ उखाड़ लाए। उन्होंने कहा, 'हमें क्रिसमस ट्री भी बनाना चाहिए। बच्चो, क्या तुम्हारे पास इसे सजाने का

सामान है ?'

'नहीं,' जूलियन ने जॉर्ज को सिर हिलाते हुए देखकर कहा।

टीचर ने वादा किया, 'मैं आज दोपहर को क़स्बे से इसे सजाने का सामान ले आऊँगा। पेड़ को सजाने में बड़ा मज़ा आएगा। हम इसे हॉल में रख देंगे और क्रिसमस के दिन चाय-नाश्ते के बाद इसकी मोमबत्तियाँ जला देंगे। मोमबत्तियाँ और सजाने का सामान लेने मेरे साथ कौन चलेगा ?'

'मैं!' तीनों बच्चे चिल्लाए। लेकिन चौथी लड़की कुछ नहीं बोली। ज़िद्दी जॉर्ज क्रिसमस ट्री को सजाने का सामान ख़रीदने के लिए भी मिस्टर रोलैंड के साथ जाने को तैयार नहीं थी। उसके घर पर पहले कभी क्रिसमस ट्री नहीं बना था और वह इसके लिए बहुत उतावली थी - लेकिन उसका मज़ा इस बात से ख़राब हो गया क्योंकि मिस्टर रोलैंड उसे सजा रहे थे।

अब क्रिसमस ट्री हॉल में खड़ा था। उसकी शाखाओं पर रंगीन मोमबत्तियाँ बाँध दी गई थीं। क्रिसमस ट्री पर ऊपर से नीचे तक सजावटी सामान लग चुका था। चाँदी जैसे सफ़ेद धागे शाखाओं से बर्फ़ीले तारों की तरह लटक रहे थे। एन ने यहाँ-वहाँ कपास के सफ़ेद टुकड़े भी रख दिए थे, ताकि वे बर्फ़ जैसे लगें। क्रिसमस ट्री वाक़ई बहुत सुंदर दिख रहा था।

'सुंदर!' क्वेंटिन अंकल हॉल से गुज़रते समय बोले, जब मिस्टर रोलैंड क्रिसमस ट्री पर आख़िरी सजावटी सामान लगा रहे थे। 'अरे वाह – सबसे ऊपर परी गुड़िया है! किसके लिए? सबसे अच्छी लड़की के लिए?'

एन मन ही मन चाहती थी कि मिस्टर रोलैंड गुड़िया उसे दें। उसे यक़ीन था कि वे इसे जॉर्ज को तो नहीं ही देंगे – और जॉर्ज इसे लेगी भी नहीं। यह बहुत सुंदर गुड़िया थी ... जालीदार फ़्रॉक और सफ़ेद पंख वाली।

जूलियन, डिक और एन अब टीचर को काफ़ी हद तक अपना दोस्त मानने लगे थे। दरअसल, उनके अंकल-आंटी और जोआना की भी यही राय थी। सिर्फ़ जॉर्ज ही इसका अपवाद थी। वह और टिमोथी मिस्टर रोलैंड से दूर रहते थे। टीचर के कमरे में रहने से वे दोनों ही चिढ़ जाते थे।

'मैं पहले कभी नहीं जानता था कि कोई कुत्ता इतना चिड़चिड़ा दिख सकता है!' जूलियन ने टिमोथी को देखकर कहा। 'सचमुच, वह भी जॉर्ज की तरह नकचढ़ा है।'

एन हँसते हुए बोली, 'और जब मिस्टर रोलैंड कमरे में होते हैं, तो मुझे लगता है कि जॉर्ज भी टिम की तरह अपनी पूँछ नीचे कर लेती है।'

'तुम सब लोग मेरी ख़ूब हँसी उड़ा लो,' जॉर्ज धीमी आवाज़ में बोली। 'तुम लोग मेरे साथ बहुत बुरा व्यवहार

कर रहे हो। मैं जानती हूँ कि मिस्टर रोलैंड के बारे में मेरा सोचना सही है। मुझे उनके बारे में अंदर से कुछ लग रहा है। और टिम को भी ऐसा ही लग रहा है।'

'बेवक़ूफ़ी की बातें मत करो, जॉर्ज,' डिक बोला। '*दरअसल* तुम्हें अंदर से कुछ नहीं लग रहा है। बात इतनी सी है कि मिस्टर रोलैंड तुम्हें जॉर्जिना कहकर बुलाते हैं और तुम्हें अनुशासन में रखते हैं और टिम को पसंद नहीं करते हैं। मैं तो यही कहूँगा कि अगर वे कुत्तों को पसंद नहीं करते हैं, तो इसमें उनका कोई दोष नहीं है। कभी लॉर्ड रॉबर्ट्स नाम का एक मशहूर आदमी था, जो बिल्लियों को सहन नहीं कर पाता था।'

'बिल्लियों की बात अलग है,' जॉर्ज बोली। 'लेकिन अगर कोई कुत्तों को पसंद नहीं करता, ख़ास तौर पर टिमोथी जैसे कुत्ते को, तो उसमें कोई न कोई गड़बड़ ज़रूर होगी।'

'जॉर्ज के साथ बहस करने से कोई फ़ायदा नहीं है,' जूलियन बोला। 'जब वह किसी चीज़ के बारे में कुछ सोच लेती है, तो फिर टस से मस नहीं होती है!'

जॉर्ज तेज़ी से कमरे से बाहर चली गई। बाक़ी लोगों ने सोचा कि वह मूर्खता कर रही है।

'मैं बहुत हैरान हूँ,' एन बोली। 'स्कूल में वह बहुत ख़ुशमिज़ाज थी। लेकिन अब वह फिर से उतनी ही चिड़चिड़ी हो गई है, जितनी पिछली गर्मियों में थी।'

'मुझे लगता है कि मिस्टर रोलैंड ने क्रिसमस ट्री और बाक़ी चीज़ों को सजाने में काफ़ी मेहनत की है,' डिक बोला। 'कई बार वे मुझे अच्छे नहीं लगते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वे बहुत बुरे भी नहीं हैं। चलो उनसे पूछते हैं कि क्या वे लिनेन के चिथड़े में लिखे हुए शब्दों को पढ़ सकते हैं। उन्हें रहस्य बताने में मुझे तो कोई दिक्क़त नहीं होगी।'

'मैं दिल से उन्हें यह रहस्य बताना *चाहती* हूँ,' एन ने कहा, जो टीचर के लिए एक शानदार क्रिसमस कार्ड बना रही थी। 'वे बहुत समझदार हैं। मुझे विश्वास है कि वे हमें ख़ुफ़िया रास्ते के बारे में सब कुछ बता सकते हैं। उनसे पूछकर तो देखो।'

'ठीक है,' जूलियन ने कहा। 'मैं उन्हें लिनेन का चिथड़ा दिखा देता हूँ। कल क्रिसमस है। आज वे हमारे साथ ड्रॉइंग रूम में ही रहेंगे, क्योंकि फ़ैनी आंटी क्वेंटिन अंकल के साथ स्टडी में हम सबके लिए तोहफ़े पैक करने वाली हैं!'

उस शाम को मिस्टर रोलैंड के आने से पहले जूलियन ने लिनेन का चिथड़ा बाहर निकाल लिया और उसे टेबल पर खोलकर रख दिया। जॉर्ज ने उसकी तरफ़ हैरानी से देखा।

उसने कहा, 'मिस्टर रोलैंड यहाँ एक मिनट में आने वाले हैं। तुम इसे जल्दी से अंदर रख लो।'

जूलियन बोला, 'हम उनसे पूछने वाले हैं कि क्या वे हमें इस पर लिखे लैटिन शब्दों का मतलब बता सकते हैं।'

'ऐसा मत करना!' जॉर्ज ने निराशा से कहा। 'उन्हें हमारा रहस्य बताओगे! तुम ऐसा कैसे कर सकते हो?'

'देखो, हम यह जानना चाहते हैं कि आख़िर इसका रहस्य है क्या?' जूलियन ने कहा। 'हम उन्हें यह नहीं बताएँगे कि हमें यह कहाँ से मिला। हम उन्हें और कुछ नहीं बताएँगे – सिर्फ़ इतना बताएँगे कि हम इन निशानों का मतलब जानना चाहते हैं। हम उन्हें अपना रहस्य नहीं बता रहे हैं – हम तो सिर्फ़ अपनी गुत्थी को सुलझाने के लिए उनके ज्ञान का फ़ायदा उठाना चाहते हैं।'

'मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि तुम *उनसे* पूछोगे,' जॉर्ज बोली। 'और तुम देख लेना, वे इसके बारे में सब कुछ जानना चाहेंगे! वे बहुत ज़्यादा जासूसी करते हैं।'

'तुम्हारा क्या मतलब है?' जूलियन ने हैरानी से कहा। 'वे कैसी जासूसी करते हैं?'

जॉर्ज बोली, 'मैंने कल उन्हें डैडी की स्टडी में ताक-झाँक करते देखा था। तब वहाँ कोई भी नहीं था। मैं टिम के साथ खिड़की के बाहर खड़ी थी, इसलिए वे मुझे नहीं देख पाए। वे दरअसल चारों तरफ़ कुछ ढूँढ़ रहे थे।'

जूलियन ने कहा, 'तुम तो जानती ही हो कि तुम्हारे

डैडी के काम में उनकी कितनी दिलचस्पी है। अगर वे उनके काम को देखते भी हैं, तो इसमें परेशानी क्या है? तुम्हारे डैडी भी तो उन्हें पसंद करते हैं। तुम तो सिर्फ़ मिस्टर रोलैंड की बुराई करना चाहती हो।'

'तुम दोनों चुप हो जाओ,' डिक बोला। 'आज क्रिसमस के पहले की शाम है। बहस या लड़ाई मत करो और चुभने वाली बातें मत कहो।'

उसी समय टीचर कमरे में आ गए। 'मधुमक्खियों की तरह व्यस्त हो?' उन्होंने मुस्कराते हुए पूछा। 'मुझे लगता है कि इस समय तुम इतने व्यस्त तो नहीं होगे कि ताश की बाज़ी भी नहीं खेलना चाहो?'

'मिस्टर रोलैंड, सर,' जूलियन ने कहा, 'क्या आप हमारी मदद कर सकते हैं? हमें लिनेन का एक पुराना चिथड़ा मिला है, जिस पर अजीब से निशान हैं। इस पर लैटिन भाषा में कुछ लिखा है, जिसे हम समझ नहीं पा रहे हैं।'

जब जॉर्ज ने देखा कि जूलियन लिनेन का चिथड़ा टीचर की तरफ़ बढ़ा रहा है, तो उसने ग़ुस्से से आह भरी। फिर वह धड़धड़ाती हुई कमरे से बाहर चली गई और जाते-जाते उसने दरवाज़ा धड़ाम से बंद कर दिया। टिम भी उसके साथ बाहर चला गया।

'हमारी अच्छे स्वभाव वाली जॉर्जिना आज बहुत दोस्ताना मूड में नहीं है,' मिस्टर रोलैंड ने लिनेन का

चिथड़ा अपनी तरफ़ खींचते हुए कहा। 'तुम्हें यह मिला कहाँ? कितनी अजीब चीज़ है!'

किसी ने जवाब नहीं दिया। मिस्टर रोलैंड ने उसे ग़ौर से देखा और फिर कहा, 'आह – अब मुझे पता चला कि तुम उस दिन इन लैटिन शब्दों का मतलब क्यों पूछ रहे थे, जिनका मतलब था "छिपा हुआ रास्ता।" ये शब्द इस लिनेन के चिथड़े के सबसे ऊपर लिखे हैं।'

'हाँ,' डिक बोला। सभी बच्चे मिस्टर रोलैंड के क़रीब आ गए। उन्हें उम्मीद थी कि वे उनके सामने रहस्य खोल देंगे।

जूलियन बोला, 'हम सिर्फ़ शब्दों का मतलब जानना चाहते हैं, सर।'

'यह सचमुच बहुत रोचक है,' टीचर ने उस चिथड़े को घूरते हुए कहा। 'लगता है, इसमें ख़ुफ़िया रास्ते तक पहुँचने का तरीक़ा बताया गया है।'

'हमने भी यही सोचा था!' जूलियन ने रोमांचित होकर कहा। 'हमने भी बिलकुल यही सोचा था। सर, कृपया इस पर लिखे निर्देश पढ़कर देखें कि उनका मतलब क्या है!'

'देखो, मुझे लगता है, इन आठ चौखानों का मतलब लकड़ी के पटिये होना चाहिए,' टीचर ने चिथड़े पर खींचे गए आठ चौखानों की तरफ़ इशारा करते हुए कहा। 'एक मिनट ठहरो – कुछ शब्द पढ़ने में मुश्किल हो रही

है। यह बहुत ही बढ़िया है। सोलम लैपिडियम – पेरीज़ लिग्नियस – और यह क्या है? – सेल्युला – हाँ, सेल्युला!'

बच्चे उनके शब्दों को दिल में उतारते रहे। 'लकड़ी के पटिये।' इसका मतलब था किरिन फ़ार्महाउस के पटिये।

मिस्टर रोलैंड ने उन शब्दों को घूरकर देखा। फिर उन्होंने एन से कहा कि वह जाकर अपने अंकल से आवर्धक लेंस ले आए। जब वह लेंस ले आई, तो चारों ने लेंस से देखा। लेंस से शब्द तीन गुना बड़े दिख रहे थे।

टीचर ने आख़िरकार कहा, 'जहाँ तक मैं समझ सकता हूँ, इसमें यह बताया गया है : एक कमरा, जो पूर्वमुखी हो। आठ लकड़ी के पटिये, जिनमें से उस पटिये के पास दरवाज़ा होगा, जिस पर निशान लगा है। एक पत्थर का फ़र्श – हाँ, मुझे लगता है कि यह सही है, एक पत्थर का फ़र्श और एक अलमारी। यह बहुत असाधारण और रोमांचक लगता है। तुम्हें यह कहाँ से मिला?'

'बस यूँ ही मिल गया,' जूलियन ने थोड़ा रुकने के बाद कहा। 'ओह मिस्टर रोलैंड, बहुत-बहुत शुक्रिया। हम इसे ख़ुद नहीं समझ सकते थे। मुझे लगता है कि ख़ुफ़िया रास्ते का दरवाज़ा पूर्वमुखी कमरे में है।'

'लगता तो यही है,' मिस्टर रोलैंड ने उस रहस्यमय

लिनेन के चिथड़े पर फिर से झुकते हुए कहा। 'तुमने कहाँ बताया कि तुम्हें यह कहाँ मिला?'

'हमने बताया ही नहीं,' डिक बोला। 'दरअसल यह एक राज़ है।'

'मुझे लगता है तुम मुझे बता सकते हो,' टीचर ने डिक को अपनी चमकती नीली आँखों से देखते हुए कहा। 'तुम मुझ पर इतना भरोसा कर सकते हो कि अपने राज़ मुझे बता दो। तुम्हें पता भी नहीं होगा कि मैं कितने सारे अजीब राज़ जानता हूँ।'

जूलियन ने कहा, 'मिस्टर रोलैंड, चलिए हम आपको बता ही देते हैं कि हमें यह कहाँ मिला। हमें यह किरिन फ़ार्महाउस में एक पुरानी तंबाकू की थैली के अंदर मिला था। मुझे लगता है कि ख़ुफ़िया रास्ता वहीं कहीं से शुरू होता होगा! क्या पता यह कहाँ से शुरू होता होगा और कहाँ तक जाता होगा?'

'तुम्हें यह किरिन फ़ार्महाउस में मिला!' मिस्टर रोलैंड ने आश्चर्य से कहा। 'बड़ी दिलचस्प जगह लगती है। मुझे वहाँ किसी न किसी दिन जाना ही पड़ेगा।'

जूलियन ने लिनेन का चिथड़ा उठाकर अपनी जेब में रख लिया। उसने कहा, 'शुक्रिया सर। आपने हमारी एक गुत्थी तो सुलझा दी, लेकिन दूसरी गुत्थी सामने रख दी! क्रिसमस के बाद हम किरिन फ़ार्महाउस जाकर ख़ुफ़िया रास्ते के दरवाज़े की खोज करेंगे।'

'मैं भी तुम्हारे साथ चलूँगा,' मिस्टर रोलैंड ने कहा। 'मैं तुम्हारी थोड़ी मदद कर सकता हूँ। बशर्ते तुम्हें इस रोमांचक रहस्य में मेरे शामिल होने से दिक्क़त न हो।'

'देखिए, आपने हमें इन शब्दों का मतलब बताया है,' जूलियन ने कहा। 'अगर आप हमारे साथ वहाँ चलना चाहें, तो आप ज़रूर चल सकते हैं, सर।'

'हाँ, हम दिल से *चाहते हैं* कि आप चलें,' एन बोली।

'तो हम सभी जाकर ख़ुफ़िया रास्ते की तलाश करेंगे,' मिस्टर रोलैंड बोले। 'हमें कितना मज़ा आएगा, जब हम पटिये ठोकेंगे और ख़ुफ़िया दरवाज़े के खुलने का इंतज़ार करेंगे!'

'मुझे नहीं लगता कि जॉर्ज हमारे साथ जाएगी,' डिक ने जूलियन से बुदबुदाकर कहा। 'तुम्हें मिस्टर रोलैंड को साथ चलने के लिए नहीं कहना चाहिए था। इसका मतलब है कि जॉर्ज एक बार फिर अलग-थलग रह जाएगी। तुम तो जानते ही हो कि इससे वह कितनी चिढ़ जाती है!'

'मैं जानता हूँ,' जूलियन ने थोड़ा परेशान होते हुए कहा। 'हम अभी से इस बारे में चिंता क्यों करें? हो सकता है, क्रिसमस के बाद जॉर्ज का मूड बदल जाए। वह इस तरह का व्यवहार हमेशा तो नहीं कर सकती!'

8

क्रिसमस की रात को क्या हुआ?

क्रिसमस की सुबह बहुत मज़ेदार थी। बच्चे तोहफ़ों को देखने के लिए जल्दी उठ गए। उनके तोहफ़े पास की कुर्सियों पर ही रखे थे। हर तरफ़ ख़ुशी की किलकारियाँ सुनाई देने लगीं।

'ओह! खिलौने वाला रेलवे स्टेशन! मैं यही तो चाहता था! मुझे इतना शानदार स्टेशन किसने दिया?'

'नई गुड़िया - जिसकी आँखें इतनी बंद हैं! मैं इसे बेट्सी-मे कहूँगी। यह बिलकुल वैसी ही दिखती है!

'हवाई जहाज़ों के बारे में कितनी बढ़िया किताब है! फ़ैनी आंटी ने दी है! कितना अच्छा तोहफ़ा है!'

'टिमोथी! देखो जूलियन ने तुम्हें क्या दिया है - पीतल के बड़े बटन वाला पट्टा - इसे पहनकर तुम बहुत गज़ब के दिखोगे। जाओ, उसे चाटकर धन्यवाद दो!'

'यह किसने दिया है? नाम की पर्ची कहाँ है? ओह - मिस्टर रोलैंड ने। उन्होंने कितना बढ़िया तोहफ़ा दिया है! देखो जूलियन, तीन ब्लेड वाला छोटा चाकू!'

इसी तरह की आवाज़ें आती रहीं और चारों रोमांचित बच्चों ने एक घंटे तक तोहफ़े खोलने और देखने का

आनंद लिया। फिर वे क्रिसमस पर बने पकवानों का मज़ा लेने के लिए चल दिए। तोहफ़े खुलने के बाद बच्चों के बेडरूम बहुत ख़राब हालत में दिख रहे थे!

'तुम्हें कुत्तों के बारे में वह किताब किसने दी, जॉर्ज?' जूलियन ने जॉर्ज के तोहफ़ों में कुत्तों की एक बढ़िया पुस्तक देखकर पूछा।

'मिस्टर रोलैंड ने,' जॉर्ज ने रूखेपन से कहा। जूलियन ने सोचा कि क्या जॉर्ज किताब अपने पास रखेगी! उसे लग रहा था कि वह नहीं रखेगी। लेकिन जूलियन का अंदाज़ा ग़लत था। हालाँकि जॉर्ज ग़ुस्सैल और ज़िद्दी थी, लेकिन उसने यह सोचा कि वह नाक चढ़ाकर क्रिसमस के माहौल को ख़राब नहीं करेगी। इसलिए जब बाक़ी लोग टीचर को उनके दिए तोहफ़ों के लिए धन्यवाद देने गए, तो उसने भी थोड़ी सपाट आवाज़ में उन्हें धन्यवाद दे दिया।

जॉर्ज ने टीचर को कोई तोहफ़ा नहीं दिया था, लेकिन बाक़ी बच्चों ने दिए थे। मिस्टर रोलैंड ने उन्हें धन्यवाद दिया। वे आज बहुत ख़ुश नज़र आ रहे थे। उन्होंने एन को बताया कि उसने उन्हें जो क्रिसमस कार्ड दिया है, उससे अच्छा क्रिसमस कार्ड उन्हें आज तक नहीं मिला। यह सुनकर एन का चेहरा ख़ुशी से चमकने लगा।

'क्रिसमस पर यहाँ रहना अच्छा लग रहा है!' मिस्टर रोलैंड ने कहा, जब वे सबके साथ डाइनिंग टेबल के

चारों तरफ़ बैठे। 'क्या मैं केक काट दूँ, सर? मैं केक के टुकड़े बहुत अच्छी तरह से काट सकता हूँ!'

क्वेंटिन अंकल ने उन्हें ख़ुशी से केक काटने वाला चाकू और काँटा दे दिया। उन्होंने गर्मजोशी से कहा, 'आपका यहाँ रहना अच्छा लग रहा है। आप यहाँ अच्छी तरह से घुल-मिल गए हैं। हम सभी को ऐसा लगता है, जैसे हम आपको बरसों से जानते हों!'

क्रिसमस का दिन सचमुच सुखद था। ज़ाहिर है, उस दिन पढ़ाई नहीं हुई और अगले दिन भी नहीं होनी थी। बच्चों ने बहुत जमकर खाना खाया और मिठाइयाँ भी खाईं। वे क्रिसमस ट्री की रोशनी देखने के लिए बेताब थे।

जलने पर मोमबत्तियाँ बहुत सुंदर दिख रही थीं। वे हॉल के अँधेरे में टिमटिमाने लगीं और उनकी रोशनी में सजावटी सामान चमकने लगा। टिम भी मंत्रमुग्ध होकर एकटक देखता रहा।

जॉर्ज बोली, 'हमारी तरह उसे भी यह अच्छा लग रहा है।' और सचमुच टिम ने भी उन्हीं की तरह त्योहार का पूरा लुत्फ़ उठाया।

जब वे अपने-अपने पलंग पर सोने के लिए गए, तो वे बुरी तरह थक चुके थे। एन ने उबासी लेते हुए कहा, 'मैं जल्दी ही सो जाऊँगी। ओह जॉर्ज, कितना मज़ा आया, है ना? मुझे क्रिसमस ट्री अच्छा लगा।'

'हाँ, बहुत प्यारा था,' जॉर्ज ने पलंग पर चढ़ते हुए कहा। 'लो, मम्मी गुड नाइट कहने आ गईं। बास्केट में जाओ, टिम, बास्केट में!'

टिम कूदकर खिड़की के पास रखी बास्केट में पहुँच गया। जब भी जॉर्ज की मम्मी लड़कियों से गुड नाइट कहने आती थीं, तो वह हमेशा बास्केट में पहुँच जाता था, लेकिन उनके नीचे जाते ही कुत्ता तेज़ी से उछलकर जॉर्ज के पलंग पर आ जाता था। वह उसके पैरों के पास ही सोता था।

जॉर्ज की मम्मी ने कहा, 'जॉर्ज, तुम्हें नहीं लगता कि टिम को आज नीचे ही सोना चाहिए? जोआना कहती है कि उसने किचन में इतना ज़्यादा खाया है कि वह बीमार हो सकता है।'

'ओह *नहीं*, मम्मी!' जॉर्ज फ़ौरन बोली। 'टिम क्रिसमस जैसे बड़े त्योहार की रात को नीचे सोएगा? वह भला क्या सोचेगा?'

'ठीक है,' उसकी मम्मी ने हँसते हुए कहा। 'मुझे पता होना चाहिए था कि यह सुझाव देना बेकार है। एन और जॉर्ज, अब जल्दी से सो जाओ - देर हो चुकी है और तुम सभी थक चुके हो।'

वे लड़कों के कमरे में गईं और उनसे भी गुड नाइट की। वे लगभग सो चुके थे।

दो घंटे बाद सभी लोग बिस्तर में सो रहे थे। घर शांत

और अँधेरे में डूबा था। जॉर्ज और एन शांति से अपने छोटे पलंगों पर सो रही थीं और टिमोथी भी जॉर्ज के पैरों पर सिर रखकर सो रहा था।

अचानक जॉर्ज चौंककर जाग गई। टिम धीरे-धीरे गुर्रा रहा था! उसने अपना बड़ा झबरीले बालों वाला सिर उठा रखा था और जॉर्ज जानती थी कि वह कुछ सुन रहा है।

उसने धीरे से पूछा, 'क्या हुआ, टिम?' एन की नींद नहीं खुली। टिम धीरे-धीरे गुर्राता रहा। जॉर्ज उठकर बैठ गई और उसने टिम की गुर्राहट को रोकने के लिए अपना हाथ उसके पट्टे पर रख दिया। वह जानती थी कि अगर टिम के गुर्राने से उसके डैडी जाग गए, तो वे नाराज़ हो जाएँगे।

अब जॉर्ज जाग गई थी, इसलिए टिमोथी ने गुर्राना बंद कर दिया। जॉर्ज बैठकर सोचती रही कि क्या करे! एन को जगाने से कोई फ़ायदा नहीं था। वह घबरा जाएगी। टिम क्यों गुर्रा रहा था? रात को तो वह कभी नहीं गुर्राता था!

जॉर्ज ने सोचा, 'शायद अच्छा यही रहेगा कि मैं नीचे जाकर देख लूँ कि सब कुछ ठीक-ठाक तो है।' वह निडर थी और अँधेरे में जाने के विचार से उसे कोई परेशानी नहीं हुई। इसके अलावा उसके साथ टिम था! टिम साथ हो, तो डर की क्या बात है!

उसने अपना ड्रेसिंग गाउन पहन लिया और सीढ़ियों से नीचे उतरते समय उसने सोचा, 'शायद अँगीठी में से कोई लकड़ी गिर गई होगी और क़ालीन ने आग पकड़ ली होगी। टिम को उसकी गंध आ गई होगी और वह हमें चेतावनी दे रहा होगा!'

उसने टिम के सिर पर अपना हाथ रखकर उसे ख़ामोश रहने की चेतावनी दी। फिर वह धीरे-धीरे हॉल से होती हुई ड्रॉइंग रूम की तरफ़ बढ़ने लगी। वहाँ की आग बुझ चुकी थी, बस एक लाल चिंगारी दिख रही थी। किचन में भी सब कुछ शांत था। टिम के पैरों ने वहाँ आवाज़ की, क्योंकि उसके पंजे सख़्त फ़र्श से टकरा रहे थे।

मकान की दूसरी तरफ़ से एक धीमी आवाज़ आई।

टिम थोड़ी तेज़ी से गुर्राया और उसकी गर्दन के बाल खड़े हो गए। जॉर्ज शांत खड़ी रही। कहीं कोई चोर तो नहीं घुस आया?

अचानक टिमोथी ने ख़ुद को उसकी पकड़ से आज़ाद कर लिया। वह भागते हुए हॉल के पार गया और फिर एक गलियारे से होता हुआ स्टडी में पहुँच गया! हैरानी भरी चीख़ सुनाई दी और किसी के गिरने की आवाज़ आई।

'कोई चोर है!' जॉर्ज ने स्टडी की तरफ़ भागते हुए कहा। उसे फ़र्श पर एक जलती टॉर्च पड़ी दिखी, जो उस

आदमी के हाथ से गिर गई थी, जो इस समय टिम से जूझ रहा था।

जॉर्ज ने लाइट जला दी। उसे जो दिखा, उससे उसके होश उड़ गए। मिस्टर रोलैंड अपने ड्रेसिंग गाउन में फ़र्श पर पड़े थे और टिमोथी से दूर हटने की कोशिश कर रहे थे, जो उन्हें काट तो नहीं रहा था, लेकिन उनके गाउन को कसकर पकड़े था।

'ओह – तुम हो, जॉर्जिना! अपने ख़तरनाक़ कुत्ते को अपने पास बुला लो!' मिस्टर रोलैंड ने धीमी और ग़ुस्से भरी आवाज़ में कहा। 'क्या तुम पूरे घर को जगाना चाहती हो?'

जॉर्ज ने पूछा, 'आप टॉर्च लेकर चोरी से क्यों घूम रहे हैं?'

'मैंने नीचे कोई आवाज़ सुनी थी और मैं देखने आ गया कि आख़िर बात क्या है,' मिस्टर रोलैंड ने बैठकर ग़ुस्सैल कुत्ते को दूर हटाने की कोशिश की। 'अपने कुत्ते को दूर हटा लो।'

'तो फिर आपने लाइट क्यों नहीं जलाई?' जॉर्ज ने टिम को दूर हटाने की बात अनसुनी करते हुए पूछा। उसे यह देखकर मज़ा आ रहा था कि मिस्टर रोलैंड इतने नाराज़ और डरे हुए थे।

'मुझे लाइट का स्विच ही नहीं मिला,' टीचर ने कहा। 'जैसा तुम देख सकती हो, यह ग़लत दिशा में लगा है।'

यह सच था। अगर पहले से पता न हो, तो स्विच को खोजना मुश्किल था। मिस्टर रोलैंड ने टिम को दोबारा दूर धकाने की कोशिश की, लेकिन कुत्ता अचानक भौंकने लगा।

'देखो, वह सबको जगा देगा!' टीचर ने ग़ुस्से से कहा। 'मैं पूरे घर को नहीं जगाना चाहता था। मैंने सोचा कि मैं ख़ुद ही चलकर देखूँ कि कहीं कोई दुर्घटना तो नहीं हो गई – कहीं कोई चोर तो नहीं घुस आया है। लो तुम्हारे डैडी आ गए!'

जॉर्ज के डैडी हाथ में एक बड़ा डंडा लेकर वहाँ आ गए थे। उन्हें यह देखकर हैरानी हुई कि मिस्टर रोलैंड ज़मीन पर पड़े हैं और टिमोथी उनके पास खड़ा है।

उन्होंने पूछा, 'यह सब क्या है?' मिस्टर रोलैंड ने उठने की कोशिश की, लेकिन टिम ने उन्हें उठने नहीं दिया। जॉर्ज के डैडी ने कहा।

'टिम! यहाँ आओ!'

टिमोथी ने जॉर्ज की तरफ़ देखा कि क्या उसकी मालकिन अपने डैडी के आदेश से सहमत थी। जॉर्ज ने कुछ नहीं कहा, इसलिए टिमोथी ने उसके डैडी के आदेश पर ध्यान नहीं दिया और मिस्टर रोलैंड के टखने पर ग़ुस्से से मुँह मारा।

'यह कुत्ता पागल है!' मिस्टर रोलैंड ने फ़र्श पर पड़े-पड़े कहा। 'वह मुझे एक बार पहले भी काट चुका

है और अब वह मुझे दोबारा काटने की कोशिश कर रहा है!'

'टिम! यहाँ आ जाओ!' जॉर्ज के डैडी चिल्लाए। 'जॉर्ज, तुम्हारा कुत्ता तो कहना ही नहीं सुनता है! उसे वहाँ से फ़ौरन हटाओ।'

जॉर्ज धीरे से बोली, 'यहाँ आओ, टिम!' कुत्ता फ़ौरन उसके पास जाकर खड़ा हो गया। उसकी गर्दन के बाल अब भी खड़े थे। वह धीरे से गुर्राया, मानो कह रहा हो, 'सावधान रहना, मिस्टर रोलैंड, सावधान रहना!'

मिस्टर रोलैंड उठकर खड़े हो गए। वे सचमुच बहुत ग़ुस्से में थे। उन्होंने जॉर्ज के डैडी से कहा।

'मुझे एक अजीब सी आवाज़ सुनाई दी थी, इसलिए मैं अपनी टॉर्च लेकर यह देखने आ गया कि वह कैसी आवाज़ थी,' उन्होंने कहा। 'आवाज़ आपकी स्टडी की तरफ़ से आई थी। मैं जानता हूँ कि आप यहाँ अपनी क़ीमती किताबें और यंत्र रखते हैं, इसलिए मैंने सोचा कि कहीं कोई चोर तो नहीं घुस आया है! मैं बस यहाँ आया ही था कि तभी मेरे पीछे-पीछे यह कुत्ता भी यहाँ आ गया और इसने मुझे गिरा दिया! जॉर्ज भी साथ में आई थी, लेकिन उसने कुत्ते को दूर नहीं हटाया।'

'मुझे तुम्हारा व्यवहार समझ में नहीं आया, जॉर्ज, बिलकुल नहीं आया,' उसके डैडी ग़ुस्से से बोले। 'मुझे उम्मीद है कि तुम फिर से मूर्खतापूर्ण व्यवहार नहीं कर

रही होगी, जैसा तुम पिछली गर्मियों में अपने चचेरे भाई-बहनों के आने से पहले किया करती थीं। और यह मैं क्या सुन रहा हूँ कि टिम ने मिस्टर रोलैंड को पहले भी काटा है?'

'जॉर्ज ने पढ़ते समय उसे टेबल के नीचे छिपा दिया था,' मिस्टर रोलैंड बोले। 'मैं यह बात नहीं जानता था। जब मैंने टेबल के नीचे अपने पैर फैलाए, तो वे टिम से टकरा गए और उसने मुझे काट लिया। मैंने यह बात आपको इसलिए नहीं बताई, क्योंकि मैं आपको परेशान नहीं करना चाहता था। जब से मैं यहाँ आया हूँ, तभी से जॉर्ज और उसका कुत्ता दोनों ही मुझे परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं।'

जॉर्ज के डैडी ने कहा, 'अच्छी बात है, टिम को बाहर जाकर कुत्ताघर में रहना पड़ेगा। मैं उसे घर में नहीं रखूँगा। जॉर्ज, यह उसकी भी सज़ा होगी और तुम्हारी भी। मैं इस तरह के व्यवहार को सहन नहीं करूँगा। तुम सबके प्रति मिस्टर रोलैंड का व्यवहार बहुत अच्छा है।'

'मैं टिम को बाहर नहीं रहने दूँगी,' जॉर्ज ने ग़ुस्से से कहा। 'मौसम बहुत ठंडा है और इससे उसका दिल टूट जाएगा।'

'तो उसका दिल टूट जाने दो,' डैडी बोले। 'यह अब तुम्हारे व्यवहार पर निर्भर करता है कि टिम को इन

छुट्टियों में घर के अंदर रहने की इजाज़त मिलती है या नहीं। मैं हर दिन मिस्टर रोलैंड से पूछूँगा कि तुम्हारा व्यवहार कैसा रहा। अगर तुम्हारा व्यवहार ख़राब हुआ, तो टिम बाहर ही रहेगा। मेरा ख़्याल है, अब तुम समझ गई होगी कि सब कुछ तुम्हारे व्यवहार पर निर्भर करता है! अपने बिस्तर पर जाओ, लेकिन इससे पहले मिस्टर रोलैंड से माफ़ी माँगो!'

'मैं माफ़ी नहीं माँगूँगी!' जॉर्ज ने कहा। ग़ुस्से और निराशा से उसका गला रुँध गया था। वह कमरे से बाहर भागी और सीढ़ियाँ चढ़ गई। उसके डैडी और मिस्टर रोलैंड उसे जाते हुए देखते रहे।

मिस्टर रोलैंड ने कहा, 'उसे जाने दें। वह बहुत ज़िद्दी लड़की है और उसने ठान लिया है कि वह मुझे पसंद नहीं करेगी। लेकिन मुझे यह जानकर ख़ुशी हुई कि वह कुत्ता अब घर में नहीं रहेगा। मुझे लगता है, जॉर्जिना मौक़ा पाते ही उससे मुझ पर हमला करवा देगी!'

जॉर्ज के डैडी बोले, 'मुझे इसके बारे में अफ़सोस है। आपने जो आवाज़ सुनी थी, वह न जाने किस चीज़ की होगी? मुझे लगता है कि अँगीठी में लकड़ी गिरी होगी। अब - मैं आज रात को उस कुत्ते का क्या करूँ? बाहर छोड़ आऊँ!'

'उसे आज रात को वहीं रहने दें,' मिस्टर रोलैंड ने

कहा। 'मुझे ऊपर की मंज़िल से आवाज़ें सुनाई दे रही हैं। अब तक बाक़ी लोग जाग गए होंगे! आज रात को ज़्यादा शोर-शराबा करना ठीक नहीं रहेगा।'

'शायद आप ठीक कह रहे हैं,' जॉर्ज के डैडी ने कृतज्ञता से कहा। वे आधी रात को ठंड में एक ग़ुस्सैल लड़की और एक ग़ुस्सैल कुत्ते से क़तई नहीं जूझना चाहते थे!

इसके बाद डैडी और मिस्टर रोलैंड अपने-अपने कमरे में जाकर सो गए। जॉर्ज को नींद नहीं आई। जब वह ऊपर पहुँची, तो बाक़ी बच्चे भी जाग चुके थे और जॉर्ज ने उन्हें नीचे हुई सारी बात बता दी।

डिक बोला, 'जॉर्ज! तुम सचमुच मूर्ख हो! अगर मिस्टर रोलैंड ने आवाज़ सुनी थी और वे नीचे गए थे, तो इसमें ग़लत क्या था ? *तुम* भी तो नीचे गई थीं! अब हमारा प्यारा टिम इतनी ठंड में घर के बाहर रहेगा!'

एन रोने लगी। उसे यह सुनकर अच्छा नहीं लगा कि जिस टीचर को वह इतना पसंद करती है, उसे टिम ने नीचे गिरा दिया था और उसे यह जानकर बहुत बुरा लगा कि टिम को सज़ा मिलने वाली है।

जॉर्ज बोली, 'बच्चों की तरह आँसू मत बहाओ। *मैं* तो नहीं रो रही हूँ, जबकि वह *मेरा* कुत्ता है!'

लेकिन जब सभी लोग दोबारा सो गए, तो जॉर्ज का तकिया बहुत गीला हो गया। टिम उसके पास आकर

उसके गाल से नमकीन आँसू चाटने लगा। वह धीरे-धीरे कूँ-कूँ करने लगा। जब भी उसकी मालकिन दुखी होती थी, तो टिम भी दुखी हो जाता था।

9

ख़ुफ़िया रास्ते की तलाश

अगले दिन भी पढ़ाई की छुट्टी थी। जॉर्ज का चेहरा थोड़ा पीला दिख रहा था और वह बहुत चुप थी। टिम घर के बाहर बगीचे में बने कुत्ताघर में बंद था और बच्चों को उसकी कूँ-कूँ की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। इन आवाज़ों को सुनकर वे सभी परेशान हो गए।

डिक बोला, 'ओह जॉर्ज, मुझे बहुत बुरा लग रहा है। तुम्हें इतना ग़ुस्सा क्यों आता है? इसका नतीजा देखा - तुमने ख़ुद के साथ-साथ टिम को भी मुश्किल में डाल दिया।'

जॉर्ज की भावनाएँ मिली-जुली थीं। अब वह मिस्टर रोलैंड से इतनी ज़्यादा नफ़रत करती थी कि वह उनकी शक्ल तक नहीं देखना चाहती थी। लेकिन वह खुलेआम बदतमीज़ी या बग़ावत करने की हिम्मत नहीं कर सकती थी, क्योंकि ऐसा करने पर वे उसके डैडी से उसकी शिकायत कर देंगे और फिर शायद उसे टिमोथी को *देखने* की भी इजाज़त नहीं मिलेगी। उस जैसी ज़िद्दी लड़की के लिए अच्छा व्यवहार करना बड़ा ही मुश्किल काम था।

मिस्टर रोलैंड ने उसकी तरफ़ ज़रा भी ध्यान नहीं दिया। बाक़ी बच्चों ने जॉर्ज को बातचीत में शामिल करने की कोशिश की, लेकिन वह चुप रही और उसने उनकी बातों में कोई दिलचस्पी नहीं ली।

डिक बोला, 'जॉर्ज! हम आज किरिन फ़ार्महाउस जा रहे हैं। क्या तुम भी वहाँ चलोगी? हम वहाँ ख़ुफ़िया रास्ते का दरवाज़ा खोजने की कोशिश करेंगे। यह वहीं कहीं से शुरू होता होगा।'

बच्चों ने जॉर्ज को यह बता दिया था कि मिस्टर रोलैंड ने लिनेन के चिथड़े के निशानों के बारे में क्या कहा था। वे सभी इस बारे में रोमांचित थे, हालाँकि क्रिसमस के कारण वे इसे कुछ समय के लिए भूल गए थे।

'हाँ – मैं भी चलूँगी,' जॉर्ज ने ख़ुश होते हुए कहा। 'टिमोथी भी चल सकता है। उसका भी घूमना हो जाएगा।'

लेकिन जैसे ही जॉर्ज को यह पता चला कि मिस्टर रोलैंड भी साथ में जा रहे हैं, उसने तत्काल अपना इरादा बदल दिया। वह किसी हालत में टीचर के साथ नहीं जाएगी! नहीं – वह टिम के साथ अकेली घूमने जाएगी।

'लेकिन जॉर्ज, ज़रा सोचो तो सही, ख़ुफ़िया रास्ते को खोजने में कितना मज़ा आएगा!' जूलियन ने उसका

हाथ पकड़ते हुए कहा। जॉर्ज ने फ़ौरन अपना हाथ छुड़ा लिया।

उसने सख़्ती से कहा, 'अगर मिस्टर रोलैंड जा रहे हैं, तो मैं नहीं जाऊँगी।' बाक़ी बच्चे समझ गए कि उसे मनाने की कोशिश करने से कोई फ़ायदा नहीं होगा।

जॉर्ज बोली, 'मैं टिम के साथ अकेली घूमने जाऊँगी। तुम अपने प्यारे मिस्टर रोलैंड के साथ घूमने जाओ!'

वह टिमोथी के साथ अकेली ही बगीचे के रास्ते पर चल दी। बाक़ी बच्चे उसे घूरकर देखते रहे। यह बहुत बुरी बात थी। जॉर्ज एक बार फिर सबसे दूर होती जा रही थी, लेकिन वे कर भी क्या सकते थे?

मिस्टर रोलैंड ने पूछा, 'अच्छा बच्चो, तुम लोग तैयार हो? ऐसा करो, तुम लोग फ़ार्महाउस तक चलो। मैं बाद में तुमसे वहीं पर मिलता हूँ। मुझे कुछ चीज़ें लाने के लिए गाँव तक जाना है।'

इसलिए तीनों बच्चे अकेले ही फ़ार्महाउस की तरफ़ चल दिए। वे सोच रहे थे कि काश जॉर्ज भी उनके साथ होती! लेकिन वह कहीं नहीं दिख रही थी।

बूढ़े मिस्टर और मिसेज़ सैंडर्स बच्चों को फिर से देखकर ख़ुश हो गए। उन्होंने उन सभी को किचन में बैठाकर केक खिलाए और गर्म दूध पिलाया।

मिसेज़ सैंडर्स ने मुस्कराकर पूछा, 'अच्छा, तो तुम लोग कुछ और ख़ुफ़िया चीज़ें खोजने के लिए यहाँ आए

हो?'

जूलियन ने पूछा, 'क्या हम कोशिश कर सकते हैं? हमें एक ऐसे कमरे की तलाश है, जो पूर्वमुखी हो, जिसका फ़र्श पत्थर का हो और जिसमें पटिये लगे हों!'

मिसेज़ सैंडर्स बोलीं, 'नीचे की मंज़िल के सभी कमरों के फ़र्श पत्थर के हैं। प्यारे बच्चो, तुम्हें जितनी खोजबीन करनी है, कर सकते हो। मैं जानती हूँ कि तुम कोई नुक़सान नहीं करोगे। लेकिन ऊपर की मंज़िल वाले उस कमरे में मत जाना, जिसमें ख़ुफ़िया दरवाज़े वाली अलमारी है। और उसके बग़ल वाले कमरे में भी मत जाना! उन दोनों कमरों में वे दोनों पेंटर ठहरे हुए हैं।'

'ठीक है,' जूलियन ने कहा, हालाँकि उसे अफ़सोस था कि वे उस रोमांचक अलमारी में दोबारा नहीं खेल पाएँगे। 'क्या पेंटर घर के अंदर ही हैं, मिसेज़ सैंडर्स? मैं उनसे पेंटिंग के बारे में कुछ बातें करना चाहता हूँ, क्योंकि मैं भी एक दिन बहुत बड़ा पेंटर बनना चाहता हूँ।'

'अच्छा?' मिसेज़ सैंडर्स बोलीं। 'मुझे हमेशा हैरानी होती है कि लोग पेंटिंग करके पैसे कैसे कमा लेते हैं!'

'पेंटरों को पैसे कमाना उतना पसंद नहीं होता, जितना कि पेंटिंग करना,' जूलियन ने समझदारी से कहा। इससे मिसेज़ सैंडर्स और भी ज़्यादा हैरान हो गईं। उन्होंने अपना सिर हिलाया और हँसने लगीं।

उन्होंने कहा, 'पेंटर लोग भी अजीब होते हैं! अच्छा – अब तुम जाओ और जो खोजना चाहते हो, उसकी तलाश में जुट जाओ। जूलियन, आज तुम पेंटरों से बात नहीं कर पाओगे – वे बाहर गए हैं।'

बच्चों ने अपना दूध ख़त्म किया और उठकर खड़े हो गए। वे सोच रहे थे कि अपनी खोजबीन कहाँ से शुरू करें। सबसे पहले तो उन्हें ऐसे कमरों का पता लगाना चाहिए, जो पूर्वमुखी हों।

जूलियन ने पूछा, 'मिसेज़ सैंडर्स, क्या आप जानती हैं कि घर का कौन सा हिस्सा पूर्व दिशा में है?'

मिसेज़ सैंडर्स बोलीं, 'किचन का मुँह उत्तर दिशा में है, इसलिए पूर्व उधर होगा।' उन्होंने बाईं तरफ़ इशारा किया।

'धन्यवाद,' जूलियन बोला। 'सब लोग चलो!' तीनों बच्चे किचन से बाहर जाकर बाईं तरफ़ मुड़ गए। वहाँ पर तीन कमरे थे – एक तो बर्तन माँजने की जगह थी, जिसका अब ज़्यादा उपयोग नहीं होता था; इसके अलावा एक छोटा कमरा भी था, जिसका इस्तेमाल बूढ़े मिस्टर सैंडर्स छुटपुट सामान रखने के लिए करते थे; और तीसरा कमरा वह था, जहाँ कभी ड्रॉइंग रूम था, लेकिन अब उसका इस्तेमाल नहीं होता था।

जूलियन ने कहा, 'इन सबका फ़र्श पत्थर का है।'

एन बोली, 'तो हमें तीनों कमरों की तलाशी लेनी

पड़ेगी।'

'नहीं, हमें ऐसा नहीं करना पड़ेगा,' जूलियन ने कहा। 'हमें बर्तन माँजने वाली जगह की तलाशी नहीं लेनी पड़ेगी!'

'क्यों?' एन ने पूछा।

'क्योंकि उसकी दीवारें पत्थर की हैं मूर्ख, जबकि हमें पटियों की दीवार चाहिए,' जूलियन ने कहा। 'अपने दिमाग़ का इस्तेमाल करो, एन!'

डिक बोला, 'तो हमारा एक कमरा तो कम हुआ। देखो जूलियन, इस छोटे कमरे और ड्रॉइंग रूम दोनों में पटिये लगे हैं। हमें इन दोनों की तलाशी लेनी पड़ेगी।'

'दिशा निर्देश में पटियों के आठ चौखाने बताए गए हैं। इसका कोई तो कारण होगा,' जूलियन ने लिनेन के चिथड़े की तरफ़ देखते हुए कहा। 'ध्यान से देखो! कहीं पर सिर्फ़ आठ चौखाने ही तो नहीं दिख रहे हैं – जैसे खिड़की के पास।'

कमरों की तलाशी लेना बहुत रोमांचक था! बच्चों ने छोटे कमरे से अपना काम शुरू किया। चारों तरफ़ बलूत की लकड़ी के गहरे रंग के पटिये लगे थे, लेकिन कोई जगह ऐसी नहीं थी, जहाँ सिर्फ़ आठ ही पटिये हों। इसलिए बच्चे दूसरे कमरे में चले गए।

यहाँ पर पटिये अलग रंग के थे। ये उतने पुराने नहीं दिख रहे थे। चौखाने भी अलग आकार के थे। बच्चों ने

हर पटिये को इस उम्मीद से ठोंका और दबाया कि किसी भी पल कोई पटिया उसी तरह सरक जाएगा, जैसा हॉल में हुआ था।

लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी। कुछ भी नहीं हुआ। वे सभी कोशिश कर ही रहे थे कि तभी उन्होंने हॉल में क़दमों की आहट और कुछ आवाज़ें सुनीं। किसी ने ड्रॉइंग रूम में झाँककर देखा। वहाँ एक दुबला और लंबा आदमी खड़ा था, जिसकी लंबी नाक पर चश्मा लगा हुआ था।

'हैलो!' उसने कहा। 'मिसेज़ सैंडर्स ने मुझे बताया कि तुम लोग ख़ज़ाना खोज रहे हो। तुम्हारी खोज कैसी चल रही है?'

'बहुत अच्छी नहीं चल रही है,' जूलियन ने नम्रता से जवाब दिया। उसने यह भी देखा कि उसके पीछे एक और आदमी खड़ा था, जो उम्र में चश्मे वाले आदमी से छोटा था। दूसरे आदमी की आँखें थोड़ी ऊपर की तरफ़ थीं और उसका मुँह बड़ा था। जूलियन ने कहा, 'मुझे लगता है, आप दोनों पेंटर होंगे।'

पहले आदमी ने कमरे में अंदर आते हुए कहा, 'हाँ। आख़िर तुम लोग खोज क्या रहे हो?'

जूलियन उसे कुछ नहीं बताना चाहता था, लेकिन इस बात को छिपाना बहुत मुश्किल था। उसने आख़िर कहा, 'देखिए - हम यहाँ पर सरकने वाले पटिये की

तलाश कर रहे हैं। हॉल में भी इसी तरह का एक पटिया है। चारों तरफ़ खोजबीन करना बहुत मज़ेदार है।'

'हम मदद करें?' पहले पेंटर ने कहा। 'तुम लोगों के नाम क्या हैं? मेरा नाम थॉमस है और मेरे दोस्त का नाम विल्टन है।'

बच्चों ने एक-दो मिनट विनम्रता से बातें कीं, लेकिन वे उन लोगों की मदद नहीं लेना चाहते थे। वे अपनी खोज ख़ुद करना चाहते थे। अगर बड़े लोगों ने गुत्थी सुलझा दी, तो पूरा मज़ा ही ख़राब हो जाएगा!

जल्दी ही सभी लोग लकड़ी के पटियों पर ठक-ठक करने लगे। वे इस काम में तल्लीनता से जुटे थे कि तभी एक आवाज़ आई।

'हैलो! तुम लोग तो बहुत ही व्यस्त हो!'

बच्चों ने पलटकर देखा। मिस्टर रोलैंड दरवाज़े पर खड़े होकर मुस्करा रहे थे। दोनों पेंटरों ने उनकी तरफ़ देखा।

मिस्टर थॉमस ने पूछा, 'क्या ये तुम्हारे दोस्त हैं?'

'हाँ - वे हमारे टीचर हैं और वे बहुत अच्छे हैं!' एन ने कहा। वह मिस्टर रोलैंड के पास भागती हुई गई और उनके हाथ में अपना हाथ दे दिया।

मिस्टर रोलैंड ने मुस्कराते हुए एन से कहा, 'इन लोगों से मेरा परिचय करवाओ, एन।'

एन जानती थी कि लोगों का परिचय कैसे करवाया जाता है। उसने अपनी मम्मी को अक्सर लोगों का परिचय करवाते देखा था। उसने दोनों पेंटरों से कहा, 'ये मिस्टर रोलैंड हैं।' फिर वह मिस्टर रोलैंड की तरफ़ मुड़ी और बोली, 'ये हैं मिस्टर थॉमस और ये हैं मिस्टर विल्टन।'

आदमियों ने एक-दूसरे की तरफ़ सिर झुकाकर अभिवादन किया। मिस्टर रोलैंड ने पूछा, 'क्या आप लोग यहीं रुके हैं? यह बहुत ही अच्छा फ़ार्महाउस है, है ना?'

जूलियन ने घड़ी का घंटा बजने की आवाज़ सुनकर पूछा, 'चलने का समय तो नहीं हो गया?'

मिस्टर रोलैंड ने कहा, 'लगता तो यही है। मैं यहाँ जल्दी आना चाहता था, लेकिन मुझे देर हो गई। हमें पाँच मिनट में यहाँ से चल देना चाहिए - इससे ज़्यादा देर मत करना। तब तक इस ख़ुफ़िया रास्ते को खोजने में मैं तुम्हारी मदद करता हूँ!'

लेकिन दोनों कमरों के पटियों को दबाने या ठोंकने से कोई फ़ायदा नहीं हुआ। उन्हें कोई रोमांचक चीज़ नहीं मिली। यह सचमुच बहुत निराशाजनक था।

मिस्टर रोलैंड ने कहा, 'अब हमें चल देना चाहिए। चलकर मिसेज़ सैंडर्स से गुड बाई कहो।'

वे सभी गर्म किचन में गए, जहाँ मिसेज़ सैंडर्स कुछ

पका रही थीं, जिसकी बहुत अच्छी ख़ुशबू आ रही थी।

मिस्टर विल्टन ने कहा, 'हमारे लंच के लिए कुछ बना रही हैं, मिसेज़ सैंडर्स? आप बहुत अच्छा खाना बनाती हैं!'

तारीफ़ सुनकर मिसेज़ सैंडर्स मुस्कराईं। फिर उन्होंने बच्चों से पूछा, 'बच्चो, तुम जो खोज रहे थे, वह तुम्हें मिला या नहीं?'

'नहीं,' मिस्टर रोलैंड ने उनकी तरफ़ से जवाब देते हुए कहा। 'हमें वह ख़ुफ़िया रास्ता नहीं मिल पाया!'

'ख़ुफ़िया रास्ता?' मिसेज़ सैंडर्स ने हैरानी से पूछा। 'आपको उसके बारे में कैसे मालूम? मुझे लगता था, अब तक लोग उसके बारे में भूल चुके होंगे। दरअसल, कई सालों से मुझे यह यक़ीन हो गया है कि कोई ख़ुफ़िया रास्ता था ही नहीं!'

'ओह मिसेज़ सैंडर्स, क्या आप ख़ुफ़िया रास्ते के बारे में जानती हैं?' जूलियन ने चिल्लाकर पूछा। 'यह कहाँ है?'

'मुझे नहीं पता, बेटा – इसका रहस्य काफ़ी समय पहले खो गया है,' बूढ़ी औरत ने कहा। 'मुझे याद है, जब मैं तुम लोगों से भी छोटी थी, तो मेरी दादी ने मुझे इसके बारे में कुछ बताया था। लेकिन उस समय मैं इस तरह की बातों में ज़्यादा रुचि नहीं लेती थी। तब तो मेरी रुचि सिर्फ़ गायों, मुर्गियों और भेड़ों में ही थी।'

'ओह मिसेज़ सैंडर्स – याद करने की कोशिश कीजिए!' डिक ने गिड़गिड़ाते हुए कहा। 'ख़ुफ़िया रास्ता कहाँ *था?*'

'देखो, यह किरिन फ़ार्महाउस से कहीं और जाने का गुप्त रास्ता था,' मिसेज़ सैंडर्स ने कहा। 'मैं नहीं जानती कि यह रास्ता कहाँ जाता था। अपने दुश्मनों से छिपने के लिए पुराने ज़माने में लोग इसका इस्तेमाल करते थे।'

यह निराशाजनक था कि मिसेज़ सैंडर्स को इससे ज़्यादा और कुछ याद नहीं था। बच्चों ने उनसे विदा ली और अपने टीचर के साथ जाते समय यह सोचते रहे कि उनकी सुबह बेकार चली गई थी।

जब तक वे किरिन कॉटेज पहुँचे, जॉर्ज आ चुकी थी। उसके गाल अब उतने पीले नहीं दिख रहे थे और उसने उत्सुकता से बच्चों का स्वागत किया।

उसने पूछा, 'क्या तुम्हें कुछ मिला? मुझे सारी बातें बताओ!'

डिक ने थोड़ी निराशा से कहा, 'बताने के लिए कुछ है ही नहीं। हमें तीन पूर्वमुखी कमरे मिले, जिनके फ़र्श पत्थर के थे, लेकिन उनमें से सिर्फ़ दो में ही लकड़ी के पटिये लगे थे। हमने उन्हें अच्छी तरह ठोंककर और दबाकर देखा – लेकिन हमें वहाँ कुछ भी नहीं मिला।'

एन बोली, 'हमने उन दोनों पेंटरों को भी देखा। उनमें से एक लंबा और दुबला था और उसकी लंबी नाक पर

चश्मा लगा था। उसका नाम थॉमस था। दूसरा उम्र में थॉमस से छोटा था और उसकी सुअर जैसी छोटी आँखें थीं, लेकिन उसका मुँह बड़ा था।'

'मैं आज सुबह उन्हें देख चुकी हूँ,' जॉर्ज बोली। 'वे लोग वही होंगे। मिस्टर रोलैंड उन लोगों के साथ बातें कर रहे थे। लेकिन वे लोग मुझे नहीं देख पाए।'

'ओह, लेकिन मिस्टर रोलैंड के साथ पेंटर कैसे हो सकते थे,' एन तत्काल बोली। 'मिस्टर रोलैंड उन्हें जानते ही नहीं थे। मैंने उन लोगों का परिचय करवाया था।'

'मैंने मिस्टर रोलैंड को उनमें से एक को विल्टन नाम से बुलाते सुना था,' जॉर्ज ने हैरानी से कहा। 'वे उन्हें जानते *होंगे।*'

'जिन लोगों को तुमने देखा था, वे पेंटर नहीं हो सकते,' एन ने दोबारा कहा। 'वे मिस्टर रोलैंड को जानते तक नहीं थे। मिस्टर थॉमस ने पूछा था कि क्या मिस्टर रोलैंड हमारे दोस्त हैं।'

'मैं सच कह रही हूँ,' जॉर्ज ने ज़िद पकड़ते हुए कहा। 'अगर मिस्टर रोलैंड कहते हैं कि दोनों पेंटरों से उनकी कोई जान-पहचान नहीं है, तो वे झूठ बोल रहे हैं।'

'ओह, तुम तो हमेशा उन पर इल्ज़ाम लगाती रहती हो!' एन ने ग़ुस्से से कहा। 'तुम उनके बारे में मनगढ़ंत बातें बोलती रहती हो!'

'श्श्श!' जूलियन बोला। 'वे आ रहे हैं।'

दरवाज़ा खुला और टीचर अंदर आए। वे बोले, 'बड़ा निराशाजनक *था* कि हम ख़ुफ़िया रास्ता नहीं खोज पाए। वैसे ड्रॉइंग रूम में खोजबीन करना हमारी मूर्खता थी। वहाँ के पटिये उतने पुराने नहीं थे – उन्हें बरसों बाद लगाया गया होगा।'

'ओह – लेकिन दोबारा खोजने से भी कोई फ़ायदा नहीं होगा,' जूलियन ने निराशा से कहा। 'और मुझे पूरा यक़ीन है कि छोटे कमरे में भी कुछ नहीं था। हमने उसे अच्छी तरह से देख लिया था। कितने अफ़सोस की बात है!'

'और क्या?' मिस्टर रोलैंड बोले। 'अच्छा जूलियन, तुम्हें वे दोनों पेंटर कैसे लगे? मुझे तो उनसे मिलकर ख़ुशी हुई। वे भले लोग दिख रहे थे और मैं उनसे दोबारा मिलना चाहूँगा।'

जॉर्ज ने टीचर की तरफ़ देखा। क्या वे इतनी सच्ची आवाज़ में सफ़ेद झूठ बोल सकते हैं? वह बहुत उधेड़बुन में थी। उसे पूरा यक़ीन था कि उसने मिस्टर रोलैंड को पेंटरों के साथ देखा था। लेकिन फिर वे उन्हें न जानने का नाटक क्यों करेंगे? उससे ही ग़लती हुई होगी। लेकिन फिर भी वह उलझन में थी। उसने यह ठान लिया कि वह सच्चाई का पता लगाने की पूरी कोशिश करेगी।

10
जॉर्ज और टिम को लगा सदमा

अगली सुबह पढ़ाई एक बार फिर होने लगी - और इस बार टिमोथी टेबल के नीचे नहीं था! जॉर्ज की बहुत इच्छा थी कि वह पढ़ने से इंकार कर दे, लेकिन उससे क्या फ़ायदा होता? बड़े लोगों के पास ताक़त होती है और वे हर तरह की सज़ा दे सकते हैं। उसे अपनी सज़ा की परवाह नहीं थी, उसे तो यह चिंता थी कि उसके कारण टिमोथी को भी सज़ा मिलेगी।

इसलिए मायूस चेहरा और उदास मन लेकर जॉर्ज भी बाक़ी बच्चों के साथ टेबल पर बैठ गई। एन भी पढ़ने के लिए उत्सुक थी। दरअसल वह मिस्टर रोलैंड को ख़ुश करने के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार थी, क्योंकि उन्होंने उसे क्रिसमस ट्री के ऊपर लगी परी गुड़िया दे दी थी! एन को लग रहा था कि उसने आज तक इतनी सुंदर गुड़िया नहीं देखी थी।

जब एन ने जॉर्ज को गुड़िया दिखाई, तो जॉर्ज की त्योरियाँ चढ़ गईं। उसे गुड़ियों में कोई दिलचस्पी नहीं थी और उसे निश्चित रूप से मिस्टर रोलैंड की चुनी हुई गुड़िया पसंद नहीं आ सकती थी! लेकिन एन को वह

गुड़िया बहुत प्यारी लगी थी और उसने बाक़ी सबके साथ पढ़ाई करने का फ़ैसला कर लिया था।

जॉर्ज ने बस उतनी ही पढ़ाई की, जितनी ज़रूरी थी। मिस्टर रोलैंड ने भी उसे ज़्यादा अहमियत नहीं दी। उन्होंने बाक़ी बच्चों की तारीफ़ की और जूलियन को एक मुश्किल सवाल बहुत धैर्य से समझाया।

पढ़ते समय बच्चों को बाहर से टिम की कूँ-कूँ सुनाई दी। इससे उन्हें बहुत परेशानी हुई, क्योंकि टिमोथी उन सभी का प्रिय कुत्ता था। वे यह सहन नहीं कर पा रहे थे कि वह इतनी ठंड और दुखी हालत में बगीचे के कुत्ताघर में बंद था। जब दस मिनट की छुट्टी हुई और मिस्टर रोलैंड कुछ मिनट के लिए कमरे से बाहर गए, तो जूलियन ने जॉर्ज से कहा।

'जॉर्ज! हमें बहुत बुरा लग रहा है कि टिम बाहर ठंड में ठिठुर रहा है। और मुझे लगता है कि मैंने उसके खाँसने की आवाज़ भी सुनी थी। मुझे उसके बारे में मिस्टर रोलैंड से बात करने दो। तुम्हें तो टिम का बाहर रहना बहुत बुरा लग रहा होगा।'

'मैंने भी उसके खाँसने की आवाज़ सुनी थी,' जॉर्ज ने चिंतित दिखते हुए कहा। 'कहीं उसे सर्दी न हो जाए! वह यह समझता ही नहीं है कि मैंने उसे वहाँ क्यों रखा है! उसे लग रहा होगा कि मैं बहुत बेरहम हूँ।'

जॉर्ज ने अपना सिर दूसरी तरफ़ घुमा लिया, क्योंकि

उसे डर लग रहा था कि उसकी आँखों में आँसू आ सकते हैं। वह हमेशा कहती थी कि वह कभी नहीं रोती थी, लेकिन जब उसने ठंड में बाहर पड़े टिमोथी के बारे में सोचा, तो आँसुओं को रोकना बहुत मुश्किल था।

डिक ने उसका हाथ पकड़कर कहा, 'सुनो जॉर्ज – तुम मिस्टर रोलैंड से नफ़रत करती हो और मुझे लगता है कि तुम इसमें कुछ नहीं कर सकती हो। लेकिन हममें से कोई भी यह बर्दाश्त नहीं कर सकता कि टिमोथी बाहर रहे। ऐसा लग रहा है कि आज बर्फ़ गिरेगी, जिससे उसकी परेशानी और बढ़ जाएगी। देखो, तुम आज अपनी नफ़रत को भूलकर उनसे अच्छा व्यवहार क्यों नहीं करतीं, ताकि जब तुम्हारे डैडी मिस्टर रोलैंड से तुम्हारे व्यवहार के बारे में पूछें, तो वे तुम्हारी तारीफ़ करें। इसके बाद हम मिस्टर रोलैंड से टिमी को दोबारा घर में रखने की इजाज़त ले लेंगे।'

'सुनो ?'

टिमोथी बाहर अहाते में दोबारा खाँसने लगा और उसके खाँसने की आवाज़ सुनकर जॉर्ज का दिल डूबने लगा। कहीं उसे निमोनिया हो गया तो ? वह उसकी देखभाल भी नहीं कर पाएगी, क्योंकि टिमी को कुत्ताघर में बाहर रहना पड़ेगा ? वह तो दुख के मारे मर जाएगी! वह जूलियन और डिक की तरफ़ मुड़ी।

'ठीक है,' उसने कहा। 'मैं मिस्टर रोलैंड से नफ़रत

करती हूँ, लेकिन मैं उनसे जितनी नफ़रत करती हूँ, टिमोथी से उससे ज़्यादा प्यार करती हूँ, इसलिए टिम की ख़ातिर मैं अच्छी, मधुरभाषी और मेहनती बनने का नाटक करूँगी। और फिर तुम लोग टिमोथी को अंदर लाने के बारे में उन्हें मना सकते हो।'

'अच्छी लड़की!' जूलियन ने कहा। 'लो वे आ रहे हैं। पूरी कोशिश करना।'

टीचर को बहुत हैरानी हुई, जब उनके कमरे में आने पर जॉर्ज मुस्कराई। यह इतना अप्रत्याशित था कि इससे वे हैरान रह गए। उन्हें यह देखकर और भी हैरत हुई कि जॉर्ज ने पढ़ाई में बाक़ी सबसे ज़्यादा मेहनत की और विनम्रता तथा ख़ुशी से जवाब दिए। उन्होंने जॉर्ज की तारीफ़ भी की।

'बहुत बढ़िया, जॉर्जिना! मैं देख सकता हूँ कि तुम्हारे पास दिमाग़ है।'

'धन्यवाद,' जॉर्ज ने अपने चेहरे पर फीकी मुस्कान लाते हुए कहा। यह बहुत ही कमज़ोर सी मुस्कान थी - लेकिन फिर भी, यह मुस्कान तो *थी!*

लंच के समय जॉर्ज ने मिस्टर रोलैंड का पूरा ध्यान रखा। उसने उन्हें नमक दिया, ब्रेड के लिए पूछा, उनका पानी का गिलास ख़ाली हो जाने पर दोबारा भरा! बाक़ी बच्चों ने उसे प्रशंसा से देखा और सोचा, जॉर्ज में बहुत दिलेरी है। उसे इस तरह का नाटकीय व्यवहार करना

बहुत मुश्किल लग रहा होगा, जैसे मिस्टर रोलैंड उसके बहुत अच्छे दोस्त हों, जबकि दरअसल वह उनसे नफ़रत करती थी!

मिस्टर रोलैंड बहुत ख़ुश हुए और उन्होंने जॉर्ज की दोस्ती पर अच्छी प्रतिक्रिया की। उन्होंने उसे एक चुटकुला सुनाया और कुत्तों के बारे में एक पुस्तक देने का वादा भी किया। जॉर्ज की मम्मी यह देखकर ख़ुश हुईं कि उनकी ज़िद्दी लड़की का व्यवहार बदल गया है। कुल मिलाकर उस दिन माहौल काफ़ी सुखद लग रहा था।

'जॉर्ज, जब तुम्हारे डैडी आज शाम को मिस्टर रोलैंड से तुम्हारे व्यवहार के बारे में पूछने आएँ, तो तुम बाहर चली जाना,' जूलियन ने कहा। 'फिर जब टीचर तुम्हारी तारीफ़ करेंगे, तो हम सब पूछ लेंगे कि क्या टिमोथी अंदर आकर रह सकता है। अगर तुम वहाँ नहीं रहोगी, तो यह काम ज़्यादा आसान होगा।'

'ठीक है,' जॉर्ज बोली। वह चाहती थी कि यह मुश्किल दिन जल्दी से ख़त्म हो जाए। उसके लिए मिस्टर रोलैंड से दोस्ती का नाटक करना बहुत मुश्किल था, क्योंकि वह उनसे नफ़रत करती थी। अगर यह टिम की ख़ातिर नहीं होता, तो वह ऐसा कभी नहीं करती!

जब जॉर्ज ने छह बजे के क़रीब अपने डैडी के कमरे में आने की आवाज़ सुनी, तो वह कमरे से बाहर चली

गई। उसके डैडी ने कमरे में आकर मिस्टर रोलैंड का अभिवादन किया।

उन्होंने पूछा, 'आज आपके विद्यार्थियों ने कैसी पढ़ाई की?'

मिस्टर रोलैंड बोले, 'बहुत अच्छी। जूलियन को आज एक विषय को समझने में मुश्किल आ रही थी, लेकिन अब वह उसे पूरी तरह समझ चुका है। डिक ने लैटिन सीखने में काफ़ी मेहनत की। एन ने फ्रेंच अभ्यास में एक भी ग़लती नहीं की!'

'और जॉर्ज?' क्वेंटिन अंकल ने कहा।

मिस्टर रोलैंड ने चारों तरफ़ देखा। उन्होंने देख लिया कि वह बाहर जा चुकी थी, 'मैं जॉर्जिना पर ही आ रहा था। उसने आज बाक़ी सबसे ज़्यादा अच्छी तरह पढ़ाई की! मैं उससे सचमुच ख़ुश हूँ। उसने कड़ी मेहनत की और वह विनम्र और मिलनसार भी थी। मुझे लगता है कि वह सुधरने की कोशिश कर रही है।'

जूलियन ने जोश से कहा, 'आज तो उसका व्यवहार बहुत अच्छा था। क्वेंटिन अंकल, उसने बहुत ज़्यादा कोशिश की है। और आप जानते हैं, वह बहुत दुखी है।'

'क्यों?' क्वेंटिन अंकल ने हैरानी से पूछा।

'टिमोथी के कारण,' जूलियन ने कहा। 'वह सर्दी में बाहर ठिठुर रहा है और उसे खाँसी भी हो गई है।'

एन ने कहा, 'ओह क्वेंटिन अंकल, बेचारे टिम को

अंदर आने की इजाज़त दे दीजिए।'

'हाँ, ऐसा कर दीजिए,' डिक बोला। 'सिर्फ़ जॉर्ज की ख़ातिर ही नहीं, जो उससे बहुत प्यार करती है, बल्कि हमारी ख़ातिर भी। हमें बाहर उसकी दुख भरी कूँ-कूँ सुनकर बहुत बुरा लगता है। और अंकल, जॉर्ज को इनाम भी मिलना चाहिए – आज उसका व्यवहार बहुत बढ़िया रहा है।'

क्वेंटिन अंकल बच्चों के उत्सुक चेहरों को देखते हुए थोड़ी दुविधा में बोले, 'मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि मैं क्या कहूँ! अगर जॉर्ज सुधर रही है और ठंड ज़्यादा पड़ रही है, तो हम ऐसा कर तो सकते हैं ...'

उन्होंने मिस्टर रोलैंड की तरफ़ देखा। उन्हें उम्मीद थी कि वे भी टिमोथी के पक्ष में कुछ कहेंगे। लेकिन टीचर ने कुछ नहीं कहा। वे चिढ़े हुए दिख रहे थे।

क्वेंटिन अंकल ने पूछा, 'आपको क्या लगता है, मिस्टर रोलैंड?'

मिस्टर रोलैंड ने कहा, 'मुझे लगता है कि आपको अपनी बात पर क़ायम रहना चाहिए और कुत्ते को बाहर ही रहने देना चाहिए। जॉर्ज बिगड़ चुकी है और उसे सख़्ती से सुधारना चाहिए। आपको कुत्ते के बारे में अपने फ़ैसले पर दृढ़ रहना चाहिए। जॉर्ज ने एक दिन अच्छा व्यवहार करने की कोशिश की है, सिर्फ़ इस बात से हमें नहीं झुकना चाहिए!'

तीनों बच्चों ने मिस्टर रोलैंड को हैरानी और निराशा से घूरा। यह तो उन्होंने सोचा ही नहीं था कि वे उनका साथ नहीं देंगे!

एन चिल्लाई, 'ओह मिस्टर रोलैंड, आप बहुत ख़राब हैं! टिम को अंदर बुला लीजिए।'

मिस्टर रोलैंड ने एन की तरफ़ नहीं देखा। वे अपनी मोटी मूँछ के नीचे अपना होंठ सिकोड़ कर क्वेंटिन अंकल की तरफ़ देखते रहे।

क्वेंटिन अंकल बोले, 'ठीक है, तो शायद अच्छा यही रहेगा कि हम एक हफ़्ते तक जॉर्ज का व्यवहार देखें। यह सच है कि एक दिन का व्यवहार बहुत मायने नहीं रखता है।'

बच्चों ने उन्हें नफ़रत से देखा। उन्हें वे कमज़ोर और बेरहम लग रहे थे। मिस्टर रोलैंड ने सहमति में अपना सिर हिलाया।

उन्होंने कहा, 'हाँ। एक हफ़्ते का इम्तहान उसे परखने के लिए ज़्यादा अच्छा रहेगा। अगर जॉर्जिना पूरे हफ़्ते अच्छा व्यवहार करती है, तो हम कुत्ते के बारे में सोचेंगे। लेकिन हाल-फ़िलहाल तो मुझे महसूस होता है कि उसे बाहर रखना ही अच्छा होगा।'

'बहुत बढ़िया,' क्वेंटिन अंकल बोले और कमरे से बाहर चले गए। वे जाते-जाते रुककर बोले, 'समय निकालकर मेरी स्टडी में आ जाएँ। मैं अपने फ़ॉर्मूले में

थोड़ा आगे पहुँच गया हूँ। यह बहुत रोचक स्थिति में है।'

तीनों बच्चों ने एक-दूसरे की तरफ़ देखा, लेकिन कहा कुछ नहीं। टीचर ने बीच में टाँग अड़ाकर टिमोथी को अंदर बुलाने से रोक दिया था! सभी बच्चों को उनका व्यवहार बहुत निराशाजनक लगा। टीचर ने उनके चेहरे देखे।

उन्होंने कहा, 'तुम्हें निराश करने का मुझे अफ़सोस है, लेकिन मुझे लगता है कि अगर टिमोथी ने तुम्हें एक बार काटा होता और दूसरी बार फ़र्श पर गिराकर काटने की कोशिश की होती, तो तुम भी उसे अंदर बुलाने के लिए इतने उतावले नहीं होते!'

वे कमरे से बाहर चले गए। बच्चों को समझ नहीं आ रहा था कि जॉर्ज से क्या कहें। वह एक पल बाद वहाँ आ गई और उसके चेहरे पर उत्सुकता साफ़ झलक रही थी। लेकिन जब उसने बाक़ी तीनों के उदास चेहरे देखे, तो वह रुक गई।

उसने जल्दी से पूछा, 'क्या टिम को अंदर आने की इजाज़त नहीं मिली ? क्या हुआ ? मुझे पूरी बात बताओ!'

उन्होंने उसे पूरी बात बता दी। जॉर्ज ने जब यह सुना कि उसके डैडी तो टिमोथी को अंदर रखने के बारे में मान गए थे, लेकिन टीचर ने सारा खेल ख़राब कर दिया, तो उसका चेहरा तमतमा गया।

जॉर्ज चिल्लाकर बोली, 'हैवान कहीं के! मैं उनसे

नफ़रत करती हूँ! एक दिन मैं इसका बदला चुकाकर रहूँगी। मैं ऐसा ज़रूर, ज़रूर, ज़रूर करूँगी!'

वह कमरे से बाहर भाग गई। उन्हें आवाज़ों से पता चला कि जॉर्ज हॉल में थी और फिर सामने वाला दरवाज़ा धड़ाम से बंद हो गया।

जूलियन बोला, 'वह अँधेरे में बाहर गई है। मैं शर्त लगाता हूँ कि वह टिमी के पास गई होगी। बेचारी जॉर्ज। अब तो वह पहले से भी बुरा व्यवहार करेगी!'

उस रात जॉर्ज को नींद नहीं आई। वह अपने बिस्तर पर पड़ी-पड़ी करवटें बदलती रही और टिमोथी की आवाज़ें सुनती रही। उसने उसे खाँसते सुना। वह कूँ-कूँ भी कर रहा था। वह जानती थी कि उसे ठंड लग रही होगी। उसने उसके कुत्ताघर में बहुत सा भूसा रख दिया था और कुत्ताघर का मुँह ठंडी उत्तरी हवा से दूसरी तरफ़ घुमा दिया था - लेकिन इसके बावज़ूद उसे ठंड लग रही होगी, क्योंकि उसे अब उसके बिस्तर पर सोने की आदत पड़ चुकी थी!

टिमोथी इतनी ज़ोर से खाँसा कि जॉर्ज से बर्दाश्त नहीं हुआ। उसने फ़ैसला किया कि उसे टिमोथी के पास जाना ही होगा। उसने सोचा, 'मैं उसे कुछ समय के लिए घर के अंदर ले आती हूँ और उसके सीने पर वह चीज़ मल देती हूँ, जो मम्मी सर्दी होने पर अपने सीने पर लगाती हैं। शायद उससे वह अच्छा हो जाए।'

जॉर्ज फ़ौरन कपड़े पहनकर चुपचाप नीचे गई। पूरा घर ख़ामोशी में डूबा था। उसने बगीचे में जाकर टिम की जंज़ीर खोल दी। वह उसे देखकर बहुत ख़ुश हुआ और प्यार से उसके हाथ और चेहरे को चाटने लगा।

जॉर्ज ने धीरे से कहा, 'थोड़ी देर के लिए अंदर गर्मी में आ जाओ। मैं तुम्हारे सीने पर एक तेल मल देती हूँ।'

टिमी उसके पीछे-पीछे घर के अंदर आ गया। वह उसे किचन में लेकर गई, लेकिन वहाँ की अँगीठी की आग बुझ चुकी थी और किचन ठंडा था। जॉर्ज बाक़ी कमरों को देखने गई।

उसके डैडी की स्टडी की अँगीठी में अब भी अच्छी आग जल रही थी। वह और टिम स्टडी के अंदर गए। जॉर्ज ने बत्ती नहीं जलाई, क्योंकि आग की रोशनी से काफ़ी उजाला हो रहा था। वह बाथरूम की अलमारी से तेल की एक छोटी शीशी ले आई थी। उसने उसे गर्म करने के लिए आग के पास रख दिया।

फिर उसने कुत्ते के बालों से भरे सीने पर तेल मला। वह उम्मीद कर रही थी कि इससे उसकी खाँसी ठीक हो जाएगी। उसने धीरे से कहा, 'खाँसना मत, टिम। अगर तुम खाँसोगे, तो कोई तुम्हारी आवाज़ सुन सकता है। यहाँ आग के पास लेट जाओ और गर्मी ले लो। तुम्हारी सर्दी जल्दी ही ठीक हो जाएगी।'

टिमोथी क़ालीन पर लेट गया। अपनी प्यारी मालकिन के पास आकर अब वह बहुत ख़ुश था। उसने अपना सिर जॉर्ज के घुटने पर रख दिया। जॉर्ज ने उसे थपथपाया और धीरे-धीरे उससे कुछ बातें कीं।

आग की रोशनी कुछ अजीब यंत्रों और काँच की परखनलियों पर पड़ी, जो उसके डैडी की स्टडी की अलमारियों में रखी थीं। आग में एक लकड़ी थोड़ी सरकी और नीचे आ गई, जिससे चिंगारियों का बादल उठा। माहौल गर्म और शांत था।

जॉर्ज को नींद आने लगी। टिम ने भी अपनी आँखें बंद कर लीं और गर्मी में आराम करने लगा। जॉर्ज ने अपना सिर उसकी गर्दन पर रख लिया।

जब स्टडी की घड़ी में छह बजे के घंटे बजे, तब जाकर जॉर्ज की नींद खुली। अब आग बुझने के कारण कमरा ठंडा हो गया था और उसे कंपकंपी आ गई। हे भगवान! छह बज गए! जोआना जल्दी ही उठ जाएगी। कहीं वह टिमी और मुझे स्टडी में न देख ले!

'प्यारे टिम! उठो! तुम्हें अपने कुत्ताघर में जल्दी से पहुँचना है,' जॉर्ज धीरे से बोली। 'मुझे यक़ीन है कि तुम्हारी सर्दी अब ठीक हो रही है, क्योंकि अंदर आने के बाद से तुम एक बार भी नहीं खाँसे हो। उठ जाओ - और आवाज़ मत करना। श्श्श!'

टिम उठकर खड़ा हुआ और उसने अपने बाल

हिलाए। उसने जॉर्ज का हाथ चूम लिया। वह अच्छी तरह से समझता था कि उसे शांत रहना है। दोनों स्टडी से बाहर निकलकर हॉल में गए और सामने वाले दरवाज़े से बाहर निकल गए।

एक-दो मिनट में टिमोथी के गले में जंज़ीर बँध गई और वह अपने कुत्ताघर में भूसे पर लेट गया। जॉर्ज की इच्छा हो रही थी कि वह भी उसके साथ वहीं लेट जाए। उसने उसे थपथपाया ओर अंदर चली गई।

जब वह अपने बिस्तर पर पहुँची, तो उसे नींद आ रही थी और ठंड भी लग रही थी। उसे यह याद ही नहीं रहा कि वह बाहर के कपड़े पहने हुए है। वह जैसी थी, वैसी ही बिस्तर में घुस गई और एक मिनट में ही सो गई!

सुबह जब जॉर्ज अपने बिस्तर से उठी, तो एन यह देखकर हैरान हो गई कि जॉर्ज ने जीन्स और जर्सी पहन रखी थी।

उसने कहा, 'अरे, तुमने तो दिन के कपड़े पहन रखे हैं! लेकिन मैंने तुम्हें कल रात को सोते समय कपड़े बदलते *देखा* था।'

'चुप रहो,' जॉर्ज बोली। 'मैं कल रात को टिम के पास गई थी। मैं और टिम डैडी की स्टडी की आग के सामने बैठे और मैंने उसके सीने पर तेल मला। तुम इसके बारे में किसी को भी मत बताना! वादा करो!'

एन ने वादा कर लिया – और उसने अपना वादा निभाया भी। वह सोचने लगी कि जॉर्ज कितनी हिम्मत वाली थी, जो रात को अकेले बाहर निकल गई – वाक़ई वह बहुत गज़ब की लड़की थी!

11
महत्वपूर्ण पन्ने चोरी हो गए

'जॉर्ज, आज तुम अपने ग़ुस्से पर क़ाबू रखना,' जूलियन ने नाश्ते के बाद उससे कहा। 'इससे तुम्हें या टिमोथी को कोई फ़ायदा नहीं होगा।'

जॉर्ज बोली, 'क्या तुम्हें लगता है कि मैं ऐसा करूँगी, जबकि मैं अच्छी तरह जानती हूँ कि मिस्टर रोलैंड पूरी छुट्टियों में टिम को घर के अंदर आने की इजाज़त नहीं देंगे?'

डिक ने कहा, 'देखो – उन्होंने एक हफ़्ते की बात की थी। क्या तुम एक हफ़्ते तक कोशिश नहीं कर सकती हो?'

'नहीं। एक हफ़्ते बाद मिस्टर रोलैंड कहेंगे कि मुझे एक हफ़्ते और कोशिश करनी चाहिए,' जॉर्ज ने कहा। 'वे टिम से नफ़रत करते हैं – और मुझसे भी। मुझे इस बात से हैरानी नहीं है, क्योंकि मैं जानती हूँ कि जब मैं बुरी बनने की कोशिश करती हूँ, तो मैं सचमुच बहुत बुरी बन जाती हूँ। लेकिन उन्हें टिमी से तो नफ़रत नहीं करनी चाहिए।'

एन बोली, 'ओह जॉर्ज – बेवकूफ़ी मत करो, वरना

तुम मुश्किल में पड़ जाओगी और हमारी पूरी छुट्टियाँ बर्बाद हो जाएँगी।'

'छुट्टियाँ बर्बाद होती हैं, तो होने दो,' जॉर्ज बोली और उसके चेहरे पर एक बार फिर चिड़चिड़ा भाव आ गया।

जूलियन ने कहा, 'मुझे लगता है कि तुम अपने साथ-साथ हमारी छुट्टियाँ भी बर्बाद करोगी।'

'तुम्हें मेरे कारण अपनी छुट्टियाँ बर्बाद करने की ज़रूरत नहीं है,' जॉर्ज बोली। 'तुम तो मज़े कर सकते हो। अपने प्यारे मिस्टर रोलैंड के साथ घूमने जाना, शाम को उनके साथ खेलना और जितना चाहे उतना हँसना और बातें करना। तुम्हें मेरी तरफ़ ध्यान देने की ज़रूरत नहीं है।'

'तुम भी अजीब हो, जॉर्ज,' जूलियन ने आह भरते हुए कहा। 'हम तुम्हें पसंद करते हैं और तुम्हारे दुखी होने पर हमें बहुत बुरा लगता है। तुम और टिमी दुखी हो, यह जानने के बाद हम मज़े कैसे कर सकते हैं?'

'*मेरी* चिंता मत करो,' जॉर्ज रुँधे गले से बोली। 'मैं टिम के साथ बाहर जा रही हूँ। मैं आज नहीं पढ़ूँगी।'

'जॉर्ज! लेकिन तुम्हें पढ़ना चाहिए!' डिक और जूलियन ने एक साथ कहा।

'इसमें "चाहिए" वाली कोई बात नहीं है,' जॉर्ज बोली। 'मैं नहीं पढ़ूँगी, बस। मैं मिस्टर रोलैंड से तब

तक नहीं पढ़ूँगी, जब तक वे टिमोथी को घर के अंदर नहीं आने देते।'

डिक बोला, 'लेकिन तुम तो जानती हो कि तुम इस तरह की हरकत नहीं कर सकतीं। तुम्हें डाँट पड़ेगी और तुम्हारी अच्छी ख़बर ली जाएगी।'

'अगर हालत ज़्यादा बिगड़ेगी, तो मैं टिम के साथ घर से भाग जाऊँगी,' जॉर्ज ने काँपती आवाज़ में कहा।

वह कमरे से बाहर चली गई और उसने भड़ाम से दरवाज़ा बंद कर दिया। बाक़ी बच्चे उसे देखते ही रह गए। जॉर्ज जैसी लड़की के साथ कोई क्या कर सकता है! कोई भी प्यार से उससे अपनी बात मनवा सकता था - लेकिन अगर कोई उसे नापसंद करता हो या वह किसी को नापसंद करती हो, तो वह घोड़े की तरह बिदक जाती थी - और उसी की तरह लात भी मारने लगती थी!

मिस्टर रोलैंड ड्रॉइंग रूम में पुस्तकें लेकर आ गए। उन्होंने तीनों बच्चों को मुस्कराकर देखा।

'अच्छा? तो तुम लोग पढ़ने के लिए तैयार हो। लेकिन जॉर्जिना कहाँ है?'

किसी ने जवाब नहीं दिया। कोई भी जॉर्ज का भेद नहीं खोलना चाहता था!

'क्या तुम्हें नहीं पता कि वह कहाँ है?' मिस्टर रोलैंड ने हैरानी से जूलियन को देखते हुए पूछा।

'नहीं सर,' जूलियन ने सच बोलते हुए कहा। 'मुझे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं है कि वह कहाँ है।'

'अच्छा – शायद वह थोड़ी देर में आ जाएगी,' मिस्टर रोलैंड ने कहा। 'शायद अपने कुत्ते को खिलाने-पिलाने गई होगी।'

वे सभी पढ़ने बैठ गए। काफ़ी देर हो गई, लेकिन जॉर्ज नहीं आई। मिस्टर रोलैंड ने घड़ी की तरफ़ देखा और बेचैन होकर बोले।

'जॉर्जिना को तो बहुत देर हो गई। यह तो बहुत बुरी बात है! एन, जाकर देखो तो सही, वह कहाँ है।'

एन ने बेडरूम में झाँककर देखा। वहाँ जॉर्जिना नहीं थी। उसने किचन में देखा। वहाँ पर जोआना केक बना रही थी। उसने एन को केक का एक गर्म टुकड़ा दे दिया। एन को ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि जॉर्जिना कहाँ थी।

एन को वह कहीं नहीं मिली। उसने वापस जाकर जब मिस्टर रोलैंड को यह बताया, तो वे ग़ुस्से में दिखने लगे।

उन्होंने कहा, 'मुझे यह बात उसके डैडी को बतानी पड़ेगी। मैंने इतनी विद्रोही लड़की पहले कभी नहीं देखी। वह चुन-चुनकर ऐसे काम करती है, जिनसे वह मुश्किल में पड़ जाए।'

पढ़ाई आगे बढ़ती गई। आधी छुट्टी हो गई, लेकिन जॉर्ज अब भी नहीं आई। जूलियन ने बाहर जाकर देखा

कि बगीचे का कुत्ताघर ख़ाली था। तो जॉर्ज टिमी के साथ बाहर गई थी! जब वह वापस लौटेगी, तो कितनी मुश्किल में पड़ जाएगी!

जैसे ही बच्चे आधी छुट्टी के बाद पढ़ाई करने के लिए दोबारा बैठे, एक बड़ा व्यवधान आ गया।

क्वेंटिन अंकल परेशान और चिंतित दिखते हुए वहाँ आ गए।

उन्होंने पूछा, 'क्या तुममें से कोई बच्चा मेरी स्टडी में गया था?'

उन सभी ने जवाब दिया, 'नहीं, क्वेंटिन अंकल।'

जूलियन ने कहा, 'आपने ही तो हमें मना किया था कि हम वहाँ न जाएँ।'

मिस्टर रोलैंड ने पूछा, 'क्यों? क्या कुछ टूट-फूट गया है?'

'हाँ - मैंने कल प्रयोग के लिए जो परखनलियाँ लगाई थीं, वे टूटी पड़ी हैं और इससे भी बुरी बात यह है कि मेरी कॉपी के तीन सबसे महत्वपूर्ण पन्ने भी ग़ायब हैं,' क्वेंटिन अंकल बोले। 'मैं उन्हें दोबारा लिख तो सकता हूँ, लेकिन उसमें बहुत ज़्यादा मेहनत लगेगी। मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा है! बच्चो, तुम सच कह रहे हो ना कि तुममें से कोई भी मेरी स्टडी में नहीं गया?'

'बिलकुल,' उन्होंने जवाब दिया। लेकिन एन का

चेहरा लाल हो गया – उसे अचानक जॉर्ज की कही बातें याद आ गईं। जॉर्ज ने कहा था कि वह कल रात को टिमी को क्वेंटिन अंकल की स्टडी में ले गई थी और वहाँ उसके सीने पर तेल मला था! लेकिन जॉर्ज परखनलियाँ नहीं तोड़ सकती थी और अपने डैडी की कॉपी के पन्ने नहीं उठा सकती थी!

मिस्टर रोलैंड का ध्यान इस बात की तरफ़ चला गया कि एन का चेहरा लाल पड़ गया है।

उन्होंने पूछा, 'क्या तुम इस बारे में कुछ जानती हो, एन ?'

'नहीं, मिस्टर रोलैंड,' एन ने कहा। अब उसका चेहरा पहले से भी ज़्यादा लाल हो गया था और वह बहुत परेशान दिख रही थी।

अचानक क्वेंटिन अंकल ने पूछा, 'जॉर्ज कहाँ है ?'

बच्चों ने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन मिस्टर रोलैंड ने इस बात का जवाब दिया :

'हमें नहीं पता। आज सुबह वह पढ़ने भी नहीं आई।'

'पढ़ने नहीं आई! क्यों ?' क्वेंटिन अंकल ने पूछा और उनके माथे पर बल पड़ गए।

मिस्टर रोलैंड ने रूखी आवाज़ में कहा, 'उसने हमें बताया नहीं। मुझे लगता है, वह इस बात से दुखी होगी कि हमने कल रात को टिमोथी को घर के अंदर नहीं

आने दिया और यह उसका बग़ावत करने का तरीक़ा है।'

'शैतान लड़की!' जॉर्ज के डैडी ग़ुस्से से बोले। 'मैं नहीं जानता कि आजकल उसे क्या हो गया है! फ़ैनी! यहाँ आओ! क्या तुम्हें पता है कि जॉर्ज आज पढ़ने नहीं आई ?'

फ़ैनी आंटी कमरे में आ गईं। वे भी बहुत चिंतित दिख रही थीं। उनके हाथ में एक छोटी शीशी थी। बच्चों ने सोचा कि इस शीशी में क्या होगा!

'पढ़ने नहीं आई!' फ़ैनी आंटी ने दोहराया। 'कितनी अजीब बात है! तो फिर वह है कहाँ ?'

'मुझे नहीं लगता कि आपको उसके बारे में चिंता करने की ज़रूरत है,' मिस्टर रोलैंड ने चिकने-चुपड़े अंदाज़ में कहा। 'वह शायद ग़ुस्से में टिमोथी के साथ घूमने गई होगी। बहरहाल, इससे बहुत ज़्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी ने आपके काम में बाधा डाली है। मुझे उम्मीद है कि जॉर्ज ने ऐसा नहीं किया होगा। हो सकता है, उसने आपसे इस बात का बदला लिया हो कि आपने उसके कुत्ते को घर के अंदर आने की इजाज़त नहीं दी।'

'जॉर्ज ऐसा *कभी* नहीं कर सकती!' डिक ग़ुस्से से चिल्लाया। उससे यह बर्दाश्त नहीं हुआ कि कोई उसकी चचेरी बहन के बारे में ऐसी बात सोच भी सकता था।

जूलियन ने कहा, 'जॉर्ज ऐसा कभी नहीं करेगी।'

'नहीं, वह ऐसा कभी नहीं करेगी,' एन ने अपनी चचेरी बहन की तरफ़दारी करते हुए कहा, हालाँकि उसके मन में एक भयानक शंका भी थी। आख़िर – जॉर्ज कल रात को स्टडी में गई *थी!*

'क्वेंटिन, मुझे यक़ीन है कि जॉर्ज ऐसा करने के बारे में *सोच* भी नहीं सकती,' फ़ैनी आंटी बोलीं। 'तुम्हें वे पन्ने कहीं न कहीं मिल जाएँगे – और जहाँ तक टूटी हुई परखनलियों का सवाल है, शायद हवा के कारण उनसे पर्दा टकरा गया होगा या बिल्ली ने गिरा दी होंगी! तुमने वे पन्ने आख़िरी बार कब देखे थे?'

'कल रात को,' क्वेंटिन अंकल ने कहा। 'मैंने उन्हें दोबारा पढ़ा था और आँकड़ों की जाँच करके देखा था कि वे सही हैं या नहीं। उन पन्नों में मेरे फ़ॉर्मूले की जान है! अगर वे किसी के हाथ में पड़ गए, तो वह मेरे गोपनीय फ़ॉर्मूले का इस्तेमाल कर सकता है। यह बहुत बुरा होगा! मुझे यह पता लगाना ही होगा कि उनका क्या हुआ!'

'मुझे तुम्हारी स्टडी में यह शीशी मिली है, क्वेंटिन,' फ़ैनी आंटी ने उन्हें छोटी शीशी देते हुए कहा। 'इसे वहाँ कौन ले गया था? यह अँगीठी के पास मिली है।'

क्वेंटिन अंकल ने हैरानी से शीशी को लिया और उसे घूरकर देखा। 'कपूर का तेल,' उन्होंने कहा। 'ज़ाहिर है,

मैं इसे वहाँ नहीं ले गया। मैं इसे क्यों ले जाऊँगा?'

'तो फिर इसे वहाँ कौन ले गया?' फ़ैनी आंटी ने हैरानी से पूछा। 'किसी भी बच्चे को सर्दी नहीं है। और वैसे भी वे स्टडी में कपूर का तेल क्यों लगाएँगे! यह बड़ी अजीब बात है!'

सभी लोग बहुत हैरान थे। कपूर के तेल की शीशी स्टडी की अँगीठी के पास कैसे पहुँची?

सिर्फ़ एक ही व्यक्ति को इसका कारण पता था। अचानक एन को झटके से सब कुछ समझ में आ गया। जॉर्ज ने कहा था कि वह टिमी को स्टडी में ले गई थी और उसे तेल मला था, क्योंकि उसे खाँसी हो रही थी। और वह तेल स्टडी में ही भूल आई थी। हे भगवान, अब क्या होगा? कितने अफ़सोस की बात है कि जॉर्ज तेल की शीशी वहीं भूल आई थी!

तेल की शीशी को देखकर एन का चेहरा एक बार फिर लाल पड़ गया। मिस्टर रोलैंड की नज़रें उस सुबह कुछ ज़्यादा ही तेज़ थीं। उन्होंने एन को घूरकर देखा।

उन्होंने अचानक कहा, 'एन! क्या तुम इस तेल के बारे में कुछ जानती हो? क्या इसे वहाँ पर तुमने रखा था?'

'नहीं,' एन बोली। 'मैं स्टडी में नहीं गई। मैं पहले ही बता चुकी हूँ कि मैं वहाँ नहीं गई।'

'क्या तुम्हें इस तेल के बारे में कुछ पता है?' मिस्टर

रोलैंड ने दोबारा पूछा। 'तुम कुछ तो जानती हो।'

सभी लोग एन को हैरत से देखने लगे। एन भी सभी को देखने लगी। यह बहुत भयानक बात थी। वह जॉर्ज का भेद नहीं खोल सकती थी। वह ऐसा क़तई *नहीं* कर सकती थी। जॉर्ज पर वैसे ही कम मुश्किलें नहीं थीं। वह उसकी मुश्किलों को और नहीं बढ़ाना चाहती थी। उसने अपने छोटे से मुँह को कसकर बंद कर लिया और जवाब नहीं दिया।

मिस्टर रोलैंड ने सख़्ती से कहा, 'एन! मेरे सवाल का जवाब दो।'

एन ने कोई जवाब नहीं दिया। दोनों लड़के उसे घूरकर देखने लगे, क्योंकि उन्होंने अंदाज़ा लगा लिया कि इसका जॉर्ज से कोई संबंध होगा। उन्हें यह नहीं मालूम था कि कल रात को जॉर्ज टिमोथी को स्टडी में ले गई थी।

'एन बेटा,' उसकी आंटी प्यार से बोलीं। 'अगर तुम्हें कुछ मालूम हो, तो हमें बता दो। इससे हमें यह पता चल सकता है कि क्वेंटिन अंकल की कॉपी के पन्नों का क्या हुआ। यह बहुत महत्वपूर्ण बात है।'

फिर भी एन कुछ नहीं बोली। उसकी आँखों में आँसू आ गए। जूलियन ने उसका हाथ दबाया।

उसने कहा, 'अब आप लोग एन को परेशान न करें। जब उसने कह दिया है कि उसे कुछ नहीं मालूम, तो

फिर आप लोग उसे तंग क्यों कर रहे हैं?'

'मुझे लगता है कि वह जॉर्ज को बचा रही है,' मिस्टर रोलैंड ने कहा। 'है ना, एन?'

एन रोने लगी। जूलियन अपनी छोटी बहन की कमर में हाथ डालकर बोला।

'मैंने कहा ना, एन को तंग *मत करो!* क्या आपको दिख नहीं रहा है कि वह परेशान है?'

मिस्टर रोलैंड ने कहा, 'जब जॉर्ज आएगी, तो हम उसी से पूछ लेंगे। मुझे यक़ीन है, उसे पता होगा कि शीशी वहाँ कैसे पहुँची! और अगर उसने इसे वहाँ रखा है, तो वह ज़रूर स्टडी में गई होगी और वह वहाँ जाने वाली एकमात्र व्यक्ति है।'

लड़कों को एक पल के लिए भी नहीं लगा कि जॉर्ज अपने डैडी के काम को बिगाड़ सकती है। बहरहाल, एन को इस बात का डर था और इससे वह परेशान हो गई थी। वह जूलियन के गले लगकर सुबकने लगी।

'जब जॉर्ज आ जाए, तो उसे मेरे पास स्टडी में भेज देना।' क्वेंटिन अंकल ने चिढ़कर कहा। 'कोई आदमी इस तरह की झंझटों के बीच में काम कैसे कर सकता है? मैं हमेशा से बच्चों को घर में रखने के ख़िलाफ़ था।'

वे ग़ुस्से में पैर पटकते हुए और त्योरियाँ चढ़ाते हुए बाहर चले गए। बच्चे उन्हें जाते देखकर ख़ुश हुए। मिस्टर रोलैंड ने टेबल पर रखी किताबें बंद कर दीं।

उन्होंने कहा, 'अब आज की पढ़ाई ख़त्म। अपना सामान रख आओ और लंच तक बाहर घूमने जाओ।'

'हाँ,' फ़ैनी आंटी ने कहा, जिनका चेहरा सफ़ेद और चिंतित दिख रहा था। 'यही अच्छा रहेगा।'

फ़ैनी आंटी और मिस्टर रोलैंड कमरे से बाहर चले गए। जूलियन ने धीमी आवाज़ में कहा, 'मुझे लगता है, मिस्टर रोलैंड भी हमारे साथ बाहर चलने के बारे में सोच रहे होंगे। लेकिन हम उनसे बचकर पहले ही बाहर निकल चलते हैं। हमें जॉर्ज को ढूँढ़कर उसे चेतावनी देनी होगी।'

'ठीक है!' डिक बोला। 'अपनी आँखें पोंछ लो, एन। जल्दी से अपना सामान उठाओ। इससे पहले कि मिस्टर रोलैंड नीचे आएँ, हमें बगीचे के दरवाज़े से बाहर निकलना है। मुझे पूरा भरोसा है कि जॉर्ज चट्टानों की तरफ़ घूमने गई होगी। वह उसकी प्रिय जगह है। वह हमें वहीं मिलेगी!'

तीनों बच्चों ने बाहर के कपड़े पहने और चुपचाप बगीचे के दरवाज़े तक गए। वे बगीचे के रास्ते पर भागकर गए और गेट के बाहर निकल गए। मिस्टर रोलैंड को पता ही नहीं चला कि वे कब बाहर निकल गए! बच्चे जॉर्ज को खोजते हुए चट्टानों की तरफ़ जा रहे थे।

जूलियन ने इशारा करते हुए कहा, 'वह रही। साथ में टिमोथी भी है! जॉर्ज! जॉर्ज! जल्दी आओ, हमें तुम्हें कुछ बताना है!'

12
जॉर्ज संकट में

'क्या हुआ?' जॉर्ज ने पूछा, जब तीनों बच्चे भागकर उसके पास पहुँचे। 'क्या कुछ हो गया?'

'हाँ, जॉर्ज। किसी ने तुम्हारे डैडी की कॉपी के तीन सबसे महत्वपूर्ण पन्ने चुरा लिए हैं!' जूलियन ने हाँफते हुए कहा। 'और वे परखनलियाँ भी तोड़ दी हैं, जिनसे वे प्रयोग कर रहे थे। मिस्टर रोलैंड को लगता है कि यह काम तुमने किया होगा!'

'झूठे कहीं के!' जॉर्ज की नीली आँखें शोले बरसाने लगीं। 'मैं ऐसी हरकत कैसे कर सकती हूँ? उन्होंने यह सोच भी कैसे लिया कि मैं ऐसा कर सकती हूँ?'

'जॉर्ज, तुम तेल की शीशी भी स्टडी में ही छोड़ आई थीं,' एन बोली। 'मैंने किसी को भी कल रात वाली बात नहीं बताई - लेकिन किसी तरह मिस्टर रोलैंड ने अंदाज़ा लगा लिया कि तेल की शीशी से तुम्हारा कोई संबंध है।'

'क्या तुमने लड़कों को भी नहीं बताया कि मैं टिमी को अंदर लाई थी?' जॉर्ज ने पूछा। 'देखो जूलियन, बताने के लिए ज़्यादा कुछ नहीं है। मुझे रात को बेचारे

टिम के खाँसने की आवाज़ आई। मैं आधे कपड़े पहनकर नीचे गई और उसे स्टडी में ले गई, जहाँ अँगीठी में आग जल रही थी। मैंने मम्मी की तेल की वह शीशी भी उठा ली, जिसे वे सर्दी-खाँसी में अपने सीने पर मलती हैं। मैंने सोचा कि इससे टिमी की सर्दी भी ठीक हो जाएगी। मैंने उस पर अच्छी तरह तेल मल दिया – और हम दोनों ही आग के पास सुबह छह बजे तक सोते रहे। जब मैं जागी, तो मैं नींद में थी, इसलिए तेल की शीशी वहीं भूल आई। बस इतनी सी बात है।'

एन ने पूछा, 'और तुमने क्वेंटिन अंकल की कॉपी के पन्ने नहीं लिए और स्टडी में कोई चीज़ नहीं तोड़ी?'

जॉर्ज ने ग़ुस्से से कहा, 'बेवकूफ़ी की बातें मत करो। तुम मुझसे ऐसी चीज़ पूछ भी कैसे सकती हो? तुम पागल हो गई हो क्या? मैंने ऐसा कुछ भी नहीं किया।'

जॉर्ज कभी झूठ नहीं बोलती थी और बाक़ी लोग उसकी हर बात पर भरोसा करते थे। उन्होंने उसे घूरकर देखा और जॉर्ज भी पलटकर उन्हें घूरकर देखने लगी।

'तो फिर वे पन्ने कौन ले जा सकता है?' जूलियन ने पूछा। 'शायद वे तुम्हारे डैडी को कहीं पर मिल जाएँगे। मुझे लगता है, उन्होंने वे पन्ने किसी सुरक्षित जगह पर छिपा दिए होंगे और फिर भूल गए होंगे। रही बात परखनलियों की, तो वे संतुलन बिगड़ जाने के कारण टूट गई होंगी। उनमें से कुछ तो मुझे बहुत नाज़ुक

दिख रही थीं।'

जॉर्ज बोली, 'मुझे लगता है कि अब मैं टिम को स्टडी में ले जाने के कारण मुश्किल में पड़ जाऊँगी।'

'और आज सुबह पढ़ाई न करने के लिए भी,' डिक ने कहा। 'तुम भी सचमुच मूर्ख हो, जॉर्ज। मैंने आज तक कोई और नहीं देखा, जो तुम्हारी तरह मुश्किलों को अपने पास बुलाता है।'

एन ने सुझाव दिया, 'अच्छा यही रहेगा कि तुम थोड़ी देर बाद घर लौटो। तब तक सभी लोग थोड़े शांत हो जाएँगे।'

'नहीं,' जॉर्ज ने फ़ौरन कहा। 'अगर मुझे मुश्किल का सामना करना है, तो मैं यह काम तत्काल करूँगी! मुझे ज़रा भी डर नहीं लग रहा है!'

वह चट्टानी रास्ते पर धड़धड़ाती हुई चलने लगी और टिमी हमेशा की तरह उसके चारों तरफ़ भागने लगा। बाक़ी बच्चे पीछे-पीछे चलने लगे। उन्हें यह सोच-सोचकर बहुत बुरा लग रहा था कि जॉर्ज मुश्किल में फँसने वाली है।

वे लोग घर पहुँचकर गेट के अंदर घुसे।

मिस्टर रोलैंड ने उन्हें खिड़की से देख लिया और दरवाज़ा खोल दिया। उन्होंने जॉर्ज को देखा।

'तुम्हारे डैडी तुमसे स्टडी में मिलना चाहते हैं,' उन्होंने

कहा। फिर वे थोड़े ग़ुस्से से बाक़ी लोगों की तरफ़ मुड़े।

'तुम लोग मुझे छोड़कर क्यों चले गए? मैं भी तुम लोगों के साथ चलना चाहता था।'

'अच्छा सर? हमें यह बात पता नहीं थी,' जूलियन ने विनम्रता से कहा, लेकिन मिस्टर रोलैंड से नज़रें नहीं मिलाईं। 'हम लोग चट्टानों की तरफ़ चले गए थे।'

जब जॉर्ज अपना हैट और कोट उतार रही थी, जो मिस्टर रोलैंड ने उससे पूछा, 'जॉर्जिना, क्या तुम कल रात को स्टडी में गई थीं?'

जॉर्ज बोली, 'मैं आपके नहीं, अपने डैडी के सवालों का जवाब दूँगी।'

'तुम्हें अच्छी फटकार की ज़रूरत है,' मिस्टर रोलैंड ने कहा। 'और अगर मैं तुम्हारा डैडी होता, तो मैं तुम्हें अच्छी तरह मज़ा चखाता!'

'लेकिन आप मेरे डैडी नहीं हैं,' जॉर्ज ने जवाब दिया। वह स्टडी के दरवाज़े तक गई और उसे खोलकर अंदर झाँकने लगी। वहाँ पर कोई नहीं था।

जॉर्ज ने कहा, 'डैडी तो यहाँ नहीं हैं।'

'वे एक मिनट में आ जाएँगे,' मिस्टर रोलैंड बोले। 'अंदर जाकर इंतज़ार करो। और बाक़ी के लोग ऊपर जाओ और हाथ-मुँह धोकर लंच करने आ जाओ।'

बाक़ी तीनों बच्चों को सीढ़ियाँ चढ़ते समय महसूस

हुआ, जैसे वे जॉर्ज का साथ छोड़कर जा रहे हैं। उन्हें बाहर टिमी के कूँ-कूँ करने की आवाज़ आ रही थी। वह जानता था कि उसकी छोटी मालकिन संकट में थी और वह उसके पास रहना चाहता था।

जॉर्ज एक कुर्सी पर बैठकर आग की तरफ़ देखने लगी। वह याद कर रही थी कि वह कल रात को टिम के साथ क़ालीन पर बैठकर कैसे उसके बालों से भरे सीने पर तेल मल रही थी। वह भी कितनी बेवक़ूफ़ थी कि तेल की शीशी भूल गई!

उसके डैडी ग़ुस्से में अंदर आए। उन्होंने जॉर्ज को सख़्ती से देखा।

उन्होंने पूछा, 'क्या तुम कल रात को यहाँ आई थीं, जॉर्ज ?'

'हाँ, मैं आई थी,' जॉर्ज ने फ़ौरन जवाब दिया।

'तुम यहाँ क्या कर रही थीं ?' डैडी ने पूछा। 'तुम जानती हो कि बच्चों को मेरी स्टडी में आने की इजाज़त नहीं है।'

'मैं जानती हूँ,' जॉर्ज ने कहा। 'लेकिन टिमी को बहुत बुरी खाँसी चल रही थी और मैं यह सहन नहीं कर पाई। इसलिए मैं एक बजे के क़रीब नीचे उतरी और उसे अंदर ले आई। घर में सिर्फ़ यही कमरा गर्म था, इसलिए मैं यहाँ बैठ गई और उसके सीने पर वह तेल मला, जो मम्मी सर्दी होने पर मलती हैं।'

'कुत्ते के सीने पर कपूर का तेल मला!' उसके डैडी ने आश्चर्य से पूछा। 'कितना मूर्खता भरा काम था! जैसे इससे उसे कोई फ़ायदा होगा!'

'यह मुझे मूर्खता भरा काम नहीं लगा था,' जॉर्ज ने कहा। 'मुझे यह समझदारी भरा काम लगा था। और मैं आपको बता दूँ, टिमी की खाँसी आज ज़्यादा अच्छी है। मुझे अफ़सोस है कि मैं आपकी स्टडी में आई थी। लेकिन यक़ीन मानिए, मैंने आपकी एक चीज़ को भी हाथ तक नहीं लगाया।'

'जॉर्ज, एक गंभीर बात हो गई है,' उसके डैडी ने उसे गंभीरता से देखते हुए कहा। 'मैं जिन परखनलियों से एक महत्त्वपूर्ण प्रयोग कर रहा था, वे टूट गई हैं – और इससे भी बुरी बात यह है कि मेरी कॉपी के तीन महत्वपूर्ण पन्ने भी चोरी हो गए हैं। मुझे सच-सच बताओ कि क्या तुम इस बारे में कुछ जानती हो।'

'मैं इस बारे में कुछ नहीं जानती,' जॉर्ज ने सीधे अपने डैडी की आँखों में देखते हुए कहा। उनकी तरफ़ देखते समय उसकी आँखें बहुत नीली और साफ़ थीं। डैडी को लगा कि जॉर्ज सच बोल रही है। उसे पता नहीं था कि कितना बड़ा नुक़सान हुआ है। लेकिन वे पन्ने आख़िर गए कहाँ?

'जॉर्ज, कल रात को जब मैं ग्यारह बजे सोने गया था, तो हर चीज़ सही थी,' उन्होंने कहा। 'मैंने उन तीन

महत्वपूर्ण पन्नों को पढ़कर आँकड़ों की जाँच की थी। लेकिन कमाल है, आज सुबह वे ग़ायब थे।'

'तब तो कोई उन्हें ग्यारह से एक बजे के बीच में ही ले गया होगा,' जॉर्ज ने कहा। 'मैं रात एक बजे से सुबह छह बजे तक स्टडी में ही थी।'

'लेकिन उन्हें भला *कौन* ले जा सकता है?' डैडी बोले। 'जहाँ तक मुझे याद है, खिड़की बंद थी। और मेरे अलावा कोई भी नहीं जानता था कि वे तीन पन्ने इतने महत्वपूर्ण थे। यह बहुत अजीब बात है।'

जॉर्ज ने धीरे से कहा, 'शायद मिस्टर रोलैंड जानते थे।'

'पागलों जैसी बात मत करो,' डैडी ने कहा। 'अगर उन्हें पता भी था कि वे महत्वपूर्ण थे, तो भी वे उन्हें नहीं चुरा सकते थे। वे बड़े सज्जन आदमी हैं। और इस बात से मुझे याद आया - जॉर्ज, तुम आज सुबह पढ़ने क्यों नहीं गईं?'

'अब मैं मिस्टर रोलैंड से नहीं पढ़ूँगी,' जॉर्ज ने कहा। 'मुझे उनसे नफ़रत है!'

'जॉर्ज! मैं इस तरह की बात बर्दाश्त *नहीं* कर सकता!' डैडी बोले। 'क्या तुम यह चाहती हो कि टिम तुमसे हमेशा के लिए बिछड़ जाए?'

'नहीं?' जॉर्ज ने कहा। उसके घुटने काँपने लगे थे। 'यह अच्छी बात नहीं है कि आप टिमोथी को बाहर

निकालने की धमकी देकर मुझसे ज़बर्दस्ती काम करवाने की कोशिश करते हैं। अगर - अगर - आप ऐसा करेंगे - तो मैं घर से भाग जाऊँगी!'

जॉर्ज की आँखों में आँसू नहीं थे। वह अपनी कुर्सी पर तनकर बैठी थी और अपने डैडी को घूरकर देख रही थी। वह कितनी ज़िद्दी लड़की थी! उसके डैडी ने आह भरी और उन्हें याद आया कि उनके बचपन में उन्हें भी 'ज़िद्दी' कहा जाता था। शायद जॉर्ज उन्हीं पर गई थी। वह अच्छी और मधुरभाषी बन सकती थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ था।

उसके डैडी को समझ में नहीं आया कि जॉर्ज को क्या सज़ा दी जाए। उन्होंने सोचा कि इस बारे में अपनी पत्नी से बात करना ठीक रहेगा। वे उठकर दरवाज़े तक गए।

'तुम यहीं रुकना, जॉर्ज। मैं एक मिनट में आता हूँ। मैं तुम्हारे बारे में तुम्हारी मम्मी से बात करने जा रहा हूँ।'

'मिस्टर रोलैंड से मेरे बारे में बात मत करना,' जॉर्ज ने कहा, जिसे पूरा भरोसा था कि टीचर उसके और टिमी के लिए भयंकर सज़ा का इंतज़ाम कर देंगे। 'ओह डैडी, अगर कल रात को टिमोथी घर में होता और हमेशा की तरह मेरे कमरे में सो रहा होता, तो वह उस आदमी की आवाज़ सुन लेता, जिसने आपके पन्ने

चुराए हैं – और वह भौंककर घर वालों को जगा देता!'

उसके डैडी कुछ नहीं बोले, लेकिन वे जानते थे कि जॉर्ज ने जो कहा था, वह सच है। टिमी किसी को भी स्टडी में नहीं घुसने देता। वैसे यह अजीब था कि अगर कोई स्टडी की खिड़की में से अंदर घुसा था, तो वह रात को भौंका क्यों नहीं! लेकिन शायद उसने इसलिए आहट नहीं सुनी हो, क्योंकि वह मकान के दूसरी तरफ़ था।

दरवाज़ा बंद हो गया। जॉर्ज अपनी कुर्सी पर चुपचाप बैठी रही और मैंटलपीस की तरफ़ देखती रही, जहाँ एक घड़ी टिक-टिक कर रही थी। वह बहुत दुखी महसूस करने लगी। हर चीज़ ग़लत हो रही थी, हर चीज़!

मैंटलपीस के ऊपर लकड़ी के पटिये लगे थे। कुल आठ पटिये थे। जॉर्ज ने याद करने की कोशिश की, उसने आठ पटियों के बारे में पहले कहाँ सुना था? ज़ाहिर है – ख़ुफ़िया रास्ते के बारे में। लिनेन के टुकड़े पर आठ पटियों के चौखाने बने थे।

जॉर्ज ने खिड़की से बाहर देखा और सोचने लगी कि क्या यह पूर्व दिशा में खुलती है। उसने देखा कि सूर्य इस समय कहाँ था – सूर्य की किरणें उस समय कमरे में नहीं आ रही थीं – लेकिन सुबह-सुबह खिड़की से धूप आती थी – इसलिए इसका मुँह पूर्व दिशा में ही होगा। ओह – यहाँ एक कमरा था, जिसका मुँह पूर्व दिशा में था और जिसमें लकड़ी के आठ पटिये थे। तभी उसने सोचा

कि क्या इसका फ़र्श पत्थर का है।

फ़र्श एक बड़े मोटे गलीचे से ढँका था। जॉर्ज उठकर खड़ी हुई और दीवार तक गई। उसने गलीचे के कोने को ऊपर खींचा। उसे तत्काल दिख गया कि नीचे का फ़र्श बड़े समतल पत्थरों से बना था। तो स्टडी का फ़र्श भी पत्थर का था!

वह दोबारा बैठकर लकड़ी के पटियों को देखने लगी और उसने यह याद करने की कोशिश की कि लिनेन के चिथड़े में किस पटिये पर क्रॉस का निशान बना था। लेकिन उस चिथड़े का संबंध किरिन कॉटेज के कमरे से कैसे हो सकता है! ख़ुफ़िया रास्ता तो किरिन फ़ार्महाउस से ही शुरू होता होगा।

लेकिन मान लो यह किरिन कॉटेज में शुरू होता हो! निश्चित रूप से इसके दिशा-निर्देश किरिन फ़ार्महाउस में मिले थे - लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं था कि ख़ुफ़िया रास्ता वहीं से शुरू होता था, हालाँकि मिसेज़ सैंडर्स ऐसा ही मानती थीं।

जॉर्ज रोमांचित महसूस कर रही थी। उसने सोचा, 'मैं इन आठों पटियों को ठोंककर यह पता लगाने की कोशिश करती हूँ कि लिनेन के उस चिथड़े में किस पटिये पर निशान लगा था। हो सकता है, वह पटिया सरक जाए और अचानक दरवाज़ा खुल जाए!'

वह अपनी क़िस्मत आज़माने के लिए उठी - लेकिन

उसी पल दरवाज़ा दोबारा खुल गया और उसके डैडी बड़ी गंभीर मुद्रा में अंदर आए।

उन्होंने कहा, 'मैंने तुम्हारी मम्मी से बात कर ली है। वे मुझसे सहमत हैं कि तुम बहुत अनुशासनहीन और बदतमीज़ हो गई हो। हम इस तरह के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं कर सकते, जॉर्ज। तुम्हें सज़ा देनी ही होगी।'

जॉर्ज ने चिंता से अपने पिता की तरफ़ देखा। वह बस यही चाहती थी कि उसकी सज़ा का संबंध टिमोथी से न हो! लेकिन वही हुआ, जिसका डर था।

'तुम आज पूरे दिन अपने कमरे में बिस्तर पर रहोगी और तीन दिन तक टिमोथी से नहीं मिलोगी,' उसके डैडी ने कहा। 'मैं जूलियन से कह दूँगा कि वह उसे खाना खिला दे और घुमाने ले जाए। अगर तुम आगे भी नहीं सुधरीं, तो हमें मजबूरन टिमोथी को इस घर से निकालना पड़ेगा। मुझे तो लगता है कि उस कुत्ते का तुम पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।'

'नहीं, ऐसा नहीं है,' जॉर्ज चिल्लाई। 'ओह, अगर मैं उससे तीन दिन तक नहीं मिलूँगी, तो वह दुखी हो जाएगा।'

'इस बारे में और कुछ न कहा जाए, तो ही अच्छा है,' उसके डैडी बोले। 'जॉर्ज, अब तुम सीधे अपने कमरे में जाओ और मैंने जो कहा है, उस पर अच्छी तरह

सोच-विचार करो। मैं इन छुट्टियों में तुम्हारे व्यवहार से बहुत निराश हूँ। मैं यह सोच रहा था कि तुम्हारे चचेरे भाई-बहनों के प्रभाव से तुम सुधर जाओगी। लेकिन तुम तो पहले से भी ज़्यादा बिगड़ गई हो।'

उन्होंने दरवाज़ा खोल दिया और जॉर्ज सिर तानकर बाहर निकल गई। आवाज़ों से उसे समझ में आ गया कि बाक़ी लोग डाइनिंग रूम में लंच कर रहे हैं। वह सीधे अपने कमरे में ऊपर गई और कपड़े बदल लिए। वह बिस्तर में घुस गई और इस बात पर दुखी होती रही कि अब वह तीन दिन तक टिम से नहीं मिल पाएगी। वह उसकी जुदाई कैसे झेल पाएगी! कोई भी यह नहीं जान सकता कि वह टिमोथी से कितना प्यार करती है!

जोआना जॉर्ज के लिए खाना लेकर ऊपर आई। उसने चहकते हुए कहा, 'अफ़सोस कि तुम्हें सज़ा मिली है। अब तुम समझदारी से अच्छा व्यवहार करो। फिर तुम्हें पूरी आज़ादी मिल जाएगी।'

जॉर्ज ने अनमने ढंग से खाना खाया। उसे ज़रा भी भूख नहीं थी। वह बिस्तर पर लेट गई और टिम तथा मैंटलपीस के ऊपर लगे आठ पटियों के बारे में सोचती रही। क्या ख़ुफ़िया रास्ते वाले दिशा-निर्देश में यही पटिये दिखाए गए थे? उसने खिड़की से बाहर देखा और सोचती रही।

अचानक वह बैठती हुई बोली, 'अरे, बाहर तो बर्फ़

गिर रही है। आज सुबह धूसर आसमान को देखकर ही मैं समझ गई थी कि आज बर्फ़ गिरेगी। बर्फ़ तेज़ी से गिर रही है! रात तक इसकी मोटी परत जम जाएगी – जो शायद कई इंच गहरी होगी। ओह, बेचारा टिमोथी! उम्मीद है, जूलियन इस बात का इंतज़ाम कर देगा कि कुत्ताघर का मुँह बर्फ़ के झोंकों से दूर रहे।'

जॉर्ज के पास लेटकर सोचने के लिए काफ़ी समय था। जोआना खाने की ट्रे उठाकर ले गई। जॉर्ज से मिलने और कोई नहीं आया। जॉर्ज को यक़ीन था कि बाक़ी बच्चों को ऊपर आकर उससे बात करने के लिए मना कर दिया गया होगा। वह बहुत अकेलापन महसूस कर रही थी।

उसने अपने डैडी के चोरी गए पन्नों के बारे में सोचा। क्या मिस्टर रोलैंड उन्हें चुरा सकते थे? आख़िर वे उसके डैडी के काम में बहुत रुचि लेते थे और उनके काम को समझते भी थे। चोर को यह ज़रूर पता होगा कि महत्वपूर्ण पन्ने कौन से थे। अगर चोर बाहर से आया होता, तो टिमोथी ज़रूर भौंकता, भले ही स्टडी मकान के दूसरी तरफ़ थी। टिमी के कान बहुत तेज़ थे।

जॉर्ज ने सोचा, 'मुझे लगता है, यह काम *अंदर* के ही किसी व्यक्ति का है। यह तो तय है कि यह किसी बच्चे ने नहीं किया है। न ही मम्मी या जोआना ने। अब सिर्फ़ मिस्टर रोलैंड ही बचते हैं। और जिस रात को टिमी ने

गुर्राकर मुझे जगाया था, उस रात को वे मुझे स्टडी में ही तो मिले थे।'

वह अचानक बिस्तर पर बैठ गई। उसने सोचा, 'मुझे यक़ीन है कि मिस्टर रोलैंड ने टिमोथी को घर से बाहर इसीलिए रखवाया था, क्योंकि वे दोबारा स्टडी में जाकर चोरी करना चाहते होंगे और उन्हें यह डर होगा कि टिम भौंक देगा! तभी वे इस बात पर इतना ज़ोर दे रहे थे कि टिम को घर से बाहर रखना चाहिए, जबकि बाक़ी सभी लोग उसे अंदर बुलाने का अनुरोध कर रहे थे। मुझे पूरा यक़ीन है कि मिस्टर रोलैंड ही चोर हैं!'

छोटी लड़की बहुत रोमांचित महसूस करने लगी। क्या यह हो सकता है कि टीचर ने पन्ने चुराए होंगे – और उन महत्वपूर्ण परखनलियों को तोड़ा होगा ? उसकी बहुत इच्छा हो रही थी कि बाक़ी लोग उससे मिलने आएँ, ताकि वह उन्हें भी ये सारी चीज़ें बता सके!

13
जूलियन की हैरानी

नीचे की मंज़िल पर तीनों बच्चे बैठकर जॉर्ज के बारे में अफ़सोस कर रहे थे। क्वेंटिन अंकल ने उन्हें हिदायत दी थी कि वे ऊपर जाकर जॉर्ज से न मिलें।

उन्होंने कहा था, 'अगर जॉर्ज कुछ देर तक अकेली रहकर सोच-विचार करेगी, तो इससे उसे फ़ायदा होगा।'

'बेचारी जॉर्ज,' जूलियन ने कहा। 'बहुत बुरा हुआ, है ना? ओह - ज़रा बर्फ़ को तो देखो!'

बर्फ़ बहुत तेज़ी से गिर रही थी। जूलियन ने खिड़की से बाहर झाँककर देखा। उसने कहा, 'मैं जाकर देखता हूँ कि टिमी का कुत्ताघर तो ठीक है। हम नहीं चाहते कि वह सिर तक बर्फ़ से ढँक जाए! मुझे लगता है, वह बर्फ़ को देखकर हैरान हो रहा होगा!'

टिमोथी निश्चित रूप से यह देखकर हैरान था कि हर जगह सफ़ेद नर्म चीज़ से ढँकी थी। वह अपने कुत्ताघर में बैठकर बर्फ़ के गिरते टुकड़ों को देख रहा था। उसकी बड़ी भूरी आँखें ज़मीन तक उनका पीछा कर रही थीं। वह हैरान और दुखी था। वह यहाँ इतनी ठंड में अकेला क्यों है? जॉर्ज उसके पास क्यों नहीं आई? क्या अब

वह उसे प्यार नहीं करती है? टिमी बहुत दुखी था; वह जॉर्ज जितना ही दुखी था!

वह जूलियन को देखकर ख़ुश हुआ। वह उसकी तरफ़ उछला और उसने उसका चेहरा चाट लिया। 'प्यारे टिम!' जूलियन ने कहा। 'तुम ठीक तो हो? मैं यहाँ से थोड़ी बर्फ़ हटा देता हूँ और तुम्हारे कुत्ताघर को दूसरी दिशा में घुमा देता हूँ, ताकि बर्फ़ अंदर उड़कर न आए। यह लो - अब ठीक है। नहीं, हम घूमने नहीं जा रहे हैं - अभी नहीं।'

कुत्ते को थपथपाकर थोड़ी तसल्ली देने के बाद जूलियन अंदर चला गया। बाक़ी बच्चे उसे ड्रॉइंग रूम के दरवाज़े पर मिले।

'जूलियन! मिस्टर रोलैंड अकेले बाहर जा रहे हैं, फ़ैनी आंटी लेटी हैं और क्वेंटिन अंकल अपनी स्टडी में हैं। हम ऊपर जाकर जॉर्ज से मिल आएँ?'

'हमें मना किया गया है,' जूलियन ने शंका भरी आवाज़ में कहा।

'मैं जानता हूँ,' डिक बोला। 'लेकिन मैं जॉर्ज को ख़ुश करने की ख़ातिर इतना जोखिम ले सकता हूँ। उसे बहुत बुरा लग रहा होगा। वह दिन भर से अकेली है और उसे पता है कि वह टिम को कई दिनों तक नहीं देख पाएगी।'

'अच्छा - मैं ऊपर जाकर देखता हूँ, क्योंकि मैं सबसे

बड़ा हूँ,' जूलियन ने कहा। 'तुम दोनों यहीं ड्रॉइंग रूम में बैठकर बातें करो। इससे क्वेंटिन अंकल को लगेगा कि हम सब यहीं हैं। मैं चुपचाप ऊपर जाकर जॉर्ज से कुछ मिनट बात करके आता हूँ।'

'ठीक है,' डिक बोला। 'उसे हमारा प्यार देना और यह बता देना कि हम टिमी की देखभाल करेंगे।'

जूलियन चुपचाप सीढ़ियाँ चढ़ गया। उसने जॉर्ज के कमरे का दरवाज़ा खोला और अंदर झाँककर देखा। अंदर जाकर उसने दरवाज़ा बंद कर दिया। जॉर्ज अपने बिस्तर पर बैठकर उसे ख़ुशी से देखने लगी।

'श्श्श!' जूलियन बोला। 'हमें यहाँ आने की मनाही है!'

'ओह जूलियन!' जॉर्ज ने ख़ुशी से कहा। 'कितना अच्छा हुआ कि तुम आ गए। मैं बहुत अकेलापन महसूस कर रही थी। पलंग के इस तरफ़ आ जाओ। फिर अगर कोई अचानक आ जाएगा, तो तुम नीचे झुककर छिप सकते हो।'

जूलियन पलंग की दूसरी तरफ़ चला गया। जॉर्ज उसे वे सब बातें बताने लगी, जो वह सोच रही थी।

उसने कहा, 'मुझे यक़ीन है कि मिस्टर रोलैंड ही चोर हैं! मुझे सचमुच यक़ीन है! जूलियन, मैं ऐसा इसलिए नहीं कह रही हूँ क्योंकि मैं उनसे नफ़रत करती हूँ। आख़िर, मैंने उन्हें एक दोपहर को स्टडी में चुपके से

ताक-झाँक करते देखा था और दूसरी बार आधी रात को भी वहाँ देखा था। उन्होंने मेरे डैडी के काम के बारे में सुना होगा और वे किरिन में इसे चुराने आए होंगे। उनकी क़िस्मत अच्छी थी कि हमें एक टीचर की ज़रूरत थी। मुझे यक़ीन है कि कॉपी के पन्ने उन्हीं ने चुराए हैं और मुझे यह भी यक़ीन है कि वे टिमी को घर से बाहर इसीलिए रखवाना चाहते थे, ताकि उनके चोरी करने पर टिमी शोर न मचाए।'

'ओह, जॉर्ज – मुझे नहीं लगता,' जूलियन ने कहा, जिसे दरअसल अब भी यह विश्वास नहीं था कि टीचर ऐसा काम कर सकते हैं। 'यह सब बहुत अविश्वसनीय और दूर की कल्पना लगती है।'

'दुनिया में बहुत सी अविश्वसनीय चीज़ें होती हैं,' जॉर्ज बोली। 'और यह उनमें से एक है।'

'अच्छा, अगर मिस्टर रोलैंड ने पन्ने चुराए हैं, तो पन्ने अब भी घर में ही होंगे,' जूलियन ने कहा। 'वे आज दिन भर से कहीं बाहर नहीं गए हैं। वे पन्ने उनके बेडरूम में ही होंगे।'

'और क्या?' जॉर्ज ने रोमांचित दिखते हुए कहा। 'काश वे बाहर चले जाएँ! फिर मैं उनके कमरे की तलाशी ले लूँगी।'

जूलियन सहमकर बोला, 'जॉर्ज, तुम इस तरह के काम नहीं कर सकतीं।'

'तुम नहीं जानते कि मैं क्या-क्या कर सकती हूँ, बशर्ते मैं करना चाहूँ,' जॉर्ज सख़्त अंदाज़ में बोली। 'अरे, यह कैसी आवाज़ है?'

दरवाज़ा धड़ाम से बंद हुआ था। जूलियन ने सावधानी से खिड़की से झाँका। बर्फ़ गिरना बंद हो गई थी और मिस्टर रोलैंड ने घर से बाहर निकलने के मौक़े का फ़ायदा उठा लिया था।

जूलियन ने कहा, 'मिस्टर रोलैंड बाहर जा रहे हैं।'

'ऊऊऊह - मैं अभी जाकर उनके कमरे की तलाशी ले लेती हूँ, लेकिन इस बीच तुम खिड़की पर निगाह रखना और उनके लौटने पर मुझे बता देना,' जॉर्ज ने अपने बिस्तर के कपड़ों को उछालते हुए कहा।

'नहीं जॉर्ज, ऐसा मत करो,' जूलियन ने कहा। 'इस तरह से किसी दूसरे के कमरे की तलाशी लेना बहुत बुरी बात है। और वैसे भी, मुझे लगता है, वे पन्ने अपने साथ ही ले गए होंगे। हो सकता है कि मिस्टर रोलैंड वे पन्ने किसी दूसरे को देने ही जा रहे हों!'

'मैंने यह तो सोचा ही नहीं था,' जॉर्ज ने आँखें फाड़कर देखा। 'यह तो बहुत बुरा होगा! लेकिन वे यह काम कर सकते हैं। वे किरिन फ़ार्महाउस में रहने वाले पेंटरों को जानते हैं। हो सकता है, वे भी इस साज़िश में शामिल हों।'

'जॉर्ज, बेवकूफ़ी की बातें मत करो,' जूलियन ने

कहा। 'तुम तो राई का पहाड़ बना रही हो और ख़ामख़्वाह साज़िशों की बात कर रही हो! कोई भी सोचेगा कि हम एक बहुत रोमांचक अभियान के बीच में हैं।'

'मुझे लगता तो ऐसा ही है,' जॉर्ज ने अप्रत्याशित ढंग से कहा और वह थोड़ी गंभीर दिखने लगी। 'मैं यह महसूस कर रही हूँ कि मैं एक बहुत ही रोमांचक अभियान के बीच में हूँ!'

जूलियन ने अपनी चचेरी बहन की तरफ़ देखते हुए सोचा, क्या उसकी बातों में दम था ?

जॉर्ज ने कहा, 'जूलियन, क्या तुम मेरा एक काम करोगे ?'

'हाँ,' जूलियन ने फ़ौरन कहा।

'तुम जाकर मिस्टर रोलैंड का पीछा करो,' जॉर्ज बोली। 'उन्हें दिखना मत। हॉल की अलमारी में एक सफ़ेद बरसाती रखी है। अगर तुम उसे पहन लोगे, तो तुम बर्फ़ में आसानी से नज़र नहीं आओगे। उनका पीछा करके देखो कि क्या वे किसी को मेरे डैडी की कॉपी के पन्ने देते हैं – तुम जानते हो कि वे बड़े पन्नों वाली कॉपी में लिखते हैं। वे पन्ने बहुत बड़े हैं।'

'ठीक है,' जूलियन बोला। 'मैं ऐसा ही करता हूँ, लेकिन पहले तुम यह वादा करो कि तुम मिस्टर रोलैंड के कमरे की तलाशी नहीं लोगी। तुम इस तरह के काम नहीं कर सकतीं, जॉर्ज।'

'मैं कर तो सकती हूँ,' जॉर्ज ने कहा। 'लेकिन मैं ऐसा करूँगी नहीं, बशर्ते तुम मिस्टर रोलैंड का पीछा करो। मुझे यक़ीन है कि मिस्टर रोलैंड चुराए गए पन्नों को इस साज़िश में शामिल दूसरे लोगों को देने जा रहे हैं। और मैं शर्त लगाती हूँ कि वे किरिन फ़ार्महाउस वाले दोनों पेंटर होंगे, जिनसे अपरिचित होने का वे नाटक कर रहे थे!'

'तुम्हें यह पता चल जाएगा कि तुम्हारा अंदाज़ा बिलकुल ग़लत है,' जूलियन दरवाज़े तक पहुँचते हुए बोला। 'मुझे लगता है कि मैं मिस्टर रोलैंड का पीछा नहीं कर पाऊँगा - वे पाँच मिनट पहले गए होंगे!'

'तुम आसानी से उनका पीछा कर लोगे। बर्फ़ में उनके जूतों के गहरे निशान बने होंगे,' जॉर्ज ने कहा। 'ओह जूलियन - मैं तुम्हें एक और रोमांचक बात बताना तो भूल ही गई। लेकिन अभी उसे बताने का वक़्त नहीं है। जब तुम लौटकर आओगे, तो मैं तुम्हें बताऊँगी, बशर्ते तुम दोबारा ऊपर आ सको। मुझे तुम्हें ख़ुफ़िया रास्ते के बारे में कुछ बताना है।'

'सचमुच ?' जूलियन ख़ुश होकर बोला। वह बहुत निराश था कि वे ख़ुफ़िया रास्ते को नहीं ढूँढ पाए थे। 'ठीक है - मैं बाद में ऊपर आने की कोशिश करूँगा। अगर मैं नहीं आऊँ, तो तुम समझ लेना कि मैं नहीं आ सकता। तुम सोने के वक़्त हमारे आने का इंतज़ार

करना।'

बाहर जाते समय उसने धीरे से दरवाज़ा बंद कर दिया। नीचे जाकर उसने ड्रॉइंग रूम में झाँककर डिक और एन को बताया कि वह टीचर का पीछा करने जा रहा है।

उसने कहा, 'मैं तुम्हें पूरी बात बाद में बताऊँगा।' उसने सफ़ेद बरसाती पहन ली और बाहर बगीचे में चला गया। बर्फ़ अब फिर से गिरने लगी थी, लेकिन यह इतनी तेज़ नहीं गिर रही थी कि मिस्टर रोलैंड के गहरे क़दमों के निशान उसमें छिप जाते। वे बड़े वेलिंगटन जूते पहनकर गए थे, जिनके निशान छह इंच गहरी बर्फ़ में अच्छी तरह दिख रहे थे।

जूलियन तेज़ी से जूतों के निशानों के पीछे-पीछे चलने लगा। अब चारों तरफ़ जाड़े का सही माहौल था। आसमान में काले बादल नीचे घुमड़ रहे थे। वह समझ गया कि बर्फ़ और गिरेगी। हालाँकि वह मिस्टर रोलैंड को नहीं देख पा रहा था, लेकिन वह उनके जूतों के निशानों के पीछे-पीछे चलता गया।

सड़क से होते हुए वह मैदान की तरफ़ जाने वाले रास्ते पर पहुँच गया। जूलियन कई बार लड़खड़ाया, क्योंकि उसकी नज़रें जूतों के निशानों पर गड़ी हुई थीं। अचानक उसे कुछ आवाज़ें सुनाई दीं और वह रुक गया। उसके दाहिनी तरफ़ एक बड़ी झाड़ी थी और

आवाज़ें वहीं से आ रही थीं। जब जूलियन झाड़ी के क़रीब पहुँचा, तो उसे अपने टीचर की आवाज़ सुनाई दी, जो धीमी आवाज़ में बोल रहे थे। लेकिन वे क्या बोल रहे थे, यह जूलियन को सुनाई नहीं दिया।

उसने सोचा, 'टीचर किससे बातें कर सकते हैं?' वह झाड़ी के थोड़ा और क़रीब गया। उसके अंदर एक ख़ाली जगह थी। जूलियन ने सोचा कि वह इस काँटेदार झाड़ी में घुसकर दूसरी तरफ़ झाँककर देख सकता है। वह सावधानी से रेंगता हुआ और काँटेदार टहनियों से बचता हुआ वह झाड़ी के अंदर गया।

उसने काँटेदार टहनियों को धीरे-धीरे और सावधानी से अलग किया। उसे यह देखकर हैरानी हुई कि मिस्टर रोलैंड किरिन फ़ार्महाउस के पेंटरों मिस्टर थॉमस और मिस्टर विल्टन से बातें कर रहे हैं! तो जॉर्ज सही कह रही थी। टीचर उन्हें जानते थे। और जूलियन के देखते ही देखते मिस्टर रोलैंड ने मिस्टर थॉमस को मुड़े हुए कुछ पन्ने दे दिए।

जूलियन ने सोचा, 'ये पन्ने तो क्वेंटिन अंकल की कॉपी के ही लग रहे हैं। बड़ी अजीब बात है। यह तो गंभीर साज़िश लगती है और मिस्टर रोलैंड इसके सरगना लगते हैं!'

मिस्टर थॉमस ने पन्ने अपने ओवरकोट की जेब में रख लिए। आदमियों ने कुछ और शब्द बुदबुदाकर बोले,

जो जूलियन के तेज़ कान भी नहीं सुन पाए और फिर वे अलग-अलग रास्तों पर चल दिए। दोनों पेंटर किरिन फ़ार्महाउस की तरफ़ चल दिए और मिस्टर रोलैंड मैदान की तरफ़ वाले रास्ते पर रवाना हो गए। जूलियन काँटेदार झाड़ी की खोखली जगह में झुक गया। वह सोच रहा था कि कहीं टीचर पलटकर उसे देख न लें। क़िस्मत से उन्होंने ऐसा नहीं किया। वे सीधे चले गए और बर्फ़ में ग़ायब हो गए, जो अब तेज़ी से गिरने लगी थी। अँधेरा भी होने लगा था और जूलियन को ठीक से रास्ता दिखाई नहीं दे रहा था। वह तेज़ी से मिस्टर रोलैंड के पीछे चलने लगा। उसे यह डर सता रहा था कि कहीं वह बर्फ़ के तूफ़ान में रास्ता न भटक जाए।

ऐसा लगता था कि मिस्टर रोलैंड भी जल्दी से घर पहुँचना चाहते थे। वे लगभग दौड़ते हुए किरिन कॉटेज पहुँचे। जूलियन ने उन्हें गेट खोलते हुए और घर के अंदर घुसते हुए देखा। उसने उन्हें कपड़े और जूते उतारने के लिए थोड़ा समय दिया और फिर टिमोथी को थपथपाते हुए वह बगीचे के दरवाज़े तक पहुँचा। उसने अपनी बरसाती उतारी, अपने जूते बदले और इससे पहले कि मिस्टर रोलैंड अपने बेडरूम से नीचे आ पाते, वह चुपके से ड्रॉइंग रूम में पहुँच गया।

'क्या हुआ ?' डिक और एन ने पूछा, क्योंकि जूलियन बहुत ही रोमांचित दिख रहा था। लेकिन वह उन्हें कुछ

नहीं बता पाया, क्योंकि तभी जोआना चाय लेकर आ गई।

जूलियन को बहुत निराशा हुई कि वह बाक़ी बच्चों को एक शब्द भी नहीं बता पाया, क्योंकि कोई न कोई बड़ा व्यक्ति पूरी शाम हमेशा कमरे में मौज़ूद रहा। वह जॉर्ज से मिलने भी नहीं जा पाया। वह अपनी ख़बर बताने का इंतज़ार नहीं कर सकता था, लेकिन इसके अलावा और कोई रास्ता भी नहीं था। उसे मन मसोस कर इंतज़ार करना ही पड़ा।

एन ने पूछा, 'क्या अब भी बर्फ़ गिर रही है, फ़ैनी आंटी?'

उसकी आंटी ने सामने वाले दरवाज़े से बाहर झाँककर देखा। बर्फ़ सीढ़ियों तक आ गई थी!

'हाँ,' उन्होंने लौटकर कहा। 'बर्फ़ तेज़ी से गिर रही है। अगर यह इसी तरह गिरती रही, तो हम बर्फ़ से घिर जाएँगे, जैसा दो साल पहले हुआ था! तब हम पाँच दिन तक घर से बाहर नहीं निकल पाए थे। दूध वाला या ब्रेड वाला भी यहाँ नहीं आ पाया था। क़िस्मत से हमारे पास दूध के बहुत से टिन हैं और मुझे ब्रेड बनानी आती है। बस इसी बात का अफ़सोस है कि तुम लोग कल बाहर नहीं निकल पाओगे – रास्ते पर बर्फ़ की बहुत मोटी परत जम जाएगी!'

मिस्टर रोलैंड ने पूछा, 'क्या किरिन फ़ार्महाउस भी

बर्फ़ से घिर जाएगा?'

'ओह हाँ - वहाँ की हालत तो हमारे यहाँ से भी ज़्यादा ख़राब होगी,' फ़ैनी आंटी ने कहा। 'लेकिन उन्हें कोई फ़र्क़ नहीं पड़ेगा! वहाँ खाने-पीने का बहुत सारा सामान रखा रहता है। हमारी तरह ही वे भी अपने घर में क़ैद रहेंगे, लेकिन उनकी हालत तो हमसे भी ख़राब होगी।'

जूलियन सोचने लगा कि मिस्टर रोलैंड ने यह सवाल क्यों पूछा था। क्या उन्हें यह डर था कि उनके दोस्त उन पन्नों को डाक से कहीं भेज नहीं पाएँगे - या बस या कार से ख़ुद नहीं ले जा पाएँगे? जूलियन को लगा कि उन्होंने यह सवाल इसीलिए पूछा था। वह बाक़ी बच्चों को सारी बातें बताने के लिए बहुत व्याकुल था।

'मैं थक चुका हूँ!' उसने आठ बजे के लगभग कहा। 'चलो, बिस्तर पर चलते हैं।'

डिक और एन उसे हैरानी से घूरकर देखने लगे। वह बच्चों में सबसे बड़ा था, इसलिए आम तौर पर वह सबके बाद में बिस्तर पर जाता था। लेकिन आज रात को वह ख़ुद बिस्तर पर जाने की बात कह रहा है! जूलियन ने उनकी तरफ़ आँख मारी और बच्चे फ़ौरन उसकी हाँ में हाँ मिलाने लगे।

डिक ने ज़ोरदार उबासी ली और एन ने भी। उनकी आंटी ने सिलाई करना बंद कर दी। वे बोलीं, 'तुम लोग

थके हुए दिख रहे हो। मुझे लगता है, अच्छा यही रहेगा कि तुम लोग अब जाकर सो जाओ।'

जूलियन ने पूछा, 'मैं बाहर जाकर देख लूँ कि टिमी ठीक-ठाक तो है?' उसकी आंटी ने सिर हिलाकर इजाज़त दे दी। जूलियन ने अपना कोट और रबड़ के जूते पहने। फिर वह बगीचे वाले दरवाज़े से निकलकर बगीचे में पहुँच गया। वहाँ बर्फ़ की मोटी परत जमी थी। टिम का कुत्ताघर भी उसमें आधा छिप गया था। कुत्ते ने अंदर काफ़ी उछल-कूद मचाई थी और जब उसने जूलियन को पास आते देखा, तो वह खड़ा हो गया।

जूलियन ने कहा, 'टिमी, बहुत अफ़सोस है कि तुम बर्फ़ में अकेले पड़े हो।' उसने टिमी को थपथपाया, जो कूँ-कूँ करने लगा था। वह जूलियन के साथ घर के अंदर जाना चाहता था।

जूलियन ने कहा, 'काश मैं तुम्हें अपने साथ अंदर ले जा *सकता!* कोई बात नहीं, टिमोथी। मैं कल आकर तुमसे मिलूँगा।'

वह दोबारा अंदर चला गया। बच्चों ने अपनी आंटी और मिस्टर रोलैंड से गुड नाइट की और ऊपर की मंज़िल पर चले गए।

'जल्दी से कपड़े बदलकर अपने-अपने ड्रेसिंग गाउन पहन लो और जॉर्ज के कमरे में आ जाओ,' जूलियन ने सबसे कहा। 'ज़रा भी आवाज़ मत करना, वरना

फ़ैनी आंटी ऊपर आ जाएँगी। अब जल्दी करो!'

तीन मिनट से भी कम समय में सभी बच्चे कपड़े बदलकर जॉर्ज के पलंग पर बैठे हुए थे। वह उन्हें देखकर बहुत ख़ुश हुई। एन जॉर्ज के कंबल में घुस गई, क्योंकि उसे पैरों में ठंड लग रही थी।

जॉर्ज ने धीरे से पूछा, 'जूलियन! क्या तुमने मिस्टर रोलैंड का पीछा किया?'

'तुमने उनका पीछा क्यों किया?' डिक ने पूछा, जो यह जानने के लिए बेताब था।

जूलियन ने उन्हें जल्दी-जल्दी सब कुछ बताया। उसने बताया कि जॉर्ज को मिस्टर रोलैंड पर कैसे शक हुआ। फिर उसने बताया कि उसने किस तरह टीचर का पीछा किया और किस तरह टीचर ने दोनों पेंटरों को पन्ने दिए। यह सुनकर जॉर्ज की आँखें ग़ुस्से से लाल हो गईं।

'चोर कहीं के! वे डैडी के पन्ने ही होंगे! जबकि मेरे डैडी उन्हें अपना दोस्त मानते हैं। ओह, हम क्या कर सकते हैं? वे लोग उन पन्नों को जल्दी से कहीं पहुँचा देंगे और मेरे डैडी जिस ख़ुफ़िया फ़ार्मूले पर इतने समय से काम कर रहे हैं, उसका इस्तेमाल कोई दूसरा कर लेगा – शायद किसी दूसरे देश के लिए!'

जूलियन ने कहा, 'वे पन्ने तत्काल बाहर नहीं पहुँचा सकते। जॉर्ज, तुम्हें पता नहीं है कि बाहर बर्फ़ की

कितनी मोटी परत जम चुकी है। अगर बर्फ़ इसी तरह गिरती रही, तो हम कुछ दिनों के लिए दुनिया से कट जाएँगे और किरिन फ़ार्महाउस के लोग भी। अगर वे पन्नों को छिपाना चाहते हैं, तो उन्हें फ़ार्महाउस में ही छिपाना पड़ेगा! काश हम वहाँ जाकर तलाशी ले सकते!'

'हम वहाँ नहीं जा सकते,' डिक बोला। 'यह बात तो तय है। हम गले तक बर्फ़ में धँस जाएँगे।'

चारों बच्चों ने निराशा से एक-दूसरे की तरफ़ देखा। डिक और एन को तो यक़ीन ही नहीं हो रहा था कि ख़ुशनुमा दिखने वाले मिस्टर रोलैंड चोर हो सकते थे – शायद एक जासूस, जो अपने साथी वैज्ञानिक का मूल्यवान रहस्य चुराने की कोशिश कर रहा था। बहरहाल, वे लोग मिस्टर रोलैंड को रोकने के लिए कुछ भी नहीं कर सकते थे।

आख़िर जूलियन बोला, 'जॉर्ज, अच्छा यही होगा कि हम तुम्हारे डैडी को सब कुछ बता दें।'

'नहीं,' एन बोली। 'वे हमारी बात पर भरोसा नहीं करेंगे, है ना जॉर्ज?'

'वे हम पर हँसेंगे और सीधे जाकर मिस्टर रोलैंड को बता देंगे,' जॉर्ज ने कहा। 'इससे वे सावधान हो जाएँगे, जबकि हमें उन्हें इस बात की भनक भी नहीं लगने देनी है। उन्हें यह पता नहीं चलना चाहिए कि हम उनकी हक़ीक़त जान चुके हैं।'

डिक अचानक धीरे से बोला, 'श्श्श! फ़ैनी आंटी आ रही हैं!' लड़के कमरे से बाहर निकलकर अपने-अपने पलंग पर पहुँच गए। एन फुदकती हुई उसी कमरे में लगे अपने छोटे पलंग पर चली गई। जब बच्चों की आंटी बेडरूम में आईं, तो उन्हें सब कुछ शांत और सामान्य मिला।

उन्होंने गुडनाइट की और सबको ठीक से कंबल उढ़ाए। जैसे ही वे नीचे गईं, चारों बच्चे फिर से जॉर्ज के कमरे में इकट्ठे हो गए।

जूलियन ने पूछा, 'जॉर्ज, अब तुम बताओ कि तुम ख़ुफ़िया रास्ते के बारे में क्या बता रही थीं?'

'ओह हाँ,' जॉर्ज बोली। 'हो सकता है कि मेरे विचार में दम नहीं हो - लेकिन नीचे स्टडी में मैंटलपीस के ऊपर लकड़ी के आठ पटिये हैं - और फ़र्श पत्थर का है - और कमरा पूर्व दिशा में है! अजीब बात है, है ना? यह बिलकुल वैसा ही है, जैसा उस लिनेन के चिथड़े में लिखा था।'

जूलियन ने पूछा, 'क्या वहाँ पर अलमारी भी है?'

'नहीं। लेकिन वहाँ बाक़ी सब चीज़ें तो हैं,' जॉर्ज ने कहा। 'हो सकता है, ख़ुफ़िया रास्ते का दरवाज़ा फ़ार्महाउस में नहीं, बल्कि इसी घर में हो। देखो, ये दोनों इमारतें मेरे परिवार के पास बहुत लंबे समय से हैं। फ़ार्महाउस में बरसों पहले रह रहे लोग इस मकान के बारे में सब कुछ

जानते होंगे।'

'वाह जॉर्ज – काश ख़ुफ़िया रास्ते का दरवाज़ा यहीं हो!' डिक बोला। 'कितना मज़ेदार रहेगा! चलो नीचे चलकर अभी देखते हैं।'

'बेवकूफ़ हो क्या,' जूलियन ने कहा। 'अभी स्टडी में क्वेंटिन अंकल काम कर रहे होंगे। उनके रहते वहाँ जाने की बात कोई कैसे सोच सकता है? मैं अंकल के सामने पड़ने के बजाय बीस शेरों से लड़ना ज़्यादा पसंद करूँगा! ख़ास तौर पर, पन्नों की चोरी के बाद!'

'हमें जाकर पता लगाना ही होगा कि जॉर्ज का अंदाज़ा सही है या नहीं। हमें यह पता लगाना ही होगा,' डिक ने ऊँची आवाज़ में कहा, क्योंकि वह यह भूल गया था कि उसे धीरे बोलना है।

'धीरे बोलो, बेवकूफ़!' जूलियन ने उसे मुक्का मारते हुए कहा। 'क्या तुम पूरे घर को यहाँ पर इकट्ठा करना चाहते हो?'

'माफ़ करना!' डिक बोला। 'यह बहुत रोमांचक है। हम एक बार फिर रोमांचक अभियान के बीच में है।'

'यही तो मैंने कहा था,' जॉर्ज ने उत्सुकता से कहा। 'सुनो, क्या हम आधी रात तक इंतज़ार करें? फिर जब सब लोग सो जाएँगे, तब हम स्टडी में जाकर अपनी किस्मत आज़माएँगे! हो सकता है मेरा अंदाज़ा ग़लत हो – लेकिन हमें इसकी छानबीन तो करनी ही चाहिए। मुझे

लगता है कि जब तक मैं मैंटलपीस के ऊपर के सभी पटियों की छानबीन न कर लूँ, तब तक मुझे नींद नहीं आएगी।'

'मुझे भी नींद नहीं आएगी,' डिक बोला। 'सुनो – कोई ऊपर आ रहा है! अच्छा रहेगा कि हम अब यहाँ से चल दें। चलो जूलियन! हम आधी रात को जॉर्ज के कमरे में मिलते हैं। फिर हम सब चुपचाप नीचे चलेंगे और स्टडी की छानबीन करेंगे!'

दोनों लड़के अपने कमरे में चले गए। दोनों को बिलकुल नींद नहीं आई। जॉर्ज को भी नहीं आई। वह छुट्टियों में हुई घटनाओं के बारे में सोचती रही। उसने सोचा, 'यह एक जिगसॉ पज़ल या उलझी हुई पहेली है। पहले तो मुझे बहुत सी चीज़ें समझ में नहीं आईं, लेकिन अब वे एक साथ जुड़ रही हैं और धीरे-धीरे पूरी तस्वीर साफ़ हो रही है।'

एन सो गई थी और उसे आधी रात को जगाना पड़ा। जूलियन ने उसे हिलाते हुए कहा, 'चलो! क्या तुम इस रोमांचक अभियान में शामिल नहीं होना चाहतीं?'

14

आख़िर ख़ुफ़िया रास्ता मिल ही गया!

चारों बच्चे अँधेरी और ख़ामोश रात में नीचे की सीढ़ियाँ उतरे। किसी ने ज़रा सी भी आवाज़ नहीं की। वे स्टडी के अंदर पहुँच गए। जॉर्ज ने धीरे से दरवाज़ा बंद किया और लाइट जलाई।

बच्चों ने मैंटलपीस के ऊपर लगे आठ पटियों को एकटक देखा। हाँ - वे पूरे आठ थे। चार एक लाइन में थे और चार उसके ऊपर वाली लाइन में। जूलियन ने टेबल पर लिनेन का चिथड़ा फैलाया और बच्चे उस पर झुक गए।

जूलियन ने धीमी आवाज़ में कहा, 'क्रॉस ऊपर वाली लाइन के दूसरे पटिये के बीचोबीच है। मैं इसे दबाने की कोशिश करता हूँ। तुम सभी यहीं ठहरो!'

वह अँगीठी तक गया और बाक़ी बच्चे उसके पीछे-पीछे चलकर वहाँ पहुँच गए। सभी के दिल रोमांच से धड़क रहे थे। जूलियन पंजों के बल खड़ा हुआ और दूसरे पटिये के बीच में कसकर दबाने लगा। फिर भी कुछ नहीं हुआ।

डिक बोला, 'और कसकर दबाओ! उसे ठोंको!'

जूलियन बोला, 'मैं ज़्यादा तेज़ आवाज़ नहीं कर सकता।' उसने पूरे पटिये को टटोला कि कहीं पर कोई छिपी हुई स्प्रिंग या लीवर तो नहीं है।

अचानक पटिया धीरे से उसी तरह सरक गया, जिस तरह किरिन फ़ार्महाउस के हॉल वाला पटिया सरका था! बच्चों ने रोमांचित होकर देखा कि उसके पीछे ख़ाली जगह थी।

जॉर्ज बोली, 'यह जगह इतनी बड़ी नहीं है कि इसमें से कोई अंदर जा सके। यह ख़ुफ़िया रास्ते का दरवाज़ा नहीं हो सकता।'

जूलियन ने अपने ड्रेसिंग गाउन की जेब से टॉर्च निकाली। उसने खुली जगह में इसकी रोशनी डाली और धीमे से किलकारी भरी।

'यहाँ एक तरह का हैंडल है, जिसमें एक मज़बूत तार लगा है। मैं हैंडल खींचकर देखता हूँ कि क्या होता है।'

उसने हैंडल को खींचा, लेकिन उसमें इतनी ताक़त नहीं थी कि वह दीवार में लगे हैंडल को हिला सके। डिक ने भी अपना हाथ अंदर डाला और दोनों लड़कों ने एक साथ ताक़त लगाई।

जूलियन हाँफते हुए बोला, 'हैंडल हिल रहा है – यह थोड़ा सरक रहा है। चलो डिक, थोड़ी और ताक़त लगाओ!'

हैंडल अचानक दीवार से दूर हो गया और उसके

पीछे मोटा, पुराना और ज़ंग लगा तार आ गया। उसी समय अँगीठी के सामने वाले क़ालीन के नीचे से एक कर्कश सी आवाज़ आई और एन गिरते-गिरते बची।

उसने डरकर कहा, 'जूलियन! क़ालीन के नीचे कोई चीज़ सरक रही है। मेरे पैरों में झटका लगा था। क़ालीन के नीचे देखो, जल्दी!'

हैंडल को अब और नहीं खींचा जा सकता था। लड़कों ने उसे छोड़ दिया और नीचे देखा। क़ालीन के नीचे अँगीठी के दाहिनी तरफ़ कोई चीज़ सरक गई थी। इस बारे में कोई संदेह नहीं था। क़ालीन वहाँ सीधा और समतल होने के बजाय लटका हुआ था।

जूलियन ने रोमांच से काँपती आवाज़ में कहा, 'फ़र्श का एक पत्थर सरक गया है। यह हैंडल एक लीवर को घुमाता है, जो इस तार से जुड़ा है। जल्दी से क़ालीन उठाओ और गलीचे को लपेट दो।'

काँपते हाथों से बच्चों ने क़ालीन और गलीचे को लपेटा। और फिर उन्हें एक बहुत अजीब चीज़ दिखाई दी। फ़र्श में लगा एक बड़ा समतल पत्थर नीचे धँस गया था। ऐसा लगता था कि पटिये के पीछे छिपे हैंडल के तार ने इसे खींच दिया था! जहाँ पहले पत्थर था, अब वहाँ एक गड्ढा था।

जॉर्ज ने रोमांच से फुसफुसाकर कहा, 'देखो तो सही!'

'ख़ुफ़िया रास्ते का दरवाज़ा!'

जूलियन ने कहा, 'आख़िर यह यहाँ निकला!'

डिक बोला, 'चलो नीचे चलते हैं!'

'नहीं!' एन बोली। वह गड्ढे में उतरने के विचार से ही काँप गई।

जूलियन ने गड्ढे में अपनी टॉर्च चमकाई। पत्थर नीचे जाकर एक तरफ़ हो गया था। अब नीचे इतनी जगह हो गई थी कि कोई आदमी उसमें झुककर बैठ सकता था।

जूलियन बोला, 'मुझे लगता है कि यहाँ से कोई गलियारा निकलता होगा, जो घर के नीचे से कहीं जाता होगा। क्या पता यह कहाँ तक जाता होगा?'

जॉर्ज ने कहा, 'हमें यह पता लगाना ही चाहिए।'

'अभी नहीं,' डिक बोला। 'अभी अँधेरा और ठंड है। मैं आधी रात को ख़ुफ़िया रास्ते में जाने की सोच भी नहीं सकता। हाँ, हम इतना ज़रूर कर सकते हैं कि उतरकर इसे एक नज़र देख लें – बहरहाल, अच्छा यही रहेगा कि हम गलियारे में कल चलें।'

जूलियन ने कहा, 'कल तो क्वेंटिन अंकल यहाँ पर अपना काम करेंगे।'

'उन्होंने कहा था कि वे कल सुबह सामने वाले दरवाज़े से बर्फ़ हटाएँगे,' जॉर्ज बोली। 'तब हम उनकी

स्टडी में आ सकते हैं। कल शनिवार है। कल पढ़ाई भी नहीं होगी।'

'ठीक है,' जूलियन ने कहा, जो उसी समय हर चीज़ की खोजबीन करने के लिए व्याकुल था। 'लेकिन हम यह तो देख लें कि नीचे गलियारा है भी या नहीं। अभी तो हमें सिर्फ़ एक गड्ढा दिख रहा है!'

'मैं नीचे उतरने में तुम्हारी मदद करता हूँ,' डिक बोला। उसने अपने भाई को सहारा दिया और जूलियन अपनी टॉर्च पकड़कर गड्ढे में उतर गया। वह ज़ोर से चीख़ पड़ा।

'यह ख़ुफ़िया रास्ते का दरवाज़ा ही है। यहाँ से घर के नीचे एक गलियारा जा रहा है। यह नीचा और सँकरा है, लेकिन मुझे साफ़ दिख रहा है कि यह एक गलियारा है। क्या पता यह कहाँ जाता है!'

वह काँपने लगा। नीचे ठंड और नमी थी। उसने कहा, 'हाथ पकड़कर मुझे ऊपर खींचो, डिक।' वह जल्दी ही गड्ढे में से निकलकर स्टडी की गर्माहट में आ गया।

बच्चों ने बहुत ख़ुशी और रोमांच से एक-दूसरे की तरफ़ देखा। यह रोमांचक अभियान था, सचमुच रोमांचक अभियान। कितने अफ़सोस की बात थी कि वे ख़ुफ़िया रास्ते में इसी वक़्त नहीं जा सकते थे।

जॉर्ज बोली, 'हम कल टिमी को भी अपने साथ ले

जाने की कोशिश करेंगे। ओह, हम दरवाज़े को बंद कैसे करेंगे ?'

'हम गलीचे और क़ालीन को उस गड्ढे पर लटकता हुआ तो नहीं छोड़ सकते,' डिक बोला। 'न ही हम पटिये को खुला छोड़ सकते हैं।'

'हम देखते हैं कि क्या हम पत्थर को वापस सरका सकते हैं,' जूलियन ने कहा। वह पंजे के बल खड़ा हुआ और पटिये के अंदर हाथ डाला। उसके हाथ में एक तरह की घुंडी आ गई, जो पत्थर में गहरी लगी थी। उसने उसे खींचा, तो हैंडल तत्काल सरक गया, क्योंकि तार ने इसे खींच लिया था। उसी समय नीचे गया पत्थर थोड़ी सी कर्कश आवाज़ करते हुए दोबारा फ़र्श की सतह पर आ गया।

'यह तो जादू जैसा है!' डिक बोला। 'यह सचमुच जादू जैसा है! ज़रा सोचो तो सही, बरसों तक इस्तेमाल न होने के बाद भी यह इतनी अच्छी तरह से काम कर रहा है। मैंने आज तक इतनी रोमांचक चीज़ नहीं देखी!'

ऊपर किसी बेडरूम में कोई आवाज़ हुई। बच्चे ख़ामोशी में सुनते रहे।

'मिस्टर रोलैंड हैं!' डिक धीरे से बोला। 'उन्होंने हमारी आवाज़ सुन ली है। जल्दी करो, उनके नीचे आने से पहले ही हम चुपचाप ऊपर चले चलते हैं।'

उन्होंने लाइट बंद की और स्टडी का दरवाज़ा धीरे से

खोला। वे चूहों की तरह चुपचाप भागते हुए सीढ़ियाँ चढ़ गए। उनके दिल बहुत तेज़ी से धड़क रहे थे। उन्हें लग रहा था कि घर का कोई भी आदमी उनके दिल धड़कने की आवाज़ सुन लेगा।

लड़कियाँ अपने कमरों में सुरक्षित पहुँच गईं और डिक भी अपने कमरे में चुपचाप घुसने में कामयाब हो गया। लेकिन जूलियन को मिस्टर रोलैंड ने देख लिया, जब वे टॉर्च लेकर अपने कमरे से बाहर निकले।

टीचर ने हैरानी से पूछा, 'तुम क्या कर रहे हो, जूलियन! क्या तुमने नीचे की मंज़िल पर कोई आवाज़ सुनी? मैंने तो सुनी थी।'

'हाँ – मैंने नीचे की मंज़िल पर काफ़ी आवाज़ें सुनी थीं,' जूलियन ने सच बोल दिया। 'मेरे ख़्याल से यह बर्फ़ गिरने की आवाज़ होगी?'

'क्या पता,' टीचर ने संदेह से कहा। 'हम नीचे चलकर देखते हैं।'

वे नीचे गए, लेकिन ज़ाहिर है वहाँ देखने के लिए कुछ नहीं था। जूलियन को ख़ुशी हुई कि वे लोग पटिये को बंद करने में कामयाब हो गए थे और उन्होंने पत्थर को भी दोबारा सही जगह पर सरका दिया था। मिस्टर रोलैंड आख़िरी व्यक्ति थे, जिन्हें वह अपना रहस्य बताना चाहता था।

वे लौटकर ऊपर की मंज़िल पर आ गए और

जूलियन भी अपने कमरे में चला गया। डिक ने धीरे से पूछा, 'सब कुछ ठीक है ?'

'हाँ,' जूलियन ने कहा। 'लेकिन हम अभी बात नहीं करेंगे। मिस्टर रोलैंड जाग रहे हैं और मैं नहीं चाहता कि उन्हें किसी तरह का शक हो।'

लड़के सो गए। जब वे सुबह जागे, तो बाहर की दुनिया पूरी तरह सफ़ेद थी। हर चीज़ बर्फ़ से ढँक चुकी थी। बर्फ़ में टिमोथी का कुत्ताघर दिखाई नहीं दे रहा था! लेकिन उसके आस-पास क़दमों के निशान थे।

जब जॉर्ज ने देखा कि बर्फ़ कितनी गहरी है, तो वह चीख़ उठी। उसने कहा, 'बेचारा टिमोथी! मैं उसे अंदर लाने जा रही हूँ। मुझे परवाह नहीं है कि कोई क्या कहता है! मैं उसे बर्फ़ में दफ़न नहीं होने दूँगी!'

वह भागकर नीचे की मंज़िल पर गई और घुटने तक की बर्फ़ में धँसती हुई कुत्ताघर तक गई। लेकिन टिमी वहाँ नहीं था!

किचन से भौंकने की तेज़ आवाज़ आई, जिसे सुनकर वह उछल पड़ी। जोआना ने किचन की खिड़की थपथपाकर कहा, 'सब कुछ ठीक है! मैं यह बर्दाश्त नहीं कर पाई कि कुत्ता इतनी बर्फ़ में बाहर रहे, इसलिए मैं उसे अंदर ले आई। तुम्हारी मम्मी कहती हैं कि मैं उसे किचन में रख सकती हूँ, लेकिन तुम उससे नहीं मिल सकतीं।'

'अच्छी बात है। टिमी कम से कम गर्मी में तो है!' जॉर्ज ने ख़ुश होकर कहा। उसने जोआना से चिल्लाकर कहा, 'बहुत-बहुत शुक्रिया! आप बहुत दयालु हैं!'

उसने अंदर जाकर बाक़ी लोगों को यह बात बताई। वे बहुत ख़ुश हुए। डिक बोला, '*मैं तुम्हें* एक और अच्छी ख़बर सुनाना चाहता हूँ। मिस्टर रोलैंड अपने बिस्तर पर पड़े हैं, क्योंकि उन्हें बहुत तेज़ सर्दी हो गई है, इसलिए आज पढ़ाई नहीं होगी। ख़ुशियाँ मनाओ!'

'ओह, यह तो बहुत ही अच्छी ख़बर है,' जॉर्ज बहुत ख़ुशी से बोली। 'टिमी गर्म किचन में है और मिस्टर रोलैंड बिस्तर पर हैं। मैं बहुत ख़ुश हूँ!'

'अब हम बेखटके ख़ुफ़िया रास्ते की तलाश कर सकते हैं,' जूलियन ने कहा। 'फ़ैनी आंटी आज सुबह जोआना के साथ किचन में कुछ काम करने वाली हैं और अंकल बर्फ़ से जूझने वाले हैं। मेरी राय है कि हम ड्रॉइंग रूम में पढ़ाई करेंगे और मौक़ा मिलते ही ख़ुफ़िया रास्ते की छानबीन करने चलेंगे!'

जॉर्ज ने निराशा से पूछा, 'लेकिन हम पढ़ाई क्यों करेंगे ?'

जूलियन बोला, 'क्योंकि अगर हम पढ़ाई करने का नाटक नहीं करेंगे, तो हमें बर्फ़ हटाने में तुम्हारे डैडी की मदद करनी पड़ेगी।'

उनके अंकल हैरान रह गए, जब जूलियन ने उन्हें

यह बताया कि चारों बच्चे ड्रॉइंग रूम में पढ़ाई करने वाले हैं। क्वेंटिन अंकल बोले, 'मैं सोच रहा था कि तुम लोग बर्फ़ खोदने में मेरी मदद करना चाहोगे। लेकिन शायद ज़्यादा अच्छा यही रहेगा कि तुम लोग पढ़ाई करो।'

बच्चे ड्रॉइंग रूम में बहुत अच्छी तरह से पढ़ने लगे। उनकी किताबें उनके सामने खुली थीं। उन्होंने सुना कि मिस्टर रोलैंड अपने कमरे में खाँस रहे हैं। उन्होंने यह भी सुना कि उनकी आंटी किचन में जाकर जोआना से बात कर रही हैं। उन्होंने यह भी सुना कि टिमी किचन के दरवाज़े पर पंजे से धक्का मार रहा है। फिर गलियारे में पंजों की आवाज़ आई और ड्रॉइंग रूम के दरवाज़े पर एक बड़ी नाक दिखी। वहाँ पर टिमी खड़ा था और अपनी प्यारी मालकिन की तलाश कर रहा था!

'टिमी!' जॉर्ज चीख़ी और उसके पास भागी। उसने उसे बाँहों में भरकर गले लगा लिया।

जूलियन बोला, 'तुम तो ऐसे कर रही हो, जैसे तुमने टिम को एक साल से नहीं देखा हो।'

'यह एक साल जैसा ही लग रहा है,' जॉर्ज ने कहा। 'देखो तो सही, डैडी पूरे ज़ोर-शोर से बर्फ़ खोद रहे हैं। क्या हम अभी स्टडी में नहीं चल सकते? हम कुछ समय के लिए सुरक्षित हैं।'

वे ड्रॉइंग रूम से निकलकर स्टडी में आ गए।

जूलियन ख़ुफ़िया पटिये के पीछे वाले हैंडल को खींचने लगा। जॉर्ज ने पहले ही क़ालीन और गलीचे को लपेट दिया था। पत्थर नीचे की तरफ़ धँसा और एक किनारे हो गया। ख़ुफ़िया रास्ता अब खुल चुका था!

जूलियन बोला, 'चलो! जल्दी!'

वह गड्ढे में कूद गया। डिक उसके पीछे गया, फिर एन गई, फिर जॉर्ज। जूलियन ने उन सभी को सँकरे गलियारे में नीचे पहुँचाया। फिर उसने ऊपर देखा। शायद अच्छा यही रहेगा कि वह गलीचे और क़ालीन को गड्ढे के ऊपर खींच ले, ताकि अगर कोई कमरे में झाँके, तो उसे पहली नज़र में कोई अजीब बात न दिखे। यह करने के बाद वह भी गलियारे में बाक़ी लोगों के पास पहुँच गया। वे आख़िरकार ख़ुफ़िया रास्ते की रोमांचक छानबीन करने जा रहे थे!

15
रोमांचक यात्रा और तलाशी

जॉर्ज के गड्ढे में कूदते ही टिमोथी भी पीछे-पीछे कूद गया। वह बाक़ी बच्चों से आगे भागने लगा। वह इस बात पर हैरान था कि बच्चे इतनी ठंडी और अँधेरी जगह में क्यों जा रहे हैं। जूलियन और डिक दोनों के पास अपनी-अपनी टॉर्च थी, जिनकी रोशनी में सामने का रास्ता अच्छी तरह दिख रहा था।

वैसे देखने के लिए वहाँ ज़्यादा कुछ नहीं था। पुराने घर के नीचे बना ख़ुफ़िया रास्ता सँकरा और नीचा था, इसलिए बच्चों को मजबूरन एक-एक करके और सिर झुकाकर चलना पड़ा। उन्हें तब बहुत राहत मिली, जब गलियारा आगे चलकर थोड़ा ज़्यादा चौड़ा और ऊँचा हो गया। सिर झुकाकर चलना बहुत थकाने वाला काम था।

डिक ने जूलियन से पूछा, 'तुम्हें क्या लगता है, यह ख़ुफ़िया रास्ता कहाँ जाता होगा? मेरा मतलब है - यह समुद्र की तरफ़ जा रहा है या उससे दूर जा रहा है?'

'यह समुद्र की तरफ़ नहीं जा रहा है!' जूलियन ने कहा, जिसे दिशाओं की अच्छी समझ थी। 'जहाँ तक मुझे समझ में आ रहा है, गलियारा मैदान की तरफ़ जा

रहा है। दीवारों को देखो – वे जगह–जगह पर बालुई हैं और हम जानते हैं कि मैदान की मिट्टी बालुई है। कहीं ज़मीन धँसने के कारण गलियारा बंद न हो गया हो!'

वे लोग चलते गए। खुफ़िया रास्ता बहुत सीधा था, हालाँकि कभी–कभार यह किसी चट्टान के पास से घूम भी जाता था।

एन ने काँपते हुए कहा, 'यहाँ कितना अँधेरा और ठंडक है? काश मैं अपना कोट पहनकर आती! हम कितने मील दूर आ गए होंगे, जूलियन?'

'एक मील भी नहीं, मूर्ख!' जूलियन ने कहा। 'ओह – यहाँ देखो – गलियारे में आगे मिट्टी भरी है!'

दो टॉर्चें चमकीं और बच्चों को सामने मिट्टी का ढेर दिखा। जूलियन ने अपने पैर से मिट्टी के ढेर पर लात मारी।

उसने कहा, 'सब कुछ ठीक है। हम आसानी से आगे जा सकते हैं। ज़मीन नहीं धँसी है, सिर्फ़ बालू गिरी है। मैं पैरों से इसे हटा देता हूँ!'

कुछ समय तक पैर चलाने के बाद मिट्टी से बंद रास्ता साफ़ हो गया। अब इतनी जगह हो गई कि बच्चे मिट्टी के ढेर को लाँघकर जा सकें। उन्हें अपना सिर नीचे झुकाना पड़ा, ताकि वह गलियारे की छत से न टकरा जाए। जूलियन ने अपनी टॉर्च की रोशनी में देखा कि आगे रास्ता साफ़ है।

'ख़ुफ़िया रास्ता यहाँ पर बहुत चौड़ा है!' उसने अचानक कहा और दूसरों को दिखाने के लिए अपनी टॉर्च चारों तरफ़ चमकाई।

जॉर्ज बोली, 'इसे चौड़ा बनाया गया है। देखो, वहाँ पर एक तरह की बेंच है, जिसे चट्टान से काटकर बनाया गया है। मुझे लगता है कि यह आराम करने की जगह होगी।'

जॉर्ज ने सही कहा था। इतने लंबे समय तक सँकरे गलियारे में चलना बहुत थकाने वाला काम था। चट्टान से काटकर बनाई बेंच और थोड़ी चौड़ी जगह आराम करने के लिए बहुत अच्छी थी। चारों थके बच्चों को ठंड लग रही थी, लेकिन वे रोमांचित थे। वे उस अजीब सी बेंच पर एक साथ बैठ गए और आराम करने लगे। टिमी ने अपना सिर जॉर्ज के घुटने पर रख दिया। वह उसे पाकर बहुत ख़ुश था।

जूलियन ने कुछ मिनट बाद कहा, 'चलो। मुझे बहुत ठंड लग रही है। क्या पता, यह गलियारा बाहर कहाँ निकलेगा!'

'जूलियन - क्या तुम्हें लगता है कि यह किरिन फ़ार्महाउस में बाहर निकलेगा?' जॉर्ज ने अचानक पूछा। 'तुम्हें याद है, मिसेज़ सैंडर्स ने क्या कहा था - फ़ार्महाउस से एक ख़ुफ़िया रास्ता कहीं को जाता है। हो सकता है यह वही रास्ता हो - और यह किरिन कॉटेज

तक जाता हो!'

'जॉर्ज, मुझे लगता है कि ऐसा ही होगा!' जूलियन ने कहा। 'हाँ – दोनों मकान बरसों पहले तुम्हारे परिवार के पास थे! और पुराने ज़माने में अक्सर मकानों को जोड़ने के लिए सुरंग जैसे ख़ुफ़िया रास्ते बनाए जाते थे, इसलिए यह बहुत स्पष्ट है कि यह ख़ुफ़िया रास्ता दोनों को जोड़ता होगा! मैंने यह पहले क्यों नहीं सोचा?'

'मेरी बात सुनो!' एन बहुत रोमांचित आवाज़ में चीख़ी, 'मेरी बात सुनो! मैंने एक और चीज़ सोची है!'

'क्या?' सभी ने उत्सुकता से पूछा।

'देखो – अगर अंकल के पन्ने उन पेंटरों के पास हैं, तो हम उन्हें ला सकते हैं, इससे पहले कि वे लोग उन्हें डाक से कहीं भेज सकें या ख़ुद लेकर जा सकें!' एन चीख़ी। वह अपने विचार से इतनी रोमांचित थी कि वह जल्दी से शब्द नहीं बोल पा रही थी। 'वे लोग बर्फ़ के कारण फ़ार्महाउस में उसी तरह क़ैद हैं, जिस तरह हम अपने घर में क़ैद हैं।'

जूलियन बोला, '*एन!* तुम सही कह रही हो!'

डिक ने कहा, 'समझदार लड़की!'

'अगर हम उन पन्नों को दोबारा ले आते हैं, तो यह कितना बढ़िया रहेगा!' जॉर्ज *बोली*। टिमी भी रोमांच में शामिल हो गया और ख़ुशी से उछलने लगा। बच्चे किसी बात पर ख़ुश थे, इसलिए वह भी ख़ुश हो गया था!

'चलो!' जूलियन ने एन का हाथ पकड़ते हुए कहा। 'यह रोमांचक है। अगर जॉर्ज का अंदाज़ा सही है और यह ख़ुफ़िया रास्ता किरिन फ़ार्महाउस तक जाता है, तो हम उन आदमियों के कमरों की तलाशी ले सकते हैं और वहाँ रखे पन्ने खोज सकते हैं।'

जॉर्ज बोली, 'तुमने तो कहा था कि किसी के कमरे की तलाशी लेना बहुत बुरी बात है।'

'मैं तब इस बारे में उतना नहीं जानता था, जितना अब जानता हूँ,' जूलियन ने कहा। 'हम यह तुम्हारे डैडी के लिए कर रहे हैं - और अगर यह ख़ुफ़िया फ़ॉर्मूला महत्वपूर्ण है, तो शायद अपने देश के लिए भी। हमें अब अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करना होगा, ताकि हम अपने ख़तरनाक दुश्मनों को धूल चटा दें।'

एन ने थोड़ा डरकर पूछा, 'क्या तुम्हें सचमुच लगता है कि वे ख़तरनाक हैं?'

'हाँ, मुझे यही लगता है,' जूलियन ने कहा। 'लेकिन तुम चिंता मत करो एन! तुम्हारी रक्षा करने के लिए मैं और डिक और टिम तो हैं!'

'मैं भी उसकी रक्षा कर सकती हूँ,' जॉर्ज ग़ुस्से से बोली।

डिक बोला, 'हमें पता है कि तुम लड़कों से ज़्यादा खूँखार हो!'

'चलो,' जूलियन अधीरता से बोला। 'मैं इस गलियारे

के छोर तक पहुँचने के लिए बेताब हूँ!'

वे सभी दोबारा चलने लगे। एन जूलियन के पीछे चल रही थी और डिक जॉर्ज के पीछे। टिमी आगे-पीछे हो रहा था और बार-बार उनके पास से सिकुड़कर निकल रहा था। उसे लग रहा था कि सुबह बिताने का यह बड़ा अजीब तरीक़ा था!

काफ़ी दूर चलने के बाद जूलियन अचानक रुक गया। डिक ने पीछे से पूछा, 'क्या हुआ? कहीं फिर से छत की ज़मीन तो नहीं धँस गई!'

'नहीं – लेकिन मुझे लगता है कि अब हम गलियारे के आख़िरी छोर पर पहुँच गए हैं!' जूलियन ने रोमांचित होकर कहा। बाक़ी लोग उसके पास आ गए। गलियारा सचमुच ख़त्म हो गया था। उनके सामने चट्टान की दीवार थी और उसमें लोहे के कुंदे लगे थे, जो निश्चित रूप से पैर रखने के लिए थे। कुंदे दीवार पर ऊपर की तरफ़ जा रहे थे। जब जूलियन ने अपनी टॉर्च ऊपर घुमाई, तो बच्चों ने देखा कि गलियारे की छत पर एक चौकोर खुली जगह थी।

जूलियन ने कहा, 'हमें अब इस चट्टानी दीवार पर चढ़कर उस अँधेरे छेद में से निकलना होगा – और फिर हम जाने कहाँ बाहर निकलेंगे! पहले मैं जाता हूँ। तुम लोग यहीं इंतज़ार करो। मैं लौटकर तुम्हें बताता हूँ कि मैंने क्या देखा।'

जूलियन ने अपनी टॉर्च अपने दाँतों के बीच रखी ओर फिर दीवार में लगे लोहे के कुंदों पर चढ़ा। वह कुंदों को पैरों से टटोलते हुए चौकोर खुली जगह की तरफ़ चढ़ने लगा।

वह काफ़ी दूर तक ऊपर चढ़ा। उसे लगा, जैसे वह किसी चिमनी में चढ़ रहा था। वहाँ बहुत ठंडक और सीलन थी।

अचानक वह एक पत्थर तक पहुँच गया और उस पर खड़ा हो गया। उसने अपनी टॉर्च दाँतों से निकाली और अपने चारों तरफ़ घुमाई।

उसके पीछे, आस-पास और ऊपर पत्थर की दीवारें थीं। जिस काले छेद से वह ऊपर आया था, वह उसके पैरों के पास था। जूलियन ने अपनी टॉर्च सामने चमकाई और वह हैरान रह गया।

सामने पत्थर की दीवार नहीं थी, बल्कि लकड़ी का एक बड़ा दरवाज़ा था, जो बलूत की लकड़ी से बना था। कमर की ऊँचाई पर एक हैंडल लगा था, जिसे जूलियन ने काँपती उँगलियों से घुमाया। न जाने उसे क्या दिखेगा!

दरवाज़ा उसी की तरफ़ खुला। इसके पास से घूमकर जाना मुश्किल काम था, क्योंकि गड्ढे में नीचे गिरने का ख़तरा था। जूलियन ने जैसे-तैसे दरवाज़े को पूरा खोला और सिकुड़कर उसमें से निकल गया। उसे उम्मीद थी

कि अब वह किसी कमरे में पहुँच गया होगा।

लेकिन ऐसा नहीं हुआ था। उसने अपनी टॉर्च की रोशनी में देखा कि सामने एक और दरवाज़ा भी है। उसने अपनी उँगलियों से उसे खोला और धीरे-धीरे दरवाज़ा एक तरफ़ को सरक गया!

और फिर जूलियन समझ गया कि वह कहाँ था! उसने सोचा, 'मैं किरिन फ़ार्महाउस की अलमारी में हूँ - जिसमें नक़ली दीवार है! ख़ुफ़िया रास्ता इसके पीछे तक आता है! इसे कितनी चतुराई से बनाया गया है! हम लोग जब इस अलमारी में खेल रहे थे, तो हमें यह पता ही नहीं था कि न सिर्फ़ इसमें सरकने वाली दीवार है, बल्कि इसके पीछे ख़ुफ़िया रास्ते का दरवाज़ा भी छिपा है!'

अलमारी में अब पेंटरों के कपड़े टँगे थे। जूलियन खड़े होकर आवाज़ें सुनने की कोशिश करने लगा। कमरे में किसी की भी आवाज़ नहीं आ रही थी। क्या वह जल्दी से चारों तरफ़ नज़र डालकर देखे कि चोरी हुए पन्ने आस-पास तो नहीं हैं?

फिर उसे बाक़ी चारों का ध्यान आया, जो नीचे ठंड में धैर्य से इंतज़ार कर रहे थे। अच्छा रहेगा कि वह जाकर उन्हें सारी बात बताए। फिर वे सब ऊपर आकर अच्छी तरह तलाशी ले सकते हैं।

वह सरकने वाली दीवार के पीछे वाली खाली जगह

में गया। दरवाज़ा सरक गया और जूलियन सँकरे पत्थर पर खड़ा हो गया। बलूत की लकड़ी से बने दरवाज़े को उसने खुला ही रहने दिया। उसने अपने पैरों से टटोलकर लोहे के कुंदे खोजे और हाथ-पैरों से सहारा लेते हुए वह नीचे पहुँचा। एक बार फिर उसने टॉर्च अपने दाँतों में दबा ली थी।

जॉर्ज चिल्लाई, 'जूलियन! तुम्हें कितनी देर हो गई! जल्दी, हमें इसके बारे में सब कुछ बताओ!'

'यह बहुत ही ज़्यादा रोमांचक है,' जूलियन ने कहा। 'बहुत ही ज़बर्दस्त! तुम्हें मालूम है, यह रास्ता कहाँ जाता है ? किरिन फ़ार्महाउस की अलमारी में - जिसमें सरकने वाली दीवार है!'

'नहीं!' डिक बोला।

जॉर्ज ने *कहा*, 'सचमुच ?'

एन चिल्लाई, 'क्या तुम कमरे में गए थे ?'

'मैं जब ऊपर चढ़ा, तो मेरे सामने बलूत का एक बड़ा दरवाज़ा आ गया,' जूलियन ने कहा। 'उसमें एक तरफ़ हैंडल लगा था, इसलिए मैंने उसे खोल लिया। फिर मुझे अपने सामने लकड़ी का एक और दरवाज़ा दिखा - कम से कम, मुझे तो वह दरवाज़ा ही लगा था। मुझे यह नहीं मालूम था कि वह तो अलमारी की सरकने वाली दीवार है। उसे सरकाना बहुत आसान था। मैं जब उसके पार गया, तो अलमारी में टँगे कपड़ों के बीच

पहुँच गया! फिर मैं तुम सभी को बताने के लिए जल्दी से नीचे आ गया।'

'जूलियन! अब हम उन पन्नों की खोज कर सकते हैं,' जॉर्ज ने उत्साह से कहा। 'क्या कमरे में कोई था?'

'मुझे कोई आवाज़ तो *सुनाई* नहीं दी,' जूलियन बोला। 'अब मेरा सुझाव यह है – हम सब ऊपर चलते हैं और दोनों कमरों की तलाशी लेते हैं। पेंटरों के पास अलमारी वाले कमरे के बग़ल वाला कमरा भी तो है।'

'अच्छी बात है!' डिक बोला, जो इस रोमांचक काम को लेकर बहुत रोमांचित हो गया था। 'हम अभी चलते हैं। सबसे पहले तुम जाओ, जूलियन। फिर एन, फिर जॉर्ज और फिर मैं।'

'और टिम?' जॉर्ज ने पूछा।

'मूर्ख, वह कैसे चढ़ सकता है,' जूलियन ने कहा। 'जॉर्ज, वह बहुत ही बढ़िया कुत्ता है, लेकिन वह चढ़ नहीं सकता है! हमें उसे यहीं छोड़कर जाना पड़ेगा।'

जॉर्ज बोली, 'उसे यह अच्छा नहीं लगेगा।'

डिक ने कहा, 'हम उसे ऊपर उठाकर भी तो नहीं ले जा सकते। टिम, तुम्हें यहाँ रुकने में ज़्यादा परेशानी तो नहीं होगी, सिर्फ़ थोड़ी देर के लिए?'

टिम ने अपनी पूँछ हिलाई। लेकिन जब उसने चारों बच्चों को दीवार पर चढ़कर ग़ायब होते देखा, तो उसने अपनी बड़ी पूँछ फ़ौरन नीचे कर ली। क्या! सभी उसे

छोड़कर जा रहे हैं? वे लोग ऐसा कैसे कर सकते हैं?

वह दीवार पर उछला, लेकिन फिसलकर गिर गया। वह एक बार फिर उछला और कूँ-कूँ करने लगा। जॉर्ज ने धीमी आवाज़ में चिल्लाकर कहा।

'चुप रहो, टिम! हम लोग जल्दी ही लौट आएँगे।'

टिम ने कूँ-कूँ बंद कर दी। वह अपने कान खड़े करके लेट गया। यह रहस्यमय अभियान अब बहुत ही रोमांचक होता जा रहा था!

जल्दी ही बच्चे सँकरे पत्थर पर पहुँच गए। बलूत का दरवाज़ा अब भी खुला था। जूलियन ने अपनी टॉर्च चमकाई और बाक़ियों को अलमारी की सरकने वाली दीवार दिखाई। जूलियन ने दीवार पर अपना हाथ रखा और वह चुपचाप एक तरफ़ सरक गई। फिर टॉर्च की रोशनी में कोट और ड्रेसिंग गाउन दिखने लगे।

बच्चे चुपचाप खड़े होकर सुनने की कोशिश करने लगे। कमरे से कोई आवाज़ नहीं आ रही थी। जूलियन धीरे से बोला, 'मैं अलमारी का दरवाज़ा खोलकर कमरे में झाँकता हूँ। ज़रा भी आवाज़ मत करना!'

जूलियन ने कपड़ों के आगे आकर अपने हाथ से अलमारी के दरवाज़े को टटोला। उसे दरवाज़ा मिल गया और उसने उसे थोड़ा धक्का दिया। दरवाज़ा थोड़ा सा खुल गया और रोशनी की किरण अंदर आई। उसने सावधानी से कमरे के अंदर झाँका।

वहाँ कोई भी नहीं था। यह अच्छी बात थी। उसने कहा, 'चलो आ जाओ! कमरा ख़ाली है!'

एक-एक करके बच्चे कपड़ों की अलमारी से बाहर निकलकर कमरे में आ गए। वहाँ एक बड़ा पलंग, एक वॉश-बेसिन, दराज़ों वाली टेबल, एक छोटी टेबल और दो कुर्सियाँ थीं। वहाँ और कुछ भी नहीं था। कमरे की तलाशी लेना आसान होगा।

'देखो जूलियन, जिन दोनों कमरों की हमें तलाशी लेनी है, उनके बीच में एक दरवाज़ा है,' जॉर्ज ने अचानक कहा। 'हम दोनों उस कमरे की तलाशी लेते हैं और ये दोनों इस कमरे की तलाशी लेंगे। चलो, हम बाहर के दरवाज़े लगा देते हैं, ताकि कोई अंदर आकर हमें पकड़ न ले!'

'अच्छा सुझाव है!' जूलियन ने कहा, जिसे यह डर लग रहा था कि किसी भी पल कोई अंदर आकर उन्हें खोजबीन करते हुए पकड़ सकता है। 'एन और मैं उस कमरे की तलाशी लेने जाएँगे। तुम और डिक इस कमरे की तलाशी लो। डिक, बाहर का दरवाज़ा बंद कर दो। मैं दूसरे कमरे का दरवाज़ा बंद कर देता हूँ। हम इन दोनों कमरों को जोड़ने वाले दरवाज़े को खुला रखेंगे, ताकि हम एक-दूसरे से बातें कर सकें।'

जूलियन और एन बीच के दरवाज़े से निकलकर दूसरे कमरे में पहुँच गए, जो पहले वाले कमरे जैसा ही

था। वहाँ भी कोई नहीं था। जूलियन उस कमरे के बाहर खुलने वाले दरवाज़े तक गया और उसने ताले में चाबी घुमाकर उसे बंद कर दिया। उसने आवाज़ सुनी कि डिक दूसरे कमरे के दरवाज़े को भी बंद कर रहा था। उसने राहत की लंबी साँस ली। अब वह सुरक्षित महसूस कर रहा था!

'एन, क़ालीनों को लपेटकर देखो कि पन्ने उनके नीचे तो नहीं छिपे हैं,' उसने कहा। 'फिर कुर्सी की गद्दियों के नीचे देखो। इसके बाद बिस्तर की तलाशी लो कि कहीं गद्दे के नीचे तो नहीं हैं।'

एन काम में जुट गई और जूलियन भी तलाशी लेने लगा। उसने दराज़ों वाली टेबल से अपना काम शुरू किया। उसे लगा कि यहाँ पर चीज़ें छिपाने की सबसे ज़्यादा संभावना थी। चोरी गए पन्नों की तलाश करते समय बच्चों के हाथ काँप रहे थे। यह बहुत ही रोमांचक अनुभव था।

वे सोच रहे थे कि वे दोनों पेंटर कहाँ गए होंगे। शायद नीचे गर्म किचन में होंगे। बेडरूम ठंडे थे और वे गर्मी के आस-पास रहना चाहते होंगे। वे बाहर तो जा नहीं सकते थे, क्योंकि किरिन फ़ार्महाउस के चारों तरफ़ बर्फ़ की बहुत मोटी परत जमी हुई थी!

डिक और जॉर्ज दूसरे कमरे में ज़ोर-शोर से तलाशी ले रहे थे। उन्होंने हर दराज़ में देखा और पलंग की भी

तलाशी ली। उन्होंने क़ालीन और गलीचे को भी पलटाकर देखा। और तो और, उन्होंने बड़ी चिमनी में भी हाथ डालकर देखा!

डिक ने दोनों कमरों के बीच के दरवाज़े पर आकर धीमी आवाज़ में पूछा, 'जूलियन! तुम्हें कुछ मिला?'

जूलियन ने थोड़ी निराशा से कहा, 'अभी तक तो कुछ भी नहीं मिला। उन्होंने पन्ने बहुत अच्छी तरह छिपाए हैं! कहीं वे उन्हें अपने साथ न ले गए हों - अपनी जेब में रखकर!'

डिक ने उसे निराशा से घूरकर देखा। यह तो उसने सोचा ही नहीं था। उसने कहा, 'यह तो बहुत बुरा *होगा!*'

'तुम वापस जाओ और *हर जगह* तलाश करो - *हर जगह!*' जूलियन ने आदेश दिया। 'तकियों पर मुक्का मारकर देखो कि कहीं उन्होंने पन्ने उनकी खोल में तो नहीं छिपाए हैं!'

डिक ग़ायब हो गया। उसके कमरे से काफ़ी आवाज़ें आने लगीं। ऐसा लग रहा था, जैसे वह बहुत ज़्यादा मुक्के मार रहा था!

एन और जूलियन भी छानबीन करते रहे। उन्होंने कोई जगह नहीं छोड़ी। उन्होंने दीवारों पर लटकती तस्वीरों के पीछे भी देखा कि कहीं पन्ने उनमें से किसी के पीछे तो नहीं छिपे हैं! लेकिन पन्ने कहीं नहीं मिले। यह बहुत ही निराशाजनक था।

जूलियन हताशा में बोला, 'हम उन पन्नों के बिना यहाँ से नहीं जा सकते। हमारी ख़ुशक़िस्मती थी कि हम ख़ुफ़िया रास्ते से उनके बेडरूम तक आ गए! हमें उन पन्नों को खोजना ही होगा!'

डिक दोबारा आकर बोला, 'मुझे कुछ आवाज़ें सुनाई दे रही हैं! सुनो!'

चारों बच्चे सुनने लगे। हाँ - आदमियों की आवाज़ें आ रही थीं - बेडरूम के ठीक बाहर!

16

बच्चों का भेद खुल गया

जॉर्ज ने धीरे से पूछा, 'अब हम क्या करें?' फिर वे सभी दबे पाँव पहले वाले कमरे में आ गए और पास-पास खड़े होकर सुनने लगे।

जूलियन ने कहा, 'अच्छा होगा कि हम फिर से ख़ुफ़िया रास्ते से वापस लौट चलें।'

'ओह नहीं, हम -' जॉर्ज कहने लगी, लेकिन तभी दरवाज़े के हैंडल के घूमने की आवाज़ आई। कोई अंदर आने की कोशिश कर रहा था, लेकिन दरवाज़े को खोल नहीं पा रहा था। फिर बच्चों को मिस्टर विल्टन की आवाज़ सुनाई दी, 'लगता है, मेरा दरवाज़ा अटक गया है। अगर तुम्हें दिक़्क़त न हो, तो मैं तुम्हारे बेडरूम के अंदर से जाकर देख लूँ कि इसके हैंडल को क्या हो गया है?'

'हाँ, हाँ, क्यों नहीं!' मिस्टर थॉमस की आवाज़ सुनाई दी। क़दमों की आहट दूसरे कमरे के दरवाज़े की तरफ़ बढ़ गई। फिर वहाँ भी हैंडल घूमने की आवाज़ आई।

'यह क्या?' मिस्टर विल्टन ने झुँझलाकर कहा। 'यह भी नहीं खुल रहा है। क्या दरवाज़ों पर अपने आप

ताला लग गया है?'

मिस्टर थॉमस ने कहा, 'लगता तो ऐसा ही है!'

फिर थोड़ी देर ख़ामोशी छाई रही। इसके बाद बच्चों ने धीमी आवाज़ में कुछ शब्द सुने, 'पन्ने तो सुरक्षित हैं? कहीं कोई उनके पीछे तो नहीं पड़ा है?'

'पन्ने तुम्हारे कमरे में हैं, है ना?' मिस्टर थॉमस ने कहा। इसके बाद थोड़ी देर तक ख़ामोशी छाई रही। बच्चों ने एक-दूसरे की तरफ़ देखा। तो इन आदमियों के पास पन्ने *थे* - और उसी कमरे में *थे*, जिसमें बच्चे इस समय खड़े थे! बच्चों ने उत्सुकता से चारों तरफ़ देखा और अपने दिमाग़ पर ज़ोर डाला कि ऐसी कौन सी जगह है, जहाँ उन्होंने तलाशी नहीं ली है।

'जल्दी! समय कम है, एक बार फिर चारों तरफ़ खोजो,' जूलियन ने धीरे से कहा। 'आवाज़ मत करना।'

दबे पाँव चलते हुए बच्चे एक बार फिर से तलाशी लेने लगे। उन्होंने उथल-पुथल मचा दी! यहाँ तक कि उन्होंने टेबल पर रखी किताबों के पन्ने तक खोलकर देखे, क्योंकि उन्हें लगा कि पन्ने वहाँ भी रखे जा सकते हैं। लेकिन उन्हें वहाँ कुछ नहीं मिला।

'मिसेज़ सैंडर्स!' मिस्टर विल्टन की आवाज़ आई। 'क्या आपने इन दोनों दरवाज़ों में ताला लगा दिया है? हम अंदर नहीं जा पा रहे हैं!'

'हे भगवान!' सीढ़ियों के नीचे से मिसेज़ सैंडर्स की

आवाज़ आई। 'मैं आकर देखती हूँ। मैंने तो किसी दरवाज़े पर ताला नहीं लगाया!'

एक बार फिर दरवाज़ों के हैंडल घुमाए गए, लेकिन दरवाज़े नहीं खुले। आदमी बहुत अधीर होने लगे।

मिस्टर विल्टन ने मिसेज़ सैंडर्स से पूछा, 'कहीं हमारे कमरों में कोई है तो नहीं?'

वे हँसने लगीं।

'आपके कमरों में कौन होगा? घर में सिर्फ़ मैं और मेरे पति मिस्टर सैंडर्स हैं। और मेरी ही तरह आप भी जानते हैं कि बाहर से कोई यहाँ नहीं आ सकता, क्योंकि हम बर्फ़ में फँस चुके हैं। मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा है। लगता है दरवाज़ों के ताले सरक गए होंगे।'

उस समय एन वॉश बेसिन पर रखे काँच के जग को उठाने लगी, ताकि उसके नीचे देख सके। वह उसकी उम्मीद से ज़्यादा भारी निकला और उसने उसे अचानक नीचे रख दिया। जग संगमरमर के वॉश बेसिन से टकराकर फूट गया और पानी चारों तरफ़ फैल गया!

दरवाज़े के बाहर खड़े सभी लोगों ने इसके टकराने की आवाज़ सुन ली। मिस्टर विल्टन ने दरवाज़ा भड़भड़ाया और दरवाज़े के हैंडल को घुमाया।

'अंदर कौन है? दरवाज़ा खोलो, वरना बहुत पछताओगे! तुम हमारे कमरे में क्या कर रहे हो?'

'एन, मूर्ख कहीं की!' डिक बोला। 'अब वे लोग

दरवाज़ा तोड़ देंगे!'

दोनों आदमियों का इरादा यही था! उन्हें यह डर था कि कोई रहस्यमय तरीक़े से उनके कमरे में घुस गया है और चोरी हुए पन्ने खोजने की कोशिश कर रहा है। यह सोचकर वे पगला गए और उन्होंने अपने कंधे दरवाज़े से टिकाकर पूरी ताक़त लगाई। दबाव के कारण दरवाज़ा चरमराया।

'आप लोग यह क्या कर रहे हैं!' मिसेज़ सैंडर्स ग़ुस्से से चिल्लाईं। लेकिन दोनों आदमियों ने उनकी तरफ़ कोई ध्यान नहीं दिया। जब उन दोनों ने दरवाज़े पर दोबारा पूरी ताक़त लगाई, तो दरवाज़े के चटकने की तेज़ आवाज़ हुई।

जूलियन ने कहा, 'जल्दी! अब हमें भागना ही होगा! इन लोगों को यह पता नहीं लगना चाहिए कि हम यहाँ कैसे आए, वरना हम दोबारा आकर तलाशी नहीं ले पाएँगे। एन, जॉर्ज, डिक – जल्दी से अलमारी में वापस जाओ!'

बच्चे कपड़ों वाली अलमारी की तरफ़ भागे। जूलियन ने कहा, 'सबसे पहले मैं जाता हूँ और नीचे उतरने में तुम लोगों की मदद करता हूँ।' वह सँकरे पत्थर पर पहुँच गया और पैर रखने के लिए लोहे के कुंदे टटोलने लगा। वह नीचे उतरा और पहले की तरह ही उसने अपनी टॉर्च दाँतों के बीच दबा रखी थी।

'एन, अब तुम आओ,' उसने कहा। 'और डिक, उसके बाद तुम आना। अगर एन को मदद की ज़रूरत हो, तो तुम उसका हाथ पकड़ लेना। जॉर्ज अच्छी तरह उतर सकती है - वह आसानी से अपने आप उतर आएगी।'

एन धीरे-धीरे उतरी। वह बहुत रोमांचित और डरी हुई थी। वह गिरने से इतना ज़्यादा डर रही थी कि नीचे आते समय वह अपने पैरों से लोहे के कुंदे टटोलने से भी घबरा रही थी।

डिक ने ऊपर से कहा, 'जल्दी करो, एन! अब दरवाज़ा टूटने ही वाला है!'

बेडरूम के दरवाज़े से ज़बर्दस्त आवाज़ें आ रही थीं। अब वह किसी भी पल टूट सकता था और आदमी भागकर अंदर आ सकते थे। ख़ुशक़िस्मती से डिक फटाफट नीचे उतर सकता था! एक बार वे सभी बाहर निकल जाएँ, तो जॉर्ज बलूत लकड़ी का बड़ा दरवाज़ा बंद करके नीचे आ सकती थी और फिर कोई ख़तरा नहीं रहेगा।

जॉर्ज अलमारी के कपड़ों के बीच छिपी थी और नीचे उतरने की अपनी बारी का इंतज़ार कर रही थी। जब वह वहाँ खड़ी-खड़ी सोच रही थी कि पन्ने कहाँ छिपे होंगे, तो उसके हाथ पास टँगे कोट में रखी किसी चीज़ से टकराए। यह बरसाती कोट था, जिसमें बड़ी-बड़ी

जेबें थीं। जॉर्ज का दिल बल्लियों उछलने लगा।

मान लो, पन्ने अब भी मिस्टर विल्टन के उसी कोट की जेब में रखे हों, जो उन्होंने मिस्टर रोलैंड से पन्ने लेते समय पहना था? यही एक जगह थी, जहाँ बच्चों ने तलाशी नहीं ली थी – अलमारी में टँगे कोटों की जेबों में! काँपती उँगलियों से लड़की ने जेब में टटोला कि उसमें क्या रखा था।

उसके हाथ में पन्ने आ गए। अलमारी में अँधेरा था, इसलिए वह यह नहीं देख पाई कि ये वही पन्ने हैं या नहीं, जिनकी उन्हें तलाश थी – लेकिन उसे आशा थी कि ये वही पन्ने होंगे! उसने उन्हें अपनी जर्सी में आगे की तरफ़ रख लिया, क्योंकि उसकी जेब बड़ी नहीं थी। फिर उसने डिक से पूछा :

'क्या अब मैं नीचे उतर सकती हूँ?'

धड़ाम! दरवाज़ा ज़ोरदार आवाज़ के साथ नीचे गिर गया और दोनों आदमी तेज़ी से कमरे में आ गए। उन्होंने चारों तरफ़ देखा। कमरे में कोई नहीं था। लेकिन वॉश बेसिन और फ़र्श पर पानी फैला था। यहाँ पर कोई न कोई तो ज़रूर होगा!

मिस्टर थॉमस ने कहा, 'अलमारी में देखो!'

जॉर्ज कपड़ों की अलमारी से रेंगकर सँकरे पत्थर पर पहुँच चुकी थी। वह उस जगह से अंदर आ गई थी, जहाँ अलमारी की नक़ली दीवार थी। अलमारी अब भी

दीवार में सरकी हुई थी। जॉर्ज गड्ढे में कुछ क़दम उतरी और फिर उसने बलूत की लकड़ी के दरवाज़े को बंद कर दिया, जो अब उसके सिर के ऊपर था। उसमें इतनी ताक़त नहीं थी कि वह उसे पूरा बंद कर दे, लेकिन उसे लगा कि अब वह सुरक्षित है!

आदमियों ने अलमारी के कपड़ों को हटाकर देखा कि वहाँ तो कोई नहीं छिपा है! मिस्टर विल्टन ने चिल्लाकर कहा।

'पन्ने चले गए हैं! वे इसी जेब में थे! अब वे ग़ायब हैं। जल्दी, हमें चोर का पता लगाना होगा और उससे पन्ने छीनने होंगे!'

उन लोगों ने इस बात की तरफ़ ध्यान नहीं दिया कि अलमारी पहले से थोड़ी ज़्यादा गहरी दिख रही थी। वे उससे थोड़े दूर चले गए, क्योंकि अब उन्हें यह विश्वास हो गया था कि अलमारी में कोई नहीं था। वे कमरे में तलाश करने लगे।

अब तक जॉर्ज को छोड़कर सभी बच्चे गड्ढे की तली में पहुँच गए थे और ख़ुफ़िया रास्ते में खड़े थे। वे सभी जॉर्ज के नीचे आने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे। जॉर्ज नीचे उतरने की इतनी जल्दी में थी कि उसके कपड़े एक कुंदे में उलझ गए और उसे अपने उलझे हुए कपड़ों को कुंदे से छुड़ाने के लिए बहुत ख़तरनाक स्थिति में लटकना पड़ा।

जूलियन बोला, 'जल्दी करो, जॉर्ज!'

टिमोथी दीवार पर उछला। जॉर्ज का इंतज़ार करते बच्चों का डर और रोमांच उस पर भी हावी हो रहा था। इससे वह विचलित हो गया। वह भी बेसब्री से जॉर्ज का इंतज़ार कर रहा था। जॉर्ज नीचे क्यों नहीं आई? वह अब तक उस अँधेरे गड्ढे के ऊपर क्यों थी? टिम इस बारे में दुखी था।

उसने अपना सिर पीछे किया और इतनी ज़ोर से भौंका कि सभी बच्चे बुरी तरह बौखला गए।

जूलियन बोला, 'चुप रहो, टिम!'

लेकिन टिम ने उसकी बात नहीं मानी। वह दोबारा भौंका और उसकी आवाज़ चारों तरफ़ अजीब तरीक़े से गूँजने लगी। एन डर के मारे रोने लगी। टिमोथी बार-बार भौंकने लगा। जब वह भौंकना शुरू कर देता था, तो रुकने का नाम नहीं लेता था।

ऊपर बेडरूम में आदमियों ने यह अजीब आवाज़ सुनी और हैरानी में अपनी जगह पर खड़े रह गए।

एक ने पूछा, 'यह कैसी आवाज़ है?'

दूसरे ने कहा, 'ऐसा लगता है, जैसे ज़मीन के नीचे कोई कुत्ता भौंक रहा है।'

'अजीब बात है!' मिस्टर विल्टन ने कहा। 'यह आवाज़ तो अलमारी से आ रही है।'

उन्होंने अलमारी का दरवाज़ा खोल दिया। उसी पल टिम बहुत दुखी आवाज़ में भौंका, जिसे सुनकर मिस्टर विल्टन उछल पड़े। उन्होंने अलमारी के अंदर की दीवार को टटोला। उनका हाथ लगते ही बलूत की लकड़ी का दरवाज़ा खुल गया।

मिस्टर विल्टन ने कहा, 'यहाँ कोई अजीब चीज़ है। टेबल से मेरी टॉर्च तो लाओ।'

टिम दोबारा भौंका और उस आवाज़ को सुनकर मिस्टर विल्टन काँप गए! टिम के भौंकने की आवाज़ गड्ढे में गूँजती हुई ऊपर अलमारी तक आ रही थी।

मिस्टर थॉमस ने टॉर्च उठाई और दोनों ने उसे अलमारी के पीछे चमकाकर देखा।

'ज़रा देखो तो सही! यहाँ एक दरवाज़ा है! यह कहाँ जाता है?'

मिसेज़ सैंडर्स अपने दरवाज़े के टूटने पर ग़ुस्सा थीं। वे अलमारी के पास आ गईं।

'ओह!' वे बोलीं। 'मैं जानती थी कि उस अलमारी की दीवार नक़ली है – लेकिन मैं यह नहीं जानती थी कि उसके पीछे एक और दरवाज़ा भी है! यह उस ख़ुफ़िया रास्ते का दरवाज़ा होगा, जिसका इस्तेमाल लोग पुराने ज़माने में करते थे।'

मिस्टर विल्टन ने पूछा, 'यह कहाँ जाता है?'

मिसेज़ सैंडर्स बोली, 'क्या पता? मैंने इन चीज़ों में कभी ज़्यादा दिलचस्पी नहीं ली।'

'चलो, हम नीचे उतरते हैं,' मिस्टर विल्टन ने कहा, जिन्हें टॉर्च की रोशनी में लोहे के कुंदे दिखाई दे गए थे। 'चोर यहीं से गया होगा, लेकिन वह अभी ज़्यादा दूर नहीं गया होगा। हम उसका पीछा करते हैं। हमें उन पन्नों को हर हाल में वापस लाना ही होगा!'

जल्दी ही दोनों आदमी सँकरे पत्थर पर झूलते हुए गड्ढे में उतरने लगे और अपने पैरों से लोहे के कुंदे टटोलने लगे। वे नीचे उतरते समय सोचने लगे कि वे क्या पता कहाँ जा रहे हैं। उन्हें नीचे से कोई आवाज़ सुनाई नहीं दे रही थी। यह स्पष्ट था कि चोर दूर जा चुका था!

जॉर्ज आख़िरकार नीचे पहुँच गई। टिम ख़ुशी में उस पर इतनी तेज़ी से झपटा कि वह गिरते-गिरते बची। जॉर्ज ने अपना हाथ उसके सिर पर रखकर कहा, 'मूर्ख कुत्ते! मुझे लगता है, तुमने हमारा भांडा फोड़ दिया है! जल्दी जूलियन, हमें जल्दी चलना होगा, क्योंकि वे लोग एक मिनट में हमारे पीछे आ जाएँगे। उन्होंने टिम के भौंकने की आवाज़ सुन ली होगी!'

जूलियन ने एन का हाथ पकड़ लिया और बोला, 'चलो, एन। तुम्हें पूरी ताक़त से भागना होगा। जल्दी! डिक, तुम जॉर्ज के साथ पीछे आओ।'

वे चारों अँधेरे, सँकरे गलियारे में तेज़ी से भागने लगे। वे जानते थे कि घर तक पहुँचने के लिए उन्हें लंबा रास्ता तय करना था! काश गलियारा इतना लंबा नहीं होता! तेज़ी से चलते और लड़खड़ाते समय बच्चों के पेट दुख रहे थे।

जूलियन ने अपनी टॉर्च की रोशनी अपने सामने रखी और डिक ने पीछे की तरफ़। एन को आधा पकड़ते और आधा खींचते हुए जूलियन तेज़ी से भागने लगा। पीछे से उन्हें किसी के चिल्लाने की आवाज़ सुनाई दी।

'देखो! आगे रोशनी दिख रही है! चोर भागने की कोशिश कर रहा है! हम उसे जल्दी ही पकड़ लेंगे!'

17

टिम की बहादुरी!

'जल्दी करो, एन। जल्दी चलो!' डिक चिल्लाया, जो एन के ठीक पीछे चल रहा था।

एन को जल्दी-जल्दी चलने में बहुत मुश्किल आ रही थी। जूलियन उसे खींच रहा था और डिक उसे धक्का दे रहा था। वह दो-तीन बार गिरते-गिरते बची। वह तेज़ी से हाँफ रही थी और उसे लग रहा था कि उसका दम निकल जाएगा।

उसने हाँफते हुए कहा, 'मुझे थोड़ा आराम करना है!' लेकिन आराम करने का समय नहीं था, क्योंकि दोनों आदमी तेज़ी से पीछे आ रहे थे! बच्चे उस चौड़ी जगह पर आ गए, जहाँ चट्टान की बेंच थी। एन ने बेंच को हसरत से देखा, लेकिन लड़के उसे जल्दी से आगे ले गए।

अचानक एन का पैर एक पत्थर में अटक गया और वह गिर गई। जूलियन भी उसके साथ गिरते-गिरते बचा। एन ने उठकर खड़े होने की कोशिश की और रोने लगी।

'मेरे पैर में चोट लग गई है! इसमें मोच आ गई है!

ओह जूलियन, मुझे चलने में बहुत दर्द हो रहा है।'

'लेकिन तुम्हें किसी तरह चलना ही होगा,' जूलियन ने कहा। उसे अपनी छोटी बहन से पूरी हमदर्दी थी, लेकिन वह जानता था कि अगर उसने सख़्ती नहीं की, तो वे सभी पकड़े जाएँगे। 'जितनी जल्दी हो सकता है, चलो।'

लेकिन तेज़ चलना एन के लिए असंभव था। उसका पैर इतना ज़्यादा दुख रहा था कि वह दर्द से रोने लगी। वह इतनी धीरे-धीरे चल रही थी कि उसके पीछे चल रहा डिक उसके कारण गिरते-गिरते बचा। डिक ने पीछे नज़र डाली। उसने देखा कि आदमियों की टॉर्च की रोशनी क़रीब आती जा रही थी। अब वे क्या करेंगे?

जॉर्ज अचानक बोली, 'मैं यहाँ पर टिम के साथ रुककर उन्हें आगे बढ़ने से रोकती हूँ। ये पन्ने ले जाओ, डिक! मुझे लगता है कि ये वही पन्ने हैं, जिनकी हमें तलाश थी, लेकिन मैं यह बात पूरे यक़ीन के साथ तब तक नहीं कह सकती, जब तक कि मैं इन्हें रोशनी में न देख लूँ। ये पन्ने मुझे अलमारी में रखे एक कोट की जेब में मिले थे।'

'वाह!' डिक ने हैरानी से कहा। उसने भी जॉर्ज की तरह पन्ने अपनी जर्सी में डाल लिए। इतने बड़े पन्ने उसकी पैंट की जेब में नहीं आ सकते थे। 'जॉर्ज, मैं भी तुम्हारे साथ रुकता हूँ। बाक़ी दोनों को आगे जाने दो।'

'नहीं। मैं डैडी के पन्नों को सुरक्षित पहुँचाना चाहती हूँ,' जॉर्ज बोली। 'जाओ, डिक! मेरे साथ टिम है। मुझे कुछ नहीं होगा। मैं वहाँ खड़ी हो जाऊँगी, जहाँ गलियारा चट्टानों के पास से घूमता है। मैं टिम से भौंकने को कहूँगी।'

'मान लो, उन लोगों के पास रिवॉल्वर हो?' डिक ने शंका से कहा। 'वे उसे गोली भी मार सकते हैं।'

'मुझे यक़ीन है कि उनके पास रिवॉल्वर नहीं होगा,' जॉर्ज बोली। 'अब जाओ, डिक! वे लोग अब बहुत पास आ चुके हैं। उनकी टॉर्च की रोशनी दिख रही है।'

डिक लड़खड़ाती एन के पीछे भागा। उसने जूलियन को जॉर्ज का सुझाव बताया। जूलियन बोला, 'शाबाश जॉर्ज! वह सचमुच ज़बर्दस्त लड़की है। उसे किसी चीज़ से डर नहीं लगता! वह उन आदमियों को तब तक रोके रखेगी, जब तक मैं बेचारी एन को सही-सलामत घर नहीं पहुँचा दूँगा।'

जॉर्ज चट्टान के पीछे छिपी हुई थी। उसका हाथ टिम के पट्टे पर था और वह इंतज़ार कर रही थी। उसने धीरे से कहा, 'टिम। तेज़ आवाज़ में भौंको! अभी!'

टिमोथी अब तक गुर्रा रहा था, लेकिन जॉर्ज के आदेश पर उसने अपना बड़ा मुँह खोला और ज़ोर-ज़ोर से भौंकने लगा। अब वह बहुत ज़ोर से भौंक रहा था! उसकी आवाज़ ज़बर्दस्त थी और उसके भौंकने की

आवाज़ अँधेरे और सँकरे गलियारे में चारों तरफ़ गूँज रही थी। तेज़ी से आ रहे आदमी गलियारे के चट्टानी मोड़ के पास ही रुक गए।

जॉर्ज ने चिल्लाकर कहा, 'अगर तुम इस मोड़ के पार आए, तो मैं तुम पर अपना कुत्ता छोड़ दूँगी!'

'यह तो किसी लड़की की आवाज़ है,' एक आदमी ने दूसरे से कहा। 'सिर्फ़ लड़की ही तो है! चलो!'

टिमोथी दोबारा भौंका और उसने अपने पट्टे को खींचा। वह उन आदमियों पर हमला करने के लिए छटपटा रहा था। उनकी टॉर्च की रोशनी मोड़ पर चमकी। जॉर्ज ने टिम को छोड़ दिया और बड़ा कुत्ता ख़ुशी से उछलता हुआ मोड़ पर दुश्मनों के सामने पहुँच गया।

उन आदमियों ने अपनी टॉर्च की रोशनी में अचानक कुत्ते को आते देखा। वह बहुत ही भयानक दिख रहा था! वह बड़ा कुत्ता था और इस समय ग़ुस्से के कारण उसके गले के बाल भी खड़े हो गए थे, जिससे वह और भी बड़ा दिख रहा था। उसके दाँत बाहर निकले थे और टॉर्च की रोशनी में चमक रहे थे।

उसे देखकर आदमियों के होश उड़ गए। जॉर्ज चिल्लाई, 'अगर एक क़दम भी आगे बढ़ाया, तो मैं अपने कुत्ते से तुम पर हमला करवा दूँगी! ठहरो टिम, ठहरो। जब तक मैं न बोलूँ, वहीं खड़े रहो।'

कुत्ता टॉर्च की रोशनी में वहीं खड़ा रहा और ज़ोर–ज़ोर से गुर्राने लगा। वह बहुत ही खूँखार दिख रहा था। आदमियों ने उसकी तरफ़ शंका से देखा। जब एक आदमी ने क़दम आगे बढ़ाया, तो जॉर्ज को आवाज़ आ गई। उसने तत्काल टिम को आदेश दिया।

'टिम, उस पर हमला करो, उस पर हमला करो!'

टिम उस आदमी के गले की तरफ़ उछला। वह आदमी एकदम हैरान रह गया। वह धम्म से ज़मीन पर गिर पड़ा और कुत्ते से आज़ाद होने की कोशिश करने लगा। दूसरे आदमी ने उसे छुड़ाने की कोशिश की।

दूसरा आदमी चिल्लाया, 'अपने कुत्ते को बुला लो, वरना उसे चोट पहुँच सकती है!'

'ज़्यादा संभावना तो इस बात की है कि *तुम लोगों को* चोट पहुँच सकती है!' जॉर्ज ने कहा, जो चट्टान के पीछे से बाहर आ गई थी और इस दृश्य को मज़े से देख रही थी। 'टिम, यहाँ आ जाओ।'

टिम उस आदमी से दूर आ गया, जिसे वह परेशान कर रहा था। वह अपनी मालकिन की तरफ़ ऐसे देख रहा था, जैसे कह रहा हो, 'मुझे बहुत मज़ा आ रहा था! आपने मेरा मज़ा ख़राब क्यों किया ?'

ज़मीन पर गिरे आदमी ने पूछा, 'तुम कौन हो ?'

जॉर्ज ने कहा, 'मैं तुम्हारे किसी सवाल का जवाब नहीं दूँगी। मेरी तुम लोगों को यही सलाह है : किरिन

फ़ार्महाउस लौट जाओ। अगर तुम इस गलियारे में आगे आने की कोशिश करोगे, तो मैं तुम पर अपना कुत्ता छोड़ दूँगी – और अगली बार वह ज़्यादा नुक़सान पहुँचाएगा।'

दोनों आदमी पलटे और जिस रास्ते से आए थे, उसी रास्ते लौट गए। दोनों ही फिर से टिम का सामना नहीं करना चाहते थे। जॉर्ज ने तब तक इंतज़ार किया, जब तक कि उनकी टॉर्च की रोशनी उसकी आँखों से ओझल नहीं हो गई, फिर उसने झुककर टिमोथी को थपथपाया।

'बहादुर कुत्ते!' उसने कहा। 'टिम, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूँ! तुम नहीं जानते कि मुझे तुम पर कितना गर्व है! चलो – अब हमें जल्दी से बाक़ी बच्चों के पीछे चलना है। मुझे उम्मीद है कि दोनों आदमी आज रात को इस गलियारे की खोजबीन करने के लिए दोबारा आएँगे। जब उन्हें यह पता लगेगा कि यह कहाँ जाता है और उनका कौन इंतज़ार कर रहा है, तो उनके होश उड़ जाएँगे!'

जॉर्ज जल्दी-जल्दी लंबे गलियारे में चल पड़ी। टिम उसके साथ भाग रहा था। जॉर्ज के पास डिक की टॉर्च थी और उसे बाक़ी बच्चों के पास पहुँचने में ज़्यादा समय नहीं लगा। उसने हाँफते हुए उन लोगों को सारी बात बताई। यहाँ तक कि एन ने भी ख़ुशी की किलकारी भरी, जब उसने सुना कि टिम ने किस तरह छलाँग

मारकर मिस्टर विल्टन को ज़मीन पर गिरा दिया था।

'लो हम आ गए,' जूलियन ने कहा, जब गलियारा स्टडी के फ़र्श वाले गड्ढे में ख़त्म हो गया। 'अरे - यह क्या है?'

गड्ढे में एक तेज़ रोशनी चमक रही थी। जूलियन ने जिस गलीचे और क़ालीन को सावधानी से गड्ढे के ऊपर डाला था, उन्हें अब हटा दिया गया था। बच्चों ने हैरानी से ऊपर देखा।

वहाँ क्वेंटिन अंकल और फ़ैनी आंटी नज़र आए। जब उन्हें गड्ढे में बच्चों के चेहरे दिखे, तो वे इतने हैरान हो गए कि वे ख़ुद गड्ढे में गिरते-गिरते बचे!

'जूलियन! एन! तुम वहाँ क्या कर रहे हो?' क्वेंटिन अंकल ने चिल्लाकर पूछा। उन्होंने एक-एक करके सभी का हाथ पकड़ा और चारों बच्चे तथा टिमोथी आख़िरकार स्टडी में सही-सलामत आ गए। दोबारा गर्मी का एहसास बहुत सुखद लग रहा था! वे आग के बिलकुल पास जाकर खड़े हो गए।

फ़ैनी आंटी ने पूछा, 'बच्चो - इस सबका क्या मतलब *है?*' उनका चेहरा सफ़ेद पड़ गया था और वे चिंतित दिख रही थीं। 'मैं स्टडी को साफ़ करने आई थी और जब मैं क़ालीन के इस हिस्से पर खड़ी हुई, तो मैं गिरते-गिरते बची। जब मैंने गलीचे को हटाया, तो मुझे वहाँ गड्ढा दिखा। फिर मुझे पटिये वाला गड्ढा भी

दिखाई दिया! और फिर मुझे यह पता चला कि तुम सभी लोग ग़ायब हो। मैं जाकर तुम्हारे अंकल को बुला लाई। क्या हो रहा है – और यह गड्ढा कहाँ जाता है?'

डिक ने अपनी जर्सी से पन्ने निकालकर जॉर्ज को दे दिए। जॉर्ज ने उन्हें अपने डैडी के हाथ में रख दिया। उसने पूछा, 'क्या यही आपके ग़ुमे हुए पन्ने हैं?'

उसके डैडी ने पन्नों को इस तरह गले लगाया, जैसे वे सोने से भी सौ गुना ज़्यादा क़ीमती हों। 'हाँ! हाँ! यही वे पन्ने हैं – तीनों के तीनों! शुक्र है कि वे वापस मिल गए। उन्हें तैयार करने में मुझे तीन साल लग गए थे और उनमें मेरे ख़ुफ़िया फ़ॉर्मूले की जान थी। जॉर्ज, ये तुम्हें कहाँ मिले?'

'यह बहुत लंबी कहानी है,' जॉर्ज बोली। 'जूलियन इसे तुम सुनाओ, मैं थक गई हूँ।'

जूलियन पूरी बात बताने लगा। उसने कुछ नहीं छोड़ा। उसने बताया कि जॉर्ज ने मिस्टर रोलैंड को स्टडी में ताक-झाँक करते हुए देखा था। उसे यह यक़ीन था कि टीचर टिमोथी को घर में इसलिए नहीं आने देना चाहते थे, क्योंकि वह रात की उनकी हरकतों के बारे में चेतावनी दे देता। फिर जूलियन ने यह बताया कि जॉर्ज ने मिस्टर रोलैंड को दोनों पेंटरों से बात करते हुए देखा था, हालाँकि वे यह नाटक कर रहे थे कि वे उन्हें नहीं जानते हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती गई, क्वेंटिन

अंकल और फ़ैनी आंटी हैरान होते गए। उन्हें इस पर यक़ीन ही नहीं हो रहा था।

लेकिन ग़ुमे हुए पन्ने सही-सलामत लौट आए थे। यह बहुत अच्छा हुआ! क्वेंटिन अंकल ने उन पन्नों को सीने से इस तरह चिपका रखा था, जैसे कोई अपने लाड़ले बच्चे को चिपकाता है। उन्होंने एक पल के लिए भी पन्नों को नीचे नहीं रखा।

जॉर्ज ने कहानी का वह हिस्सा बताया, जिसमें टिमी ने भागते हुए बच्चों को बचाने के लिए आदमियों को रोका था। 'तो आपने देखा, हालाँकि आपने बेचारे टिम को घर से बाहर और मुझसे दूर ठंड में रखा, लेकिन दरअसल उसी ने हम सबको और आपके पन्नों को बचाया,' उसने अपने डैडी के चेहरे पर अपनी चमकती नीली आँखें गड़ाते हुए कहा।

उसके डैडी बहुत परेशान हो गए। उन्हें अपनी ग़लती का एहसास हो गया था। उन्हें अफ़सोस था कि उन्होंने जॉर्ज और टिमोथी को सज़ा क्यों दी। मिस्टर रोलैंड के बारे में जॉर्ज और टिमोथी सही थे, जबकि बाक़ी सभी लोग ग़लत थे।

'बेचारी जॉर्ज,' उन्होंने कहा, 'और बेचारा टिमी। मुझे अपनी ग़लती पर अफ़सोस है।'

जब कोई अपनी ग़लती मान लेता था, तो जॉर्ज मन में कोई मैल नहीं रखती थी।

उसने कहा, 'कोई बात नहीं। मुझे तो ग़लत सज़ा मिली थी, लेकिन क्या आपको नहीं लगता कि मिस्टर रोलैंड को सही सज़ा मिलनी चाहिए? वे इसी क़ाबिल हैं!'

'हाँ, उन्हें सज़ा मिलेगी, ज़रूर मिलेगी,' उसके डैडी ने वादा किया। 'तुम्हें तो पता ही है, अभी वे सर्दी के कारण बिस्तर में पड़े हैं। मुझे आशा है कि उन्हें इस बारे में कुछ पता नहीं चलेगा, वरना वे भागने की कोशिश कर सकते हैं।'

'वे ऐसा नहीं कर सकते,' जॉर्ज ने कहा। 'हम बर्फ़ में फँसे हुए हैं और सारे रास्ते बंद हैं। आप पुलिस को फ़ोन करके यह इंतज़ाम कर दें कि बर्फ़ साफ़ होते ही वे लोग यहाँ आ जाएँ। और मुझे लगता है कि वे दोनों पेंटर पन्ने ले जाने के लिए जल्दी से जल्दी ख़ुफ़िया रास्ते में आने की कोशिश करेंगे। उनके यहाँ आने पर क्या आप उन्हें पकड़ सकते हैं? आपको क्या लगता है?'

'बिलकुल!' क्वेंटिन अंकल बोले, हालाँकि फ़ैनी आंटी ऐसे देख रही थीं, जैसे वे और रोमांचक घटनाएँ नहीं चाहती हैं! 'अब देखो, तुम सभी लोग ठंड के मारे अकड़ चुके हो और तुम्हें भूख भी लग रही होगी, क्योंकि लंच का समय हो गया है। डाइनिंग रूम में जाकर आग के पास बैठो और जोआना हम सभी को गर्मागर्म लंच देगी। फिर हम आगे की योजना बनाएँगे।'

ज़ाहिर है, किसी ने भी मिस्टर रोलैंड को कुछ नहीं बताया। वे अपने बिस्तर पर पड़े रहे और बार-बार खाँसते रहे। जॉर्ज ने चुपचाप ऊपर जाकर उनके दरवाज़े पर ताला लगा दिया। वह नहीं चाहती थी कि मिस्टर रोलैंड बाहर निकलें और चोरी-छिपे उनकी बातें सुन लें।

उन सभी ने लंच का आनंद लिया और उनके अंदर गर्मी लौट आई। साथ बैठकर अपने रोमांचक अभियान के बारे में बातें करना बहुत अच्छा लग रहा था - और आगे की योजना बनाना भी।

'मैं पुलिस को फ़ोन करता हूँ,' क्वेंटिन अंकल बोले। 'और आज रात को हम टिमोथी को स्टडी में ही छोड़ देते हैं, ताकि अगर दोनों पेंटर यहाँ आएँ, तो वह उनका अच्छी तरह स्वागत कर सके!'

मिस्टर रोलैंड को बहुत कोफ़्त हुई, जब उन्होंने पाया कि उनके दरवाज़े पर ताला लगा है। वे कपड़े पहनकर नीचे जाने के बारे में सोच रहे थे। उन्होंने ग़ुस्से में दरवाज़ा भड़भड़ाया। जॉर्ज मुस्कराती हुई ऊपर की मंज़िल पर पहुँच गई। उसने बाक़ी बच्चों को बता दिया था कि उसने दरवाज़े पर ताला लगा दिया है।

उसने विनम्र आवाज़ में पूछा, 'क्या हुआ, मिस्टर रोलैंड?'

'ओह, तुम हो जॉर्ज?' टीचर ने कहा। 'ज़रा देखना तो सही, मेरे दरवाज़े को क्या हो गया? यह खुल नहीं

रहा है।'

जॉर्ज ने दरवाज़े में ताला लगाकर चाबी अपनी जेब में रख ली थी। उसने ख़ुश आवाज़ में मिस्टर रोलैंड को जवाब दिया।

'ओह मिस्टर रोलैंड, आपके दरवाज़े में चाबी नहीं लगी है, इसलिए मैं इसका ताला नहीं खोल सकती। मैं देखती हूँ, इसकी चाबी कहाँ है!'

मिस्टर रोलैंड नाराज़ और हैरान थे। वे यह नहीं समझ पाए कि उनके दरवाज़े पर ताला क्यों लगा है और चाबी कहाँ चली गई है! उन्हें यह अंदाज़ा ही नहीं था कि सब लोग उनकी हक़ीक़त जान चुके हैं। क्वेंटिन अंकल हँसे, जब जॉर्ज ने नीचे जाकर उन्हें दरवाज़े के ताले के बारे में बताया।

उन्होंने कहा, 'यह अच्छा है कि उन्हें क़ैदी की तरह रखा जाए। अब वे भाग नहीं पाएँगे।'

उस रात को सभी लोग बिस्तर पर जल्दी ही चले गए। गड्ढे की सुरक्षा के लिए टिमी को स्टडी में छोड़ दिया गया। जब मिस्टर रोलैंड के दरवाज़े का ताला नहीं खुला, तो उनका ग़ुस्सा और हैरानी बढ़ गई। उन्होंने क्वेंटिन अंकल को आवाज़ लगाई, लेकिन हर बार जॉर्ज ही ऊपर आई। उन्हें कुछ समझ में नहीं आ रहा था। ज़ाहिर है, जॉर्ज को बहुत मज़ा आ रहा था। उसने टिमोथी से मिस्टर रोलैंड के दरवाज़े के बाहर भौंकने को

कहा। इससे वे और भी हैरान हुए, क्योंकि वे जानते थे कि जॉर्ज को टिमी को तीन दिन तक न देखने की सज़ा मिली थी। उनके दिमाग़ में अजीब से विचार दौड़ने लगे। क्या इस खूँखार, ज़िद्दी लड़की ने अपने मम्मी-डैडी, जोआना और उन्हें ताले में बंद कर दिया है? वे यह कल्पना नहीं कर पा रहे थे कि क्या हुआ होगा।

आधी रात को टिमी ने ज़ोर-ज़ोर से भौंककर सभी को जगा दिया। क्वेंटिन अंकल और बच्चे फटाफट नीचे की मंज़िल पर गए। फ़ैनी आंटी और हैरान जोआना उनके पीछे थीं। उनकी आँखों को एक बढ़िया दृश्य दिखा!

मिस्टर विल्टन और मिस्टर थॉमस स्टडी में सोफ़े के पीछे दुबके बैठे थे। वे टिमोथी के कारण दहशत में थे, जो पूरी ताक़त से भौंक रहा था! टिमी पत्थर के फ़र्श वाले गड्ढे के पास खड़ा था, ताकि वे दोनों आदमी नीचे उतरकर फिर से गलियारे में न भाग जाएँ। चालाक टिमी! उसने तब तक ख़ामोशी से इंतज़ार किया था, जब तक कि वे दोनों आदमी गड्ढे में से ऊपर आकर स्टडी में नहीं पहुँच गए और उसकी छानबीन नहीं करने लगे। फिर कुत्ता गड्ढे की रखवाली करने के लिए कूदकर उसके पास पहुँच गया और इस तरह उसने उनके भागने का रास्ता बंद कर दिया।

'गुड ईवनिंग, मिस्टर विल्टन; गुड ईवनिंग, मिस्टर

थॉमस,' जॉर्ज ने नम्र आवाज़ में कहा। 'क्या आप हमारे टीचर मिस्टर रोलैंड से मिलने आए हैं?'

'तो वह यहाँ रहता है!' मिस्टर विल्टन ने कहा। 'क्या आज गलियारे में तुम थीं?'

'हाँ – और मेरे चचेरे भाई-बहन भी थे,' जॉर्ज ने कहा। 'क्या आप लोग वे पन्ने लेने आए हैं, जो आप लोगों ने मेरे डैडी की कॉपी से चुराए थे?'

दोनों आदमी ख़ामोश थे। वे जानते थे कि वे फँस चुके हैं। मिस्टर विल्टन ने एक पल बाद पूछा।

'मिस्टर रोलैंड कहाँ हैं?'

'अंकल, क्या हम इन लोगों को मिस्टर रोलैंड के पास ले जाएँ?' जूलियन ने जॉर्ज को आँख मारते हुए कहा। 'हालाँकि आधी रात हो चुकी है, लेकिन मुझे यक़ीन है कि वे इनसे मिलकर ख़ुश होंगे।'

'हाँ,' उसके अंकल को समझ में आ गया कि जूलियन क्या करना चाहता है और इस बात से वे उछल पड़े। 'उन्हें ऊपर ले जाओ। टिमी, तुम भी ऊपर जाओ।'

दोनों पेंटर जूलियन के पीछे-पीछे ऊपर की मंज़िल पर गए। टिमी उनके पीछे-पीछे चल रहा था। जॉर्ज भी मुस्कराती हुई पीछे चल रही थी। उसने जूलियन को चाबी थमा दी। जूलियन ने दरवाज़े का ताला खोला और दोनों पेंटर अंदर गए। जूलियन ने लाइट जला दी।

मिस्टर रोलैंड जाग रहे थे और वे अपने मित्रों को वहाँ देखकर बहुत हैरान हो गए।

इससे पहले कि उन्हें एक भी शब्द कहने का मौक़ा मिल पाए, जूलियन ने दरवाज़े पर बाहर से ताला लगा दिया और चाबी जॉर्ज की तरफ़ उछाल दी।

'ये लोग कितनी अच्छी तरह क़ैद हो गए,' उसने कहा। 'हम टिम को दरवाज़े के बाहर पहरेदारी पर बिठा देते हैं। उस खिड़की से बाहर निकलना असंभव है और वैसे भी, अगर वे उधर से भागेंगे, तो कोई फ़ायदा नहीं होगा। हम बर्फ़ से घिरे हुए हैं।'

सभी लोग दोबारा बिस्तर पर चले गए, लेकिन इतनी रोमांचक घटनाओं के बाद बच्चों को मुश्किल से नींद आई। एन और जॉर्ज काफ़ी देर तक बातें करती रही। जूलियन और डिक ने भी यही किया। बातें करने के लिए उनके पास बहुत सारा मसाला था।

अगले दिन सभी लोग हैरान रह गए। पुलिस आख़िरकार वहाँ आ ही गई! बर्फ़ उन्हें नहीं रोक पाई थी, क्योंकि वे बहादुरी से स्कीइंग करके क़ैदियों को देखने आ गए थे! सभी लोग बहुत रोमांचित थे।

इंस्पेक्टर बोले, 'हम इन लोगों को तब तक नहीं ले जाएँगे सर, जब तक कि बर्फ़ पिघल नहीं जाती। हम उन्हें हथकड़ियाँ पहना देते हैं, ताकि वे भाग न जाएँ। आप उस दरवाज़े पर ताला लगा रहने दें और उस कुत्ते

को बाहर पहरा देने दें। वे लोग एक-दो दिन तक सुरक्षित रहेंगे। हम कमरे में उनके लिए पर्याप्त भोजन भी रख देंगे, जब तक कि हम दोबारा नहीं लौटते। अगर भोजन थोड़ा कम भी हुआ, तो भी कोई दिक्क़त की बात नहीं है। उन्हें अपने किए की सज़ा मिल जाएगी!'

बर्फ़ दो दिन बाद पिघल गई और पुलिस मिस्टर रोलैंड और उनके दोनों दोस्तों को पकड़कर ले गई। बच्चे ख़ुशी से सब कुछ देखते रहे।

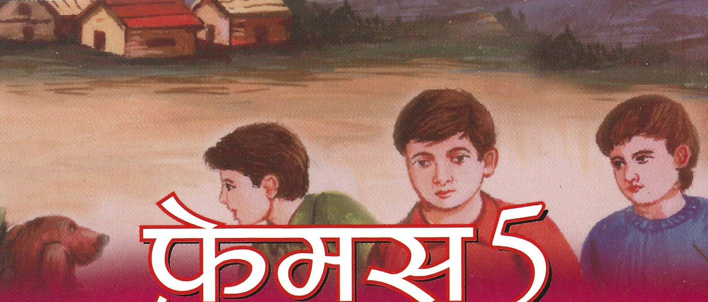
एन ने ख़ुशी से कहा, 'अब बाक़ी बची छुट्टियों में पढ़ाई नहीं करनी पड़ेगी!'

जॉर्ज बोली, 'अब टिमोथी को घर से बाहर भी नहीं रहना पड़ेगा।'

'जॉर्ज, तुम सही थीं और हम ग़लत थे,' जूलियन बोला। 'तुम खूँखार थीं, है ना? लेकिन यह बहुत अच्छी बात है कि तुम खूँखार थीं!'

'जॉर्ज खूँखार है, है ना?' डिक ने जॉर्ज को गले लगाते हुए कहा। 'लेकिन वह ऐसी ही अच्छी लगती है, है ना जूलियन? ओह जॉर्ज, तुम साथ रहती हो, तो कितनी रोमांचक घटनाएँ होती हैं! मैं सोच रहा हूँ कि क्या आगे भी रोमांचक घटनाएँ होंगी?'

बिलकुल होंगी - इस बारे में कोई शक नहीं है!



फ़ेमस 5

किरिन कॉटेज में कोई चोर है!

बहादुर फ़ेमस फ़ाइव - जूलियन, डिक, एन, जॉर्ज और टिमी - उस चोर का पता लगाने का फ़ैसला करते हैं। लेकिन वे यह काम कैसे कर सकते हैं; उनके पास कोई सबूत नहीं हैं। फिर उन्हें एक नक़्शा मिलता है और एक ख़ुफ़िया रास्ता भी!

अचानक सही तस्वीर सामने आने लगती है ...

Rs. 85

ISBN 81-8322-046-0

9 788183 220460

MANJUL

AHW HPB Hindi Series